जबलपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन मास शुक्ल पक्ष-14/15 ■ वर्ष : 21, अंक : 171 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 32 न्यून. 19 haribhoomi.com





# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी


### इंदौर में भाई का इलाज कराने आया था, क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

# टाइगर श्रॉफ 'फायरिंग' केस का आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

**हथियार सप्लाई करने का आरोप पुलिस इस मामले में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है**

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में इंदौर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच और इंदौर क्राइम ब्रांच ने शनिवार को संयुक्त कार्रवाई कर हरियाणा के सोनीपत निवासी प्रांजल ठाकरान (22) को हिरासत में लिया।

उस पर फायरिंग की साजिश में शामिल होने और हथियार सप्लाई करने का आरोप है। हालांकि, मामले में उसकी


टाइगर श्रॉफ


प्रांजल ठाकरान

भूमिका को लेकर पुलिस ने विस्तृत जानकारी नहीं दी है। प्रांजल करीब पांच दिन पहले अपने भाई का इलाज कराने इंदौर आया था। मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार रात इंदौर क्राइम ब्रांच से संपर्क किया था। इसके बाद दोनों टीमों ने समन्वय कर कार्रवाई की।

इस दौरान मुंबई क्राइम ब्रांच के करीब 4 अधिकारी और इंदौर क्राइम ब्रांच के लगभग 8 पुलिसकर्मी शामिल थे। इंदौर क्राइम ब्रांच के एडीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, मुंबई में हुई फायरिंग की घटना में संदिग्ध भूमिका को लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच ने इंदौर पुलिस से संपर्क किया था। इनपुट के आधार पर इंदौर में उसकी मौजूदगी का पता लगाकर कार्रवाई की गई।

## तकनीकी सर्विलांस, इनपुट के आधार पर कार्रवाई

मुंबई क्राइम ब्रांच को मिले इनपुट के आधार पर संदिग्ध की लोकेशन का पता लगाया गया। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से उसे हिरासत में लिया गया। अब मुंबई क्राइम ब्रांच उससे पूछताछ कर फायरिंग की साजिश, हथियारों की सप्लाई और अन्य आरोपियों से उसके संपर्कों की जांच करेगी। टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के बाद से ही पुलिस आरोपी और उनके मददगारों की तलाश में जुटी है। इसी कड़ी में जांच के दौरान प्रांजल का नाम सामने आया। मुंबई पुलिस उसकी मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर रही थी। शनिवार को लोकेशन इंदौर में मिलने पर पुलिस दल यहां पहुंचा। इसके बाद मुंबई और इंदौर पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर उसे पकड़ लिया।

***कार पर फायरिंग के बाद से ही पुलिस मददगारों की तलाश में जुटी है***


इसी कार पर हुई थी फायरिंग

### लॉरेंस गैंग से जुड़ाव का दावा कर ली थी जिम्मेदारी

फायरिंग की घटना के बाद अनिल पंडित ने सोशल मीडिया पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से संबंध होने का दावा करते हुए वारदात की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, प्रांजल ठाकरान के इस गैंग से जुड़े होने की अभी पुष्टि नहीं हुई है। जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि उसने अन्य आरोपियों को किसी तरह की मदद दी थी या नहीं।


Dinh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366


## खबर संक्षेप

### एक्स पर आईं सोनिया, राजीव से मुलाकात का किया जिक्र

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता सोनिया गांधी इंस्टाग्राम के बाद अब सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी



आ गई हैं। उन्होंने अपनी पहली किताब 'बिलॉन्गिंग- अ जर्नी ऑफ लव' का वीडियो साझा किया है। 10 नवंबर को जारी होने वाली इस किताब में उन्होंने राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके साथ बिताए पलों का जिक्र किया है। वीडियो में जिक्र है।

### 11 करोड़ किसानों को मिली फार्मर आईडी

**नई दिल्ली।** कृषि क्षेत्र में एक नए डिजिटल युग का सूत्रपात करते हुए केंद्र ने निर्धारित समय से पांच



महीने पहले ही 11 करोड़ फार्मर आईडी तैयार करने का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे पीएम नरेंद्र मोदी के समृद्ध किसान के विजन की ऐतिहासिक जीत बताया है।

### वॉटसएप चैट में जुड़ेगा नया बटन: इंस्टाग्राम होगा आसान

**नई दिल्ली।** अगर आप भी वॉटसएप पर इंस्टाग्राम रील्स शेयर करते हैं, तो अब आपका



अनुभव बदल सकता है। दरअसल वॉटसएप अपनी चैट में इंस्टाग्राम रील्स शेयर करने के एक्सपीरियंस को आसान बनाने की कोशिश में है। इसके लिए चैट के अटैचमेंट मेन्यू में एक नया डेडीकेटेड शॉर्टकट बटन जोड़ा जा रहा है।

### विंध्य और बुंदेलखंड को रेलवे की नई सौगात

# पहली बार चुरहट तक पहुंची रेल लाइन, विकास को मिलेगी 'गति'

**आजादी के बाद अब जाकर सीधी जिला रेल नेटवर्क से जुड़ा, सीएम डॉ. यादव व केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने देवेंद्र नगर-चुरहट ट्रेन सेवा का भी हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ**

यह रेल परियोजना पन्ना, रीवा, सीधी, सिंगरौली और सतना सहित विंध्य एवं बुंदेलखंड के क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के साथ मप्र और उत्तरप्रदेश के मध्य संपर्क को भी मजबूत करेगी


अश्विनी वैष्णव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र के सीधी जिले को आजादी के 80 सालों बाद अब जाकर रेलवे लाइन की सौगात मिली है। इसके साथ ही साथ ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और खंडवा के बीच नई रेलवे लाइन का लोकार्पण भी जल्द होने की घोषणा हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वर्चुअली सतना-देवेंद्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन किया। उन्होंने देवेंद्र नगर-चुरहट ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को धार जिले के सरदारपुर से वर्चुअली कार्यक्रम में शामिल हुए।

**ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और खंडवा के बीच नई रेलवे लाइन का जल्द होगा लोकार्पण**


मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए

***विंध्य-बुंदेलखंड के लिए नई लाइफलाइन बनेगी रेल कनेक्टिविटी: वैष्णव***

***लगभग 541 किमी की परियोजना से इस क्षेत्र में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा***

***मप्र में 1.50 लाख करोड़ रुपए के रेलवे प्रोजेक्ट पर चल रहा है काम, लंबी एवं छोटी दूरी की रेल सेवाएं होंगी शुरू***

### किसानों को अपनी उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने की सुविधा मिलेगी

डॉ. यादव ने कहा कि रेल संपर्क बढ़ने से किसानों को अपनी उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार होगा और लॉजिस्टिक्स सुविधाएं बेहतर होंगी। विद्यार्थियों सहित आम लोगों को आवागमन के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग-खंडवा रेल लाइन का लोकार्पण भी शीघ्र किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विंध्य और बुंदेलखंड के नागरिकों की ओर से रेल परियोजना की सौगात के लिए प्रधानमंत्री मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया।

### विंध्य और बुंदेलखंड के लिए नई लाइफ लाइन बनने का दिन

केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि यह दिन विंध्य और बुंदेलखंड के लिए नई लाइफ लाइन बनने का दिन है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले इन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वैष्णव ने कहा कि सतना, देवेंद्र नगर, रीवा और चुरहट सहित आसपास के क्षेत्रों को इस रेल सुविधा का लाभ मिलेगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से विंध्य और बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और क्षेत्र में नए औद्योगिक कॉरिडोर के विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी।

### दारुल कुरआन मदरसे में बाल आयोग की दबिश

# रेस्क्यू किए 26 बच्चे, सनातनी सेना ने चेताया कहा-4 दिन में ताला ठोको

**अध्यक्ष डॉ. निवेदिता ने कहा-पिछले दरवाजे से बच्चों को भगाया**



हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

ग्वालियर के एजी ऑफिस स्थित दारुल कुरआन मदरसे में बाल आयोग की शुक्रवार को दबिश के बाद विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। मदरसे में बच्चों के साथ गंभीर लापरवाही, बदहाली और अन्य धर्मों के खिलाफ आपत्तिजनक किताबें मिलने के विरोध में राष्ट्रीय सनातन सेना ने प्रदर्शन किया। संगठन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सख्त कार्रवाई की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि 4 दिन में ताला नहीं लगा, तो कार्यकर्ता खुद तालाबंदी करेंगे। अगर मदरसे में किसी भी बच्चे के साथ किसी व्यक्ति द्वारा अगर गलत करने की जानकारी प्राप्त होगी तो उसका काला मुंह करके उसे गधे पर बिठाएंगे।

### सरपंच बोला- इंजीनियर के कहने पर किया पेमेंट

# पंचायत भवन का 'काम' अधूरा, पूरा पैसा निकला



पंचायत सचिव को निलंबित करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ डिंडौरी

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने गणेशपुर पंचायत भवन का निरीक्षण किया। काम अधूरा था, पर पंचायत ने पूरा पैसा निकाल लिया था। उन्होंने सरपंच को फटकार लगाई, तीन दिन में राशि जमा करने को कहा और सचिव भागवत प्रसाद को निलंबित करने का आदेश दिया। सरपंच अमर सिंह पट्टा ने ठेकेदार सुशील राय और इंजीनियर धर्मेंद्र यादव के दबाव में भुगतान करने बात कही।

### मप्र से तीसरी बार के हैं विधायक

# यूपी कांग्रेस के 'वॉर रूम' के चेयरपर्सन बने सचिन यादव



2027-विधानसभा चुनाव की मिली जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए कांग्रेस ने वॉर रूम के चेयरपर्सन की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता और विधायक सचिन यादव को सौंपी है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रेस रिलीज जारी कर उनकी नियुक्ति की जानकारी दी। नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। कांग्रेस की ओर से जारी पत्र के मुताबिक, पार्टी ने उत्तर प्रदेश के अलावा पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में भी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए वॉर रूम के चेयरपर्सन नियुक्त किए हैं।

### भाजपा नेत्री की शिकायत पर हुआ था केस

# एफआईआर की मांग को लेकर थाने में धरने पर बैठे विधायक

**एसडीओपी से बात पर समाप्त हुआ धरना**

हरिभूमि न्यूज ⏭ चांदामेटा

दशहरा पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम और रावण दहन के बाद परासिया-चांदामेटा में कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक विवाद गहरा गया है। भाजपा नेत्री की शिकायत पर विधायक सोहन वाल्मीकि और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद


एसडीओपी से बात करते विधायक

शनिवार को विधायक समर्थकों के साथ चांदामेटा थाने पहुंचे। अपनी शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर विधायक और कांग्रेस कार्यकर्ता थाने के मुख्य द्वार पर धरने पर बैठ गए।

### महाराष्ट्र बैंक के असिस्टेंट मैनेजर समेत 3 गिरफ्तार

**15 साल का नाबालिग निकला मास्टरमाइंड**

# जिंदा लोगों को 'मृत' बताकर एफडी से निकाले डेढ़ करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल

पुलिस ने शनिवार को बैंकिंग फ्रॉड के एक बड़े मामले का खुलासा किया। आरोपियों ने कई जिंदा व्यक्तियों को कागजों में मृत बताकर उसकी एफडी से डेढ़ करोड़ रुपए निकाल लिए।

मामले में पुलिस ने बैतूल जिले के मोरखा स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के असिस्टेंट मैनेजर समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इस पूरेमामले का


लोकेश गुखे


गौरव सूर्यवंशी

मास्टरमाइंड 15 साल का एक नाबालिग है। वह बैंक में बड़ी रकम जमा करने वाले लोगों पर नजर रखता था। उसने बैंक के असिस्टेंट मैनेजर लोकेश गोखे को भी अपने साथ मिला लिया था।

### पुलिस संपत्ति की जांच में जुटी

पुलिस ने आरोपियों के पास से 6 मोबाइल फोन, 8.28 लाख का सोना, 1.40 लाख की चांदी और 12 लाख रुपए कीमत की एक कार सहित कुल 22.33 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से जुड़े अन्य बैंक खातों और संपत्ति की जांच में जुटी है।

### सीबीआरआई के मार्गदर्शन में यूडीए करा रहा विकास कार्य

### चूना, गुड़ और लाख से रिपेयर होगा शिखर

# श्री महाकालेश्वर मंदिर और परिसर का 10.27 करोड़ से होगा जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज ⏭ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शुमार श्री महाकालेश्वर मंदिर और उसके परिसर में स्थित अन्य प्राचीन मंदिरों के संरक्षण के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है।

मंदिर के शिखर से लेकर अन्य उप-मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 10.27 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। सबसे खास बात यह है कि मंदिर की प्राचीन और मूल संरचना को सुरक्षित रखने के लिए इसमें सीमेंट या सरिए का उपयोग



नहीं किया जाएगा, बल्कि पारंपरिक पद्धति के तहत चूना, गुड़ और लाख के मिश्रण से मरम्मत कार्य किया जाएगा। केंद्रीय भवन शोध संस्थान के तकनीकी मार्गदर्शन में यह पूरा विकास कार्य उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए महाकाल मंदिर के शिखर पर मचान भी बना दिया गया है। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार इस पूरे जीर्णोद्धार कार्य को आगामी महाशिवरात्रि से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सीबीआरआई की विशेषज्ञ टीम हर महीने में दो बार इस कार्य की मॉनिटरिंग करने के लिए उज्जैन आएगी।

### विद्यार्थी बोले- जली-कच्ची रोटियां, कीड़े वाली सब्जी देता है प्रबंधन

**छात्रों ने कहा अप्रैल से अभी तक सामान नहीं मिला**

# हॉस्टल में सफाई नहीं.. कलेक्टर से मिलने छात्रों का '40 किमी' का पैदल मार्च, एक छात्रा बेहोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ झाबुआ

झाबुआ में पेटलावद के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के 100 से ज्यादा छात्र-छात्राएं कलेक्टर से मिलने पैदल निकल पड़े। स्कूल से कलेक्ट्रेट की दूरी करीब 40 किलोमीटर है।

सुबह 8 बजे निकले छात्र-छात्राएं 15 किलोमीटर पैदल चलकर कल्याणपुरा पहुंच गए। छात्र-छात्राओं का आरोप है कि उन्हें स्कूल में खराब खाना दिया जाता है। अक्सर जली-कच्ची और बासी रोटियां परोसी जाती हैं।


आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को रोकते पुलिसवाले

सब्जियां अधपकी होती हैं और उनमें कीड़े-इल्ली भी होते हैं। हॉस्टल में नियमित रूप से सफाई भी नहीं की जाती है। बच्चों का कहना है कि वे कलेक्टर डॉ. योगेश भरसट से मिलकर लिखित आश्वासन चाहते हैं। इस बीच, रास्ते में चक्कर आने पर एक छात्रा को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। छात्र-छात्राओं के पैदल मार्च में आदिवासी समाज संगठन के प्रेम सिंह भूरिया और धर्मेंद्र डामोर भी मौजूद रहे।

हालांकि, एसडीएम रितिका पाटीदार, कल्याणपुरा में प्रभारी कलेक्टर जितेंद्र सिंह चौहान, एडीएम सीएस सोलंकी और अन्य अधिकारियों के समझाने के बाद बच्चों ने अपना पैदल मार्च खत्म कर दिया। बसों से बच्चों को हॉस्टल भेज दिया गया।

**प्रिंसिपल बोले**

**स्टाफ ने साजिश रचकर बच्चों को भड़काया**

पैदल मार्च में शामिल छात्र दीपक मचार ने कहा- अप्रैल से लेकर अभी तक हमें कुछ सामान नहीं मिला है। इस बीच एक बार भी हॉस्टल की सफाई नहीं हुई है। तीन दिन से लेट खाना आ रहा है। हॉस्टल में लाइब्रेरी की व्यवस्था नहीं है। मानसिक रूप से परेशान बच्चे अधीक्षक और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई का लिखित आश्वासन चाहते हैं।

## पीएम मोदी ने मैसूर में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र का किया उद्घाटन

# यह स्वामी विवेकानंद के विचारों, युवाओं के सशक्तिकरण और भारत की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत को बढ़वा देगा, युवाओं को मिलेगी प्रेरणा

एजेंसी ▶▶ मैसूरु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कर्नाटक के मैसूरु स्थित श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र विवेक स्मारक का उद्घाटन किया। यह स्मारक स्वामी विवेकानंद के विचारों, युवाओं के सशक्तिकरण और भारत की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत को समर्पित एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में प्रेरणा देगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की अनादि सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रहा है, यहां के मंदिर, परंपराएं और उत्सव, मैसूरू का दशहरा, भव्य महल, संगीत और साहित्य-भारत की समृद्ध विरासत इस शहर के कण-कण में रची-बसी है।



प्रधानमंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान करते संतजन

### हम मिशन को विस्तार दे रहे पूजार्चन भी किया

पीएम मोदी ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद कल्चरल यूथ सेंटर, यानी 'विवेक स्मारक' के उद्घाटन के माध्यम से हम इस मिशन को नया विस्तार दे रहे हैं। मैं श्री रामकृष्ण आश्रम और इससे जुड़े सभी संतों, विद्वानों तथा कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने विवेकानंद स्मारक पर आधारित विशेष फिल्म देखी और रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा देवी तथा स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि दी। भगवान शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक विरासत को नमन किया।

### प्रधानमंत्री आज वाराणसी में देखेंगे एयर शो, इसके बाद जाएंगे ओडिशा

प्रधानमंत्री रविवार को उत्तर प्रदेश और ओडिशा के दौरे पर जाएंगे। वे वाराणसी में वायुसेना दिवस के मौके पर होने वाला हवाई प्रदर्शन देखेंगे और भुवनेश्वर में आरबीआई के डेटा सेंटर तथा साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी में अरविंद लिमिटेड की नई परिधान निर्माण इकाई का उद्घाटन करेंगे।

### गृह मंत्री शाह ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के लिए शनिवार दोपहर दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे। शाह की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कॉकरोच जनता पार्टी के हालिया विरोध प्रदर्शनों, मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई, विदेश से गिरोह चलाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।



रांची पहुंचे नवीन ने राहुल को घेरा

## सड़क से सदन तक देंगे जवाब देश में अराजकता की जगह नहीं



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहे हैं। देश में अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। सड़क से संसद तक जवाब देंगे।

### संगठन की रणनीति पर होगी चर्चा

नवीन शनिवार को भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया। इसमें झारखंड की राजनीतिक स्थिति, पार्टी की प्राथमिकताओं और आगामी रणनीति पर चर्चा होगी। संगठन के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

### उत्तर प्रदेश फतह करने भाजपा का दौरा

## नवीन 27 को तो 30 को शाह कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

भाजपा अध्यक्ष नेता नितिन नवीन भी 27 अक्टूबर को आजमगढ़ में ओम प्रकाश राजभर के मंच पर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा वे प्रदेश के संगठनात्मक क्षेत्रों का दौरा कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने और सियासी हालात का जायजा लेने का काम करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह 30 और 31 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का दौरा करेंगे। यहां वे प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेंगे और चुनावी रणनीति व संगठन की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। वे बूथ स्तर की तैयारियों को मजबूत करने का मंत्र भी देंगे।

### खबर संक्षेप

#### मोदी पर जादू-टोना... नींबू व सिंदूर मिले

**मऊ।** यूपी के मऊ जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दोहरीघाट में श्मशान घाट के पास जमीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर मिली है। तस्वीर के आसपास नारियल, नींबू, लाल धागा और सिंदूर भी रखा पाया गया। नींबू में बाकायदा सुई चुभाई गई है। इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया।



#### स्कूल के अंदर छात्रा ने खुद को आग लगाई

**पूर्वी दिल्ली।** कृष्णा नगर स्थित राजकीय सर्वोदय स्कूल में शनिवार को 12वीं कक्षा की छात्रा ने आग लगाकर खुदकुशी कर ली। स्कूल के सुरक्षा गार्ड के कमरे के बाहर वारदात को अंजाम दिया। आशंका है कि छात्रा ज्वलनशील पदार्थ बैग में रखकर स्कूल गई थी। किस विवाद के चलते यह कदम उठाया, जांच की जा रही है।



#### नोएडा सेक्टर-125 में आग, एक की मौत

**नोएडा।** नोएडा में सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के सेक्टर-125 स्थित कृष्णा फूड पोइंट (होटल) में शनिवार दोपहर आग गई। एक व्यक्ति की मौत हो गई है। आग लगने के बाद आसपास धुएं का गुबार छा गया।आग बुझाने के बाद दुकानों के अंदर टीम ने जांच की। प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति जली अवस्था में मिला।



#### आंध्र प्रदेश में आग लगने से 5 की मौत

**पिनाकोटा।** आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू में सड़क निर्माण स्थल पर शनिवार को पिकअप ट्रक में डीजल भरते समय आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया घटना अनंतगिरि मंडल के पिनाकोटा गांव में सड़क निर्माण स्थल पर हुई।श्रमिक वाहनों में ईंधन भरने के लिए आमतौर पर ड्रम में डीजल लेकर आते हैं।



#### अनंत सिंह जेडीयू से 6 साल के लिए निष्कासित

**पटना।** बिहार विधान परिषद चुनाव में बागी तेवर अपनाने वाले मोकामा विधायक अनंत सिंह को नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से निकाल दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। उनकी पत्नी एवं पूर्व विधायक नीलम देवी को भी जेडीयू से बाहर किया है। इसके साथ ही उनकी विधायकी खत्म करने पत्र लिखा है।



### इंडी गठबंधन की 1 नवंबर की रैली पर भाजपा ने उठाए सवाल

# सिखों की आहत भावनाओं पर नमक छिड़कने की कोशिश कर रहे राहुल, क्रूर मजाक न करें

### पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में रविशंकर ने लगाए आरोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की आगामी रैली को लेकर शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राहुल गांधी एक नवंबर को ही कार्यक्रम आयोजित करने पर अड़े हैं, ताकि 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़का जा सके। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन के कई घटक दल कांग्रेस की एक नवंबर को रैली आयोजित करने की योजना से सहमत नहीं हैं और कार्यक्रम की तारीख बदलना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन राहुल गांधी अपनी जिद पर अड़े हैं और किसी की बात सुनने को तैयार नहीं हैं। प्रसाद ने आरोप लगाया, राहुल एक नवंबर को रैली आयोजित करने पर अड़े रहकर जानबूझकर सिखों की आहत भावनाओं पर नमक छिड़कने की कोशिश कर रहे हैं। वह सिखों के साथ क्रूर मजाक करने पर तुले हैं। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

**दावा-गठबंधन के ही कई घटक राहुल की इस जिद से सहमत नहीं दिखाई दे रहे**



### यहीं पर भड़के थे सिख विरोधी दंगे

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर, 1984 को हत्या के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे। रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की रैली को निर्वाचन आयोग के कामकाज में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ निकाले जा रहे 'दिल्ली चलो' मार्च के समापन कार्यक्रम के रूप में बताया गया है। कांग्रेस ने दावा किया है कि 'वोट चोरी' के खिलाफ मार्च में कम से कम 10 लाख लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि इससे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के मुद्दे पर 'एकजुटता' का मजबूत संदेश जाएगा।

#### केंद्रीय मंत्री गिरिराज का भी बड़ा हमला

### राहुल बैलेट से नहीं, बुलेट से सत्ता चाह रहे, वे विदेशी दौरों की फंडिंग बताएं?



केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर जुबानी हमला किया। उन्होंने राहुल की विदेश यात्राओं की फंडिंग, विश्वविद्यालयों में लगाए गए नारों और राजनीतिक गतिविधियों को लेकर सवाल उठाए। सिंह ने कहा कि राहुल लोकतांत्रिक चुनावों के जरिए सत्ता हासिल करने के बजाए अव्यवस्था के माध्यम से सत्ता तक पहुंचना चाहते हैं। उन्होंने राहुल से 12 सालों में विदेश दौरों के खर्च, टिकट की व्यवस्था और विदेश में हुई मुलाकातों का विवरण मांगा है।

**अन्य देशों में विपक्ष के नेता 'जंगली बंदरों' की तरह बर्ताव नहीं कर रहे**

गिरिराज ने कहा कि दुनिया के कई देशों में छात्रों के आंदोलन देखने को मिल रहे हैं, लेकिन वहां विपक्ष के नेता 'जंगली बंदरों' की तरह बर्ताव नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश में बढ़ती

#### सीटीआई ने राहुल को लिखा पत्र

### प्रदर्शन की तारीख बदलने की मांग उठाई वे भाई दूज के बाद करें आयोजन



दिल्ली के व्यापारी संगठन चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने भी राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली की तारीख बदलने की मांग की है। संगठन के चेयरमैन बृजेश गोयल ने आग्रह किया है कि रामलीला मैदान में होने वाली रैली 10 नवंबर यानी भाई दूज के बाद कराई जाए। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान बाजारों में सबसे ज्यादा खरीदारी होती है और ऐसे समय में रैली से कारोबार प्रभावित हो सकता है।

**धनतेरस पर 25 हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान**

धनतेरस, दिवाली और भाई दूज दिल्ली के व्यापारियों के लिए अहम हैं। लोग सोना-चांदी, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन और दूसरे सामान की जमकर खरीदारी करते हैं। धनतेरस पर

### सीएम का खास फैसला बना कारण

## अचानक थलपति विजय की तारीफ करने लगी केंद्र सरकार



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की केंद्र सरकार ने तारीफ की है। इसे एक चौंकाने वाले कदम के रूप में देखा जा रहा है। केंद्र सरकार ने विजय की यह तारीफ उनके उस फैसले के लिए की है, जिसके तहत उन्होंने एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट कम किया है। क्रूड ऑयल के बढ़ते दाम के बीच इस फैसले ने एयरलाइंस कंपनियों को राहत दी है। तमिलनाडु ने चेन्नई में दर को 29 फीसदी से घटाकर 16 फीसदी कर दिया। वहीं, प्रदेश के अन्य सभी हवाई अड्डों पर इसे 1 फीसदी कर दिया। इसी बात को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने विजय की तारीफ की है।

#### केंद्रीय मंत्री नायडू ने की तारीफ

केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट कम करने के लिए तमिल नाडु सरकार के निर्णय की सराहना करते हैं। यह एविएशन सेक्टर के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। इस पहल के लिए धन्यवाद, मुख्यमंत्री विजय। नायडू ने जोर देकर कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच इस तरह का समन्वय हवाई यात्रा को अधिक सस्ती बनाने में महत्वपूर्ण है। असल में यह सब एक एयरलाइन की ऑपरेशन कॉस्ट से जुड़ा मामला है। ईंधन का हिस्सा आमतौर पर ऑपरेशन कॉस्ट की लगभग 30-40 फीसदी होता है। अब यह करीब 55-60 फीसदी तक बढ़ गया है। अमेरिका-ईरान युद्ध फरवरी में शुरू होने के बाद से जेट ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

#### विजय अब 45 किलो चंदन की लड़की दान करेंगे

ऐतिहासिक रूप से 16वीं सदी में तंजावुर के हिंदू राजा अच्युतप्पा नायक ने सूफ़ी संत शाहुल हमीद द्वारा अपनी गंभीर बीमारी ठीक किए जाने पर उनके साथियों को 81 हेक्टेयर (लगभग 200 एकड़) भूमि दान में दी थी। इसी दान की गई भूमि के एक हिस्से पर प्रसिद्ध नागौर दरगाह बनी हुई है। इस ऐतिहासिक दरगाह पर आयोजित होने वाले प्रसिद्ध 'कंदूरी उत्सव' के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय (थलपति विजय) ने अक्टूबर में सरकारी खजाने से 45 किलो उत्तम दर्जे की चंदन की लकड़ी दान (उपलब्ध) कराने का आदेश दिया है।

### 10,000 रुपए का निजी मुचलका भरने का निर्देश

### दिल्ली में प्रदर्शन का मामला

## नेहा का शांति मुचलका भरने से इनकार अधिकार के हनन पर भी उठाए सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा ने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष शांति मुचलका भरने से शनिवार को इनकार कर दिया। इससे एक दिन पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुलिस के उस नोटिस को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्हें 10,000 का निजी मुचलका और इतनी ही राशि का एक जमानती प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। बोरा ने नोटिस पर सवाल उठाते हुए पूछा, मुझसे किसकी शांति बनाए रखने के लिए कहा जा रहा है? पुलिस नोटिस में बोरा को 19 अक्टूबर को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश होने और वजह स्पष्ट करने को कहा गया था कि 'जांच की अवधि के दौरान शांति रखने के लिए निजी मुचलका और एक जमानतदार देने के लिए क्यों न कहा जाए?



#### शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना एक लोकतांत्रिक अधिकार

बोरा ने कहा कि सड़कों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार के खिलाफ अपनी चिंताएं जाहिर करने को शांति के लिए खतरा कैसे माना जा सकता है। सत्तासीन से सवाल पूछने और असहमति जताने का अधिकार लोकतंत्र का मूल आधार है। हम सरकार से कोई सवाल नहीं पूछेंगे, तो हम किसकी शांति बनाए रख रहे हैं?

### टाइगर पर फायरिंग का मामला

# तुम्हारे चेहरे टीवी पर आ गए, निकलो वहां से... हैंडलर्स दे रहे थे अपने शूटर्स को पूरी जानकारी

### 'वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' एप्स का कर रहे थे इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

18 अक्टूबर की शाम अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग करने के बाद भागने वाले तीनों शूटर्स को उनके 'हैंडलर्स' से रियल-टाइम अपडेट मिल रहे थे। ये अपडेट उन्हें न्यूज चैनलों की खबरों को देखकर मिल रहे थे। जैसे ही उनके चेहरे न्यूज चैनल पर दिखे तो उनके हैंडलर्स ने उनसे कहा कि तुम्हारे चेहरे टीवी पर आ गए हैं, निकल जाओ वहां से। जैसे-जैसे मीडिया न्यूज़ अपडेट प्रसारित कर रहे थे, वैसे-वैसे हैंडलर्स एनक्रिप्टेड 'वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' मैसेजिंग ऐप्स के जरिए सीधे शूटर्स तक जानकारी पहुंचा रहे थे।

**मीडिया चैनलों से मिल रही थी पल-पल की अपडेट**





#### न्यूज चैनलों पर हमले के फुटेज पर थी नजर

क्राइम ब्रांच के सूत्रों के अनुसार भागने के दौरान एक समय ऐसा आया जब न्यूज़ चैनलों पर हमले के फुटेज दिखाए गए। उस वक्त मुख्य संदिग्धों में से एक को अपने मोबाइल फोन पर एक ज़रूरी निर्देश मिला 'तुम्हारे चेहरे टीवी आ गए हैं, निकल जाओ वहां से।'

#### सिने एसोसिएशन चिंतित

#### शिफ्ट होगी फिल्म इंडस्ट्री! आगंतुकों की पहचान हो

टाइगरपर हुई गोलीबारी की घटना के बाद फेडरेशन ऑफ सिने एम्प्लॉइज के प्रतिनिधि बीएन तिवारी ने सितारों की सुरक्षा पर चिंता जताई है। शूटिंग के दौरान हर व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई बाहरी व्यक्ति भीड़ में शामिल होकर किसी कलाकार पर गोली चलाता है, तो इसकी जिम्मेदारी प्रोड्यूसर और उसे शूटिंग पर लाने वाली टीम की होगी।

### जंतर-मंतर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट से गठित समिति की कार्रवाई

# महिला प्रदर्शनकारियों से दुर्व्यवहार, पैलेट गन पर करेगी जांच

### उच्चस्तरीय जांच समिति 29-30 को प्रभावित लोगों की बात सुनेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर जुलाई में हुए हिंसक टकराव के दौरान क्या प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया था? क्या महिला प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार हुआ था? इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित उच्चस्तरीय जांच समिति 29 और 30 अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रभावित लोगों की बात सुनेगी। समिति कथित पुलिस ज्यादती, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और संपत्ति को हुए नुकसान से जुड़े मामलों की भी जांच करेगी। समिति का कार्यालय शिक्षा सदन, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली में है।





#### संपत्ति को नुकसान के आरोपों की जांच होगी

सुरक्षा बलों की ओर से जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किए जाने और दोनों पक्षों की तरफ से संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की भी पड़ताल होगी। कुछ छात्रों को चोटें आई थीं ।इन चोटों के पीछे पेलेट गन के संभावित इस्तेमाल की आशंका जताई गई थी।

**ये जांच समिति में शामिल**

5 सदस्यीय समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व पडीजीपी एलआर बिश्नोई शामिल हैं।

#### ऑनलाइन शिकायत की भी सुविधा दी

प्रभावित लोगों, गवाहों और अन्य की भागीदारी आसान बनाने के लिए समिति ने hpec.nic.in नाम से ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। लोग बयान, शिकायतें और दस्तावेज जमा कर सकते हैं। समिति ने यह व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप बनाई है, ताकि ऐसे गवाह भी अपनी बात रख सकें जिन्हें सुरक्षा या पहचान उजागर होने का खतरा हो।

### गोवा में विमान ईंधन पर वैट घटा

## इंडिगो ने की अन्य राज्यों से भी इसी तरह की अपील

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोवा सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को घटाकर 7फीसदी कर दिया है, जिसका इंडिगो सहित कई एयरलाइंस ने स्वागत किया है। यह निर्णय शनिवार से प्रभावी हो गया। इसका उद्देश्य हवाई संपर्क को मजबूत करना तथा राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देना है। इंडिगो ने इस दूरदर्शी कदम के लिए सीएम प्रमोद सावंत का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया है। एयरलाइन ने कहा कि ईंधन की लगातार उच्च लागत को देखते हुए ऐसी वैट कटौती अहम है। उनका मानना है कि इससे उड़ानें सस्ती होंगी और देशभर के यात्रियों के लिए हवाई यात्रा सुलभ होगी। इंडिगो ने विशेष रूप से अन्य राज्यों से भी एटीएफ पर इसी तरह की वैट कटौती पर विचार करने का आग्रह किया और विमानन पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पर जोर दिया।



## फ्रांस और इटली में फिर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

# पेरिस के संग्रहालय बंद, इटली में 30 से अधिक जगहों पर प्रदर्शन

## आंदोलनकारी युवाओं और श्रमिक संगठनों ने जताया विरोध

पेरिस ▶▶ नई दिल्ली

फ्रांस में आंदोलनकारी युवाओं और श्रमिक संगठन शनिवार को फिर सड़क पर उतरे। पेरिस की अदालत ने पूर्व में पुलिस की तरफ से लगाई गई पाबंदी हटाकर युवाओं को प्रदर्शन की अनुमति दे दी है। ऐसे में पिछले हफ्ते के हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए सरकार ने भी प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने की तैयार की है। पिछले सप्ताह हुई हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार ने व्यापक पुलिस बल तैनात किया है और पेरिस के प्रमुख संग्रहालयों को बंद कर दिया गया है।

### देशभर में करीब 70,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती



ऑरलियन्स में मार्च निकालते प्रदर्शनकारी

**3000 दुकानों में की थी लूटपाट**

हिंसा के बाद, पेरिस पुलिस ने दुकानदारों को निजी सुरक्षाकर्मी तैनात करने की सलाह दी। हालांकि बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि कारोबारियों और उनके प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। गौरतलब हो, पिछले सप्ताहांत पूरे फ्रांस में लगभग 3,000 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया या उनमें लूटपाट की गई।

**अतिवामपंथी समूह भड़का रहे हिंसा**

गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने अति वामपंथी समूहों पर हिंसा और लूटपाट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। सरकार ने चेहरा ढककर प्रदर्शन करने पर भी रोक लगा दी है। पिछले सप्ताह 5 लाखा लोग प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

**व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को ढका**

'लूर्व', 'ओरसे संग्रहालय', 'पिकासो संग्रहालय' और 'ग्रैंड पैलैस' जैसे पेरिस के प्रमुख संग्रहालयों को शनिवार को बंद रखा गया। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित समकालीन कला मेलों में से एक 'आर्ट बेसेल' शुक्रवार को जनता के लिए खोला गया था, लेकिन उपद्रव की आशंका को देखते हुए आयोजकों ने सप्ताहांत के कार्यक्रमों को रद्द कर दिया। पिछले सप्ताहांत पेरिस के 'प्लेस डी ला रिपब्लिक'' के पास एक बैंक शाखा और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को उपद्रवियों से बचाने के लिए लकड़ी के बड़े टुकड़ों से ढक दिया गया है।

## बढ़ती महंगाई, ऊर्जा समेत कई मुद्दों को लेकर किया प्रदर्शन

पेरिस ▶▶ रोम

बढ़ती महंगाई, ऊर्जा समेत कई मुद्दों को लेकर शनिवार को इटली में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों हुआ। इटली के कई बड़े शहरों में मिलान, बोलोग्ना, जेनोआ, ट्यूरिन, रोम और फ्लोरेंस में व्यापक प्रदर्शन किए गए हैं। पूरे देश में मार्च, धरना, सभा और हड़ताल सहित 30 से अधिक प्रदर्शन कार्यक्रम हुए। इस दौरान हजारों पुलिस अधिकारियों और सैनिकों को तैनात किया गया है, साथ ही ड्रोन से निगरानी भी गई।

### प्रदर्शन में बड़े शहर रोम, मिलान, बोलोग्ना शामिल



इटली की राजधानी रोम में प्रदर्शनकारी

**भारतीयों को प्रदर्शनों से दूर रहने की सलाह**

भारत ने इटली, फ्रांस और बेल्जियम में रह रहे अपने नागरिकों को सतर्क रहने, पूरी सावधानी बरतने और उन इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है जहां प्रदर्शन हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन तीनों देशों में मौजूद भारतीय मिशन वहां के हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

**रोम में 1500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए**

इटली के प्रमुख शहर रोम में लगभग 1,500 अधिकारियों को तैनात किया जाएगा, जबकि मिलान में लगभग 1,800 पुलिसकर्मियों, नगर निगम अधिकारियों और सैनिकों को तैनात किया गया है।

**सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सुरक्षा जांच**

रोम में, पुलिस ने अनुमति प्राप्त प्रदर्शनों और ऑनलाइन घोषित की गई अचानक होने वाली रैलियों, दोनों को संभालने के लिए एक सुरक्षा योजना तैयार की है। निगरानी के लिए स्टेट पुलिस के 'फर्स्ट फ्लाइट डिपार्टमेंट' के ड्रोन और काराबिनियरी (इटैलियन पुलिस बल) के विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। सार्वजनिक चौकों से लेकर रेलवे स्टेशनों तक सुरक्षा जांच की जाएगी। रोम का साइबर सुरक्षा केंद्र, इटैलियन स्टेट पुलिस के विशेष डिवीजन 'डिगोस' के साथ मिलकर टेलीग्राम, टिकटॉक और इंस्टाग्राम पर निगाह रख रहा है।

## खबर संक्षेप

### यासिन मलिक समेत 7 पर चलेगा मुकदमा

**नई दिल्ली।** राउज एवेन्यू की विशेष एनआईए अदालत ने यासीन मलिक समेत सात आरोपियों के



खिलाफ धनशोधन मामले में मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयान 19 नवंबर से दर्ज होंगे। तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए मलिक ने आरोपों से इनकार किया।

### प्रो. अशोक सेन ऑस्कर क्लेन मेडल से सम्मानित

**नई दिल्ली।** प्रसिद्ध भारतीय भौतिक वैज्ञानिक प्रोफेसर अशोक सेन को वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित



ऑस्कर क्लेन मेडल से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान पाने वाले वे पहले भारतीय भौतिक वैज्ञानिक हैं। उन्हें यह पुरस्कार ब्रह्मांड की संरचना और ब्लैक होल से जुड़े वैज्ञानिक शोध में महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

### वांछित गैंगस्टर हिमांशु और नीरज यूएस में अरेस्ट

**लास वेगास।** भारत में कई हत्याओं और संगठित अपराधों का वांछित गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और



एक अन्य फरार अपराधी नीरज फरीदपुरिया को अमरीका की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने गिरफ्तार किया है। हरियाणा विशेष कार्य बल-एसटीएफ से मिली जानकारी के आधार पर दोनों को 22 अक्टूबर को लास वेगास में गिरफ्तार किया गया।

### दिल्ली से 8.21 करोड़ की 23 किलो भांग बरामद

**नई दिल्ली।** दिल्ली सीमा शुल्क अधिकारियों ने नई दिल्ली के एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स में 21-22 अक्टूबर



के बीच मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों के खिलाफ चल रही जांच में एक और बड़ी सफलता हासिल की। बरामद पदार्थ की पहचान हाइड्रोपोनिक मारिजुआना (हाइड्रो भांग) के रूप में हुई। कुल मिलाकर 23.220 किलो मादक पदार्थ बरामद कर जब्त किया गया है।

### फिलीपींस में टकराए दो विमान, 4 की मौत

**मनीला।** फिलीपीन वायु सेना के दो ट्रेनर विमान मनीला के दक्षिण में स्थित एक एयर बेस पर ट्रेनिंग उड़ान



के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें चार पायलटों की मौत हो गई। वायु सेना ने कहा कि को बटांगास प्रांत के फर्नांडो एयर बेस पर ट्रेनिंग उड़ान के दौरान दो एसएफ-260 विमान दुर्घटना का शिकार हो गए।

## जॉर्डन के चर्च पर हुए हमले की भारत ने की कड़ी निंदा, जयशंकर बोले

# आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं यह 'घिनौना' और 'कायरतापूर्ण' कृत्य



विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

*विदेश मंत्रालय ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। भारत ने कहा कि वह इस कठिन समय में जॉर्डन की सरकार और वहां के मित्रवत लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। साथ ही, भारत ने दुनिया भर में आतंकवाद के हर रूप और तरीके के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई*

- ***जॉर्डन के कराक में चर्च पर हमले में 7 लोगों की मौत हुई जबकि 34 अन्य घायल हुए***
- ***भारत ने हमले की कड़ी निंदा कर आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता दोहराई***
- ***जॉर्डन के राजा, कनाडाई पीएम और संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने भी हमले पर दुख जताया***

पेरिस ▶▶ नई दिल्ली

जॉर्डन के कराक शहर में एक चर्च पर हुए जानलेवा हमले की भारत ने कड़ी निंदा की है। शुक्रवार को हुए इस हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 अन्य घायल हो गए। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को 'घिनौना' और 'कायरतापूर्ण' कृत्य बताया। मंत्रालय ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वह इस मुश्किल घड़ी में जॉर्डन के साथ खड़ा है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारत 23 अक्टूबर 2026 को जॉर्डन के कराक में एक चर्च पर हुए घिनौने हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करता है।

### मृतकों के प्रति जताई संवेदनाएं

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी जॉर्डन में हुए इस हमले पर गहरा दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कराक के चर्च पर हुए घिनौने हमले से वह बेहद दुखी हैं। इस घटना में कई निर्दोष लोगों की जान गई और अनेक लोग घायल हुए। जयशंकर ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में जॉर्डन की सरकार और वहां के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों के खिलाफ भारत की मजबूत प्रतिबद्धता भी दोहराई।

### अंतिम संस्कार के दौरान चर्च में हुई थी गोलीबारी

बता दें, जॉर्डन के कराक इलाके में एक चर्च में अंतिम संस्कार के दौरान बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। यह हमला हमूद गांव में स्थित ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में हुआ। हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए। धार्मिक स्थल पर अंतिम संस्कार के लिए जुटे लोगों को निशाना बनाए जाने से इलाके में शोक का माहौल है।

### दुनिया ने की हमले की निंदा

*दुनिया भर में इस हमले की निंदा हो रही है। अम्मान में जापान और ऑस्ट्रेलिया के दूतावासों ने शनिवार को बयान जारी कर करक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। जापान के दूतावास ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई और हमले में घायल हुए लोगों के जल्द ठीक होने की कामना की। एक आधिकारिक बयान में, दूतावास ने हिंसा की सभी घटनाओं की निंदा की और पीड़ितों के परिवारों तथा हमले से प्रभावित सभी लोगों के साथ पूरी एकजुटता व्यक्त की। अम्मान स्थित ऑस्ट्रेलियाई दूतावास ने आतंकवादी हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों और रिश्तेदारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। दूतावास ने आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के सभी रूपों की कड़ी निंदा की। साथ ही, इस कठिन समय में जॉर्डन की जनता के साथ पूरी एकजुटता जताते हुए, घायलों के जल्द और पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना की। लेबनान, सीरिया, मिस्र और ओमान सहित पूरे क्षेत्र से भी इन हत्याओं की निंदा की गई। सुन्नी मुस्लिम दुनिया के सबसे प्रमुख धार्मिक संस्थान, अल-अजहर के ग्रैंड इमाम, काहिरा के अहमद अल-तैयब ने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और इसे एक 'जघन्य आतंकवादी हमला' बताया।*

### हमलावरों को मिलेगा कड़ा जवाबः जॉर्डन

जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय बिन हुसैन ने हमले पर दुख जताते हुए कहा कि कराक पर हमला करने वालों को सबसे कड़ी सजा दी जाएगी।



उन्होंने कहा कि जो लोग गोलियों के जरिए जॉर्डन के लोगों को बांटने का सपना देखते हैं, वे उनकी एकता के सामने सफल नहीं होंगे। राजा ने कहा, 'देश के उत्तर से दक्षिण तक सभी जॉर्डनवासी एक ही जमीन और साझा भविष्य से जुड़े हैं। उनके बीच कोई विभाजन नहीं है।' राजा ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। उन्होंने कहा कि हर जॉर्डनवासी की जिंदगी कीमती है और देश को

## फारूक अब्दुल्ला ने फिर उगला जहर

# कहा– कश्मीर मुद्दे को पाक ने जिंदा रखा, दिल्ली तो चुप



फारूक अब्दुल्ला

एजेंसी ▶▶ बारामूला

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीर को लेकर बेहद ही विवादित बयान दिया है। उन्होंने कश्मीरियों की रक्षा करने और कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर जीवित रखने का श्रेय पाकिस्तान को दिया। शनिवार को बारामूला में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि पा कि स्त ा न दुनिया भर में यह मुद्दा उठाता है कि कश्मीर पर अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की खामोशी के पीछे अंतरराष्ट्रीय दबाव है। फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को 'हमारा पड़ोसी' बताते हुए कहा कि वह कश्मीर के अनसुलझे मुद्दे को वैश्विक मंच पर उठाता रहता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के इस रुख के कारण दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर जाता है और दिल्ली पर दबाव बनता है। अब्दुल्ला ने कहा कि हमारा यह पड़ोसी देश दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर खींचता है और दिल्ली को चुप रहने पर मजबूर कर देता है।

- **दिल्ली की खामोशी के पीछे अंतरराष्ट्रीय दबाव**

**हक के लिए लड़ो वरना मिट जाओगे**

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली आज इसलिए चुप हैं क्योंकि दुनिया का दबाव है, और हमारा पड़ोसी देश उनके पीछे पड़ा है। वह हर जगह जाकर कहता है कि कश्मीर पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। वही हमें बचा रहा है। हालांकि, मैं उनके इरादों को नेक नहीं मानता। उन्होंने दिल्ली से न्याय मिलने की उम्मीद पर सवाल उठाए। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या वे केवल दिल्ली पर भरोसा करके बैठे रहेंगे और क्या उन्हें सच में लगता है कि वहां से उन्हें न्याय मिलेगा।




## आतंकी अजहर मसूद से की थी बात

# मुंबई एटीएस की गिरफ्त में बिहार का युवक, जांच जारी

पेरिस ▶▶ किशनगंज



मोहम्मद हसन और किशनगंज का घर

बिहार के किशनगंज जिले के एक युवक की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां उसके कथित संपर्कों और डिजिटल गतिविधियों की जांच में जुटी हैं। ठाकुरगंज प्रखंड के भंकरद्वारी गांव निवासी 33 वर्षीय मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को मुंबई एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने गिरफ्तार किया है। उस पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंध रखने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी के मोबाइल फोन से संगठन से जुड़ी सामग्री और उसके संस्थापक मसूद अजहर के ऑडियो क्लिप मिलने की बात सामने आई है। हालांकि, आरोपों की वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। मोहम्मद अख्तर पिछले करीब दस वर्षों से मुंबई में रह रहा था।

## इग्स तस्करी के विदेशी सिंडिकेट का पर्दाफाश

# एक गिरफ्तार, नशीले पदार्थ जब्त कोर्ट ने 5 दिन की हिरासत में भेजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली




प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुख्यालय ने बनीत सिंह तलवार को 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नशीले पदार्थों की बड़े पैमाने पर तस्करी के मामले में की गई है। इसमें नशीले पदार्थों को सेमी प्रोसेस्ड टैल्क के भीतर छिपाकर रखा गया था। इसके साथ ही दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में भी नशीले पदार्थों की बरामदगी भी हुई है। आरोपी बनीत सिंह तलवार को तीस हजारी कोर्ट में स्पेशल जज (पीएमएलए) ने पांच दिनों की ईडी की हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। जांच में कई आरोपियों पर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दुबई से चलने वाले अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप लगाया गया था।

## रेल और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने को लेकर नई दिल्ली में विचार-विमर्श

### दिवाली और छठ के दौरान सुरक्षित रेल यात्रा पर चर्चा

# भीड़ प्रबंधन, अग्रिम योजना और कुशल यात्री व आवागमन प्रबंधन पर देंगे ध्यान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



सम्मेलन में भाग लेते वरिष्ठ अधिकारीगण

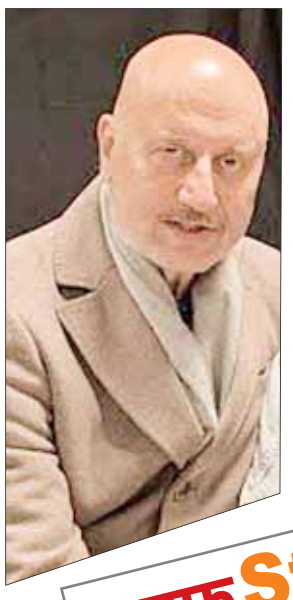
रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा आयोजित सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) प्रमुखों का 8वां अखिल भारतीय सम्मेलन यहां संपन्न हुआ। इसमें रेल सुरक्षा और यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस सम्मेलन की एक प्रमुख विशेषता रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) द्वारा जीआरपी कर्मचारियों को रेलमदद प्लेटफॉर्म से जोड़ना रही। इसका उद्देश्य यात्री शिकायत निवारण व्यवस्था को बेहतर बनाना, समय पर जानकारी साझा करना और शिकायतों की बेहतर निगरानी करना था। इस इस उच्चस्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता आरपीएफ की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा ने की। इसमें रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य और अलग-अलग राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के जीआरपी प्रमुख शामिल हुए।

### ट्रेनों पर पत्थरबाजी एक चुनौती

इस सम्मेलन में ट्रेनों पर पत्थरबाजी को एक चुनौती बताया गया और पत्थरबाजी के प्रमुख स्थानों पर गश्ती, बेहतर निगरानी, अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई, युवाओं तक पहुंच और आरपीएफ-जीआरपी के बीच मजबूत तालमेल पर जोर दिया गया। इसके लिए समाज में जागरूकता और रोकथाम के लिए लोगों तक पहुंच को महत्वपूर्ण माना गया।





# अनुपम खेर संगीत के जादूगर स्टीवी वंडर से मिलकर हुए भावुक

**मुंबई।** दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर को स्वीडन के स्टॉकहोम में स्टीवी वंडर के कॉन्सर्ट के बाद बैकस्टेज में उनसे मिलने का खास मौका मिला। यह कॉन्सर्ट वंडर के 50वीं सालगिरह दौरे का हिस्सा था। वंडर से मिलकर अनुपम सचमुच भावुक हो उठे और उन्होंने अपनी खुशी और तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। अनुपम ने की वंडर के संगीत और मानवीय कार्यों की सराहना अनुपम ने इस अनुभव को यादगार बताया। उन्होंने कहा, स्टीवी वंडर ने एक के बाद एक गाने गाकर हर सुर से पूरे एरिना को जैसे जादू से भर दिया था। अनुपम ने वंडर की दयालुता की भी खुलकर तारीफ की।

## लाइफ Style

# दीपिका

## 'किंग' में शाहरुख संग गाने से मचाएंगी धमाल

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण आगामी फिल्म 'किंग' के लिए फिर साथ आएंगे। क्रिसमस, 2026 पर इसकी रिलीज से पहले, दोनों कलाकार एक गाने की शूटिंग साथ करने वाले हैं। इसे कोरियोग्राफ करने की जिम्मेदारी कथित तौर पर वैभवी मर्चेंट ने उठाई है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

बताया जा रहा है कि निर्माताओं ने इस सीक्वेंस के लिए तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी हैं। गाने की शूटिंग के लिए 26 अक्टूबर का दिन चुना गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाने में फिल्म की पूरी कास्ट के शामिल होने की उम्मीद है। निर्माताओं ने इसके लिए मुंबई में तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, गाने का शीर्षक, म्यूजिक कंपोजर और दूसरे क्रिएटिव कोलेबोरेटर्स के बारे में जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि इसकी कोरियोग्राफी वैभवी करेंगी। पहले भी फिल्म के सेट से शाहरुख और दीपिका के कुछ क्लिप सामने आए थे, जिनमें दोनों गाने की शूटिंग कर रहे थे। 'किंग' इस साल की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्माण शाहरुख के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। इसके निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धार्थ आनंद ने उठाई है। 2023 में आई 'पठान' और 'जवान' के बाद, शाहरुख इस फिल्म में एक बार फिर एक्शन का तड़का लगाते दिखेंगे। फिल्म में सुहाना खान, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत और अरशद वारसी समेत कई सितारे अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह 24 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी।



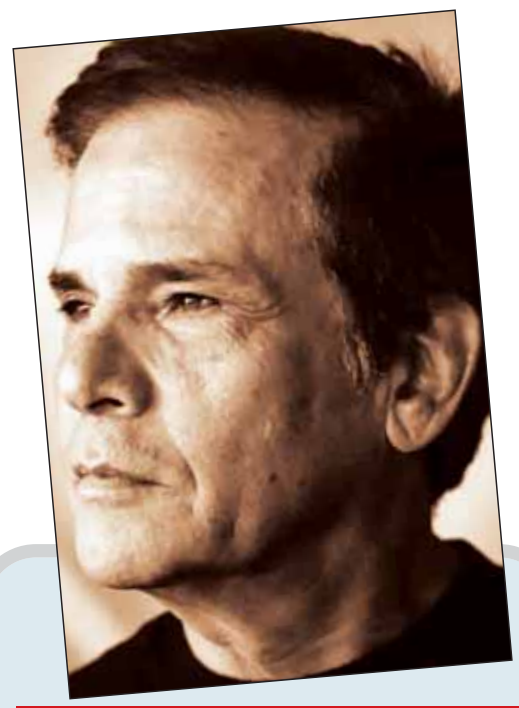
## हॉलीवुड मसाला



### 'टॉम एंड जेरी' की धमाकेदार

# वापसी...

**लॉस एंजिल्स।** टॉम और जेरी एक नए एडवेंचर पर निकल रहे हैं। उनकी फिल्म 'टॉम एंड जेरी: फॉरबिडन कंपास' 23 अक्टूबर, 2026 को भारत के सिनेमाघरों में आ रही है। इस बार वे पूर्वी पौराणिक कथाओं से प्रेरित एक पुरानी दुनिया की खोज करेंगे। खास बात यह है कि पहली बार ये दोनों उडी सीजीआई में पूरी तरह एनिमेटेड दिखेंगे। इस फिल्म का निर्देशन गैंग झांग ने किया है, जो उनकी पुरानी भाग-दौड़ को एक नया अंदाज देगी। भारत में 50 से ज्यादा सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म यह फिल्म कई देशों के स्टूडियो की मेहनत का नतीजा है।



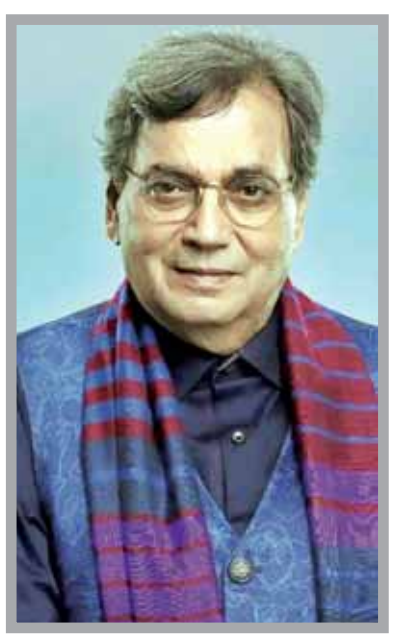
# 'द ब्रैडी बंच' के अभिनेता माइकल ग्रे का हुआ निधन

**लॉस एंजिल्स।** मशहूर 'शजाम' सीरीज में बिली बैटसन का यादगार किरदार निभाने वाले माइकल ग्रे का 75 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। उनका निधन 16 अक्टूबर को कैलिफोर्निया के पाम डेजर्ट में हुआ। उन्होंने अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ी है, जो आज भी पुराने और नए दोनों तरह के फैंस से जुड़ी हुई है। माइकल ने सबसे पहले टीवी पर 'रूम 222' और 'द फ्लाइंग नन' जैसे शोज में काम करके अपनी पहचान बनाई, लेकिन उन्हें असली शोहरत 'शजाम' में बिली का किरदार निभाकर मिली, जो कैप्टन मार्वल में बदल सकते थे। हालांकि, बाद में उन्होंने हॉलीवुड से दूसरी बना ली थी। उन्होंने 'शजाम फूरी ऑफ द गॉड्स' (2023) में एक छोटा लेकिन यादगार भूमिका भी की थी, जिससे पता चलता है कि उनकी कहानी आज भी लोगों के दिलों में है।



# 'तनु वेड्स मनु-3' में नहीं दिखेंगी कंगना

**मुंबई।** कंगना रनौत और आर माधवन की लोकप्रिय फिल्म 'तनु वेड्स मनु' तीसरी कड़ी के साथ वापसी करने जा रही है। करीब एक दशक से ज्यादा समय बाद निर्माता 'तनु वेड्स मनु: द नेक्स्ट चैप्टर' लेकर आ रहे हैं। कुछ समय पहले ही फिल्म का ऐलान किया गया था, जिसके बाद से फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, इस बार कहानी पुराने किरदारों को आगे बढ़ाने के बजाय एक नए अध्याय के रूप में पेश की जाएगी। निर्देशक मिताक्षरा 'तनु वेड्स मनु 3' पर काम कर रही हैं। बताया जा रहा है कि इस रोमांटिक कॉमेडी में कंगना और माधवन के किरदारों की कहानी आगे नहीं बढ़ेगी। इसके बजाय फिल्म में नई और युवा कलाकारों की टोली नजर आएगी। 'मिड-डे' से बातचीत में मिताक्षरा ने कहा, हम एक नई और युवा कास्ट के साथ आ रहे हैं।



# श्रेयस व सुभाष ने 20 साल बाद मिलाया हाथ

**मुंबई।** श्रेयस तलपड़े और दिग्गज फिल्मकार सुभाष घई नई फिल्म 'मान्या' के लिए साथ आए हैं। सिनेमा में 50 साल पूरे करने के उपलक्ष्य में, घई ने ऐलान किया है कि उनका प्रोडक्शन हाउस, मुक्ता आर्ट्स श्रेयस के साथ फिर से काम कर रहा है। यह परियोजना 20 साल बाद उनकी वापसी का प्रतीक होगी। इससे पहले, श्रेयस और घई ने 2005 में आई फिल्म 'इकबाल' में काम किया था। इसमें अभिनेता एक उभरते हुए क्रिकेटर के किरदार में दिखे थे। घई ने श्रेयस के साथ काम करने पर कहा, इस फ़िल्म के लिए श्रेयस तलपड़े के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। वह एक बहुत ही वर्सेटाइल एक्टर हैं जिन्होंने 'इकबाल', 'अपना सपना मनी मनी' (2006) और 'गोलमाल अगेन' (2017) जैसी फिल्में के जरिए अपनी रेंज दिखाई है।

## टीवी मसाला



# कपिल शर्मा के निशाने पर आए 'पहला प्यार दूसरी बार' के नए कपल्स

**मुंबई।** लव रंजन की 'पहला प्यार दूसरी बार' सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीत रही है, वहीं फिल्म की लीड स्टार कास्ट को कपिल शर्मा के शो में उनके खास मजाकिया अंदाज और हाजिरजवाबी का सामना करना पड़ा। अनुज सैनी के डायरेक्शन और लव रंजन के प्रोडक्शन में बनी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म आज के रिश्तों, स्कूल रीयूनियन और प्यार को दूसरा मौका मिलने की कहानी को एक नए और दिलचस्प अंदाज में पेश करती है। फिल्म में स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर जैसे नए चेहरे नजर आ रहे हैं। फिल्म कॉमेडी, शानदार म्यूजिक और इमोशन्स का अच्छा मेल पेश करती है, जो दर्शकों को पसंद आ रहा है। रिलीज के बाद से ही फिल्म को दर्शकों की ओर से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है और इसकी तारीफ हो रही है। इस तरह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने वाली एक बेहतरीन एंटरटेनर बनकर सामने आई है। फिल्म को लेकर चर्चा उस वक्त और बढ़ गई, जब हाल ही में इसकी पूरी स्टार कास्ट 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' में पहुंची। यहां होस्ट कपिल शर्मा ने अपने खास मजाकिया अंदाज में कलाकारों की टांग खींची और कपल्स की जमकर खिंचाई की। लव फिल्म्स की ओर से शेयर किए गए एक मजेदार प्रमोशनल वीडियो में कपिल युवा कलाकारों से मजाक करते और उनसे अचानक अपने शो में आने की वजह पूछते नजर आ रहे हैं।

## 'बिग बॉस 20': माही विज हुईं भावुक

**मुंबई।** सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' में माही विज बतौर प्रतियोगी नजर आ रही हैं। हालिया एपिसोड में अरिश्फा खान से झगड़े के बाद,



माही अपने निजी संघर्ष को याद करके भावुक हो गई थीं। उन्होंने बताया था कि कैसे वह अपनी बेटी तारा की परवरिश अकेले कर रही हैं। अब माही के पति और अभिनेता जय भानुशाली उनके समर्थन में आए हैं। उन्होंने कहा कि भले उनका तलाक हो गया, लेकिन माही और तारा हमेशा उनकी जिम्मेदारी रहेंगे। माही की टीम ने उनके इस भावुक पल का वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जय ने कहा, माही, मजबूत रहो। हम दोनों जानते हैं कि मुश्किल समय में हम हमेशा एक-दूसरे का साथ देंगे। पैसा कभी हमारे बीच बाधा नहीं बना और न कभी बनेगा। तुम और तारा जिंदगी भर मेरी जिम्मेदारी रहोगी। शादी का रिश्ता तुम दोनों के लिए मेरे प्यार और सम्मान को कभी नहीं बदल सकता।

# मधुबाला और मीना कुमारी की बायोपिक पर रोक, क्या है दोनों फिल्मों में देरी की वजह?

**मुंबई।** मधुबाला और मीना कुमारी बॉलीवुड के वो नाम हैं, जो किसी परिचय के मोहताज नहीं। इन दोनों दिग्गज अभिनेत्रियों पर 2 बायोपिक बनाई जा रही हैं। हालांकि, खबरों के मुताबिक, अभी उन्हें रोक दिया गया है। फिल्मफेयर के मुताबिक, दोनों फिल्मों में देरी हो रही है और अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये कब आगे बढ़ेंगी। लंबे समय से इन फिल्मों की चर्चा चल रही है, लेकिन इनके निर्माण की दिशा में खास कदम नहीं उठाए गए हैं।



### मधुबाला में भी हो रही देरी

खबरों के मुताबिक, मधुबाला की बायोपिक में उनका किरदार सारा अर्जुन निभाने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन जसमीत के रीन करने वाले हैं और संजय लीला भंसाली इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहे हैं। शुरुआत में इस फिल्म को बजट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन भंसाली के जुड़ने के बाद काम ने रफ्तार पकड़ ली थी। हालांकि, इसके आगे की प्रगति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल, दोनों फिल्में होल्ड पर हैं।

### क्यों हो रही है इन फिल्मों की शूटिंग में देरी?

अब तक निर्माताओं ने इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है कि इन फिल्मों की शूटिंग कब शुरू हो सकती है। मीना कुमारी की बायोपिक से फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा बतौर निर्देशक अपना सफर शुरू करने वाले थे और खबर थी कि इसमें कृति सेनन मुख्य भूमिका निभाएंगी। हालांकि, मनीष के फिल्म से अलग होने के बाद मुख्य भूमिका के लिए कियारा आडवाणी का नाम चर्चा में आया। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

# प्रियंका के जाते ही विद्या ने संभाली कमान 19 साल बाद सैफ से मिलाया हाथ

**मुंबई।** सैफ अली खान अपनी 'परिणीता' सह-कलाकार विद्या बालन संग रितेश बत्रा की फिल्म में नजर आएंगे। मुंबई में शूटिंग कर रही ये जोड़ी 19 साल बाद साथ आई है। पहले इस रोल में प्रियंका चोपड़ा नजर आने वाली थीं, लेकिन उनके अलग होने के बाद विद्या बालन की एंट्री हुई। भले ही सैफ-विद्या की आखिरी फिल्म 2007 में 'एकलव्य' थी, पर सेट के सूत्रों का कहना है कि उनकी केमिस्ट्री देखकर लगता है जैसे कल ही साथ काम किया हो।

***सैफ निभाएंगे सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार*** : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में सैफ के साथ एक और अभिनेत्री नजर आएंगी। ये भूमिका मशहूर फ्रांसीसी अभिनेत्री, निर्देशक और गायिका मेलानी लॉरेंट निभाएंगी। लॉरेंट ने फ्रेंच और हॉलीवुड सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाई है। उधर 'द लंचबॉक्स' के निर्देशक रितेश बत्रा इससे पहले इरफान खान, रॉबर्ट रेडफोर्ड और जिम ब्रॉडबेंट जैसे कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं। अब वो सैफ के साथ नई फिल्म बना रहे हैं, जिसमें सैफ अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाएंगे।



### प्रियंका क्यों हुईं प्रोजेक्ट से बाहर?

फिल्म एक प्रेम कहानी है, जिसमें पारिवारिक ड्रामा भी देखने को मिलेगा। पहले इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के होने की चर्चा थी, लेकिन शूटिंग की तारीखें न मिलने के कारण उन्होंने ये प्रोजेक्ट छोड़ दिया। 21 अक्टूबर से मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। प्रियंका के फिल्म से बाहर होते ही विद्या बालन ने कमान संभाल ली। अब फैंस सैफ और विद्या की जोड़ी को दोबारा बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्सुक हैं।

## 'फौजी' के टीजर में दिखा दबंग अवतार, फर्स्ट लुक ने लूटी वाहवाही

# 'खून भी लूंगा और आजादी भी, छीन के', रिबेल सोल्जर बने प्रभास

*मुंबई। पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। आने वाले दिनों में प्रभास 'कल्कि 2' से लेकर 'सलार 2', 'स्पिरिट' और 'फौजी' जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। शुक्रवार, 23 अक्टूबर को प्रभास का 47वां जन्मदिन था, इस मौके पर उनकी आने वाली फिल्मों के निर्माताओं ने फिल्म के पोस्टर, बीटीएस वीडियो और टीजर जारी कर फैंस को सरप्राइज दिया। 'फौजी' के निर्माताओं ने भी फिल्म से अभिनेता का फर्स्ट लुक और एक नया टीजर जारी किया है। साथ ही, फिल्म की थिएट्रिकल रिलीज की तारीख का भी ऐलान कर दिया है। इस खबर ने प्रभास के फैंस को भी खुश कर दिया है।*

### 'फौजी' का टीजर जारी

'फौजी' के निर्माताओं ने 2 मिनट 31 सेकंड का टीजर जारी किया, जिसमें प्रभास एक उग्र और दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। आजादी से पहले के दौर पर आधारित, 'फौजी' में प्रभास एक ऐसे बागी सैनिक की भूमिका में नजर आने वाले हैं, जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

### गोलियों की बौछार के बीच प्रभास

टीजर में प्रभास एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं और गोलियों की बौछार देखने को मिलती है। इसमें प्रभास के किरदार को भारत का सबसे बड़ा बागी सैनिक" बताया गया है, जो 1932 से ही वांटेड है। ऐसा लगता है कि उनकी कहानी ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमती है। टीजर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'पेश है डिक्लासिफाइड फाइल नंबर 25 - फौजी, 19 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में।'



### फौजी का टीजर

'फौजी' कब रिलीज हो रही है? तेलुगु पीरियड ड्रामा 'फौजी' 19 मार्च, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 3 दिसंबर, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी रिलीज को टाल दिया गया था। नानी की फिल्म 'द पैराडाइज' के प्री-रिलीज इवेंट में, प्रोड्यूसर रवि शंकर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि इस अतिरिक्त समय का इस्तेमाल इस बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

### 'फौजी': कास्ट और क्रू

हनु राघवपुडी के निर्देशन में बन रही 'फौजी' में प्रभास और इमानवी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके साथ अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर और अन्य कलाकार भी नजर आएंगे। इस फिल्म को नवीन यरनेनी, वाई रवि शंकर और भूषण कुमार ने 'मैथरी मूवी मेकर्स' के बैनर तले प्रोड्यूस किया है, और टी-सीरीज फिल्म्स द्वारा पेश किया जा रहा है। काम की बात करें तो, प्रभास आखिरी बार 'द राजा साब' में नजर आए थे। उनके पास कई और प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनमें संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट', नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 एडी' का सीक्वल और प्रशांत नील की 'सालार 2' शामिल है।

### रांझी में मोबाइल हैक कर और लार्डगंज में गूगल-पे से लगाई चपत

# साइबर ठगों का वार: शिक्षक समेत 2 लोगों के खातों से 1.88 लाख पार

**जबलपुर।** शहर में साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामलों में जालसाजों ने दो लोगों के बैंक खातों से कुल 1 लाख 88 हजार रुपये निकाल लिए। रांझी में एक व्यक्ति ने मोबाइल हैक होने अथवा रिमोट एक्सेस एप के जरिए फोन का नियंत्रण अज्ञात व्यक्ति के हाथों में पहुंचने की आशंका जताई है। वहीं, लार्डगंज में एक शिक्षक के बैंक खाते से गूगल पे के माध्यम से 88 हजार रुपये की रकम निकल गई। दोनों मामलों में शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

#### मोबाइल पर कब्जा, दो बैंक खातों से 1 लाख रुपये गायब

रांझी थाना क्षेत्र में आशीर्वाद बारात घर के पास रहने वाले 50 वर्षीय निशांत कुमार साहू ने 23 अक्टूबर को पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के मुताबिक, 18 अक्टूबर को अचानक उनका मोबाइल फोन हैक होने या किसी रिमोट एक्सेस एप के नियंत्रण में आने की आशंका हुई। इसी दौरान उनके यूनियन बैंक और एक्सिस बैंक के खातों से रकम निकलने के संदेश प्राप्त हुए। निशांत साहू के अनुसार, 18 अक्टूबर की शाम 5:19 बजे से 5:24 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर मोबाइल का नियंत्रण हासिल कर दोनों बैंक खातों से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए कुल एक लाख रुपये निकाल लिए। शिकायत के आधार पर रांझी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

#### शिक्षक के खाते से गूगल-पे के जरिए 88 हजार की हुई निकासी

साइबर धोखाधड़ी का दूसरा मामला लार्डगंज थाना क्षेत्र का है। यादव कॉलोनी में टेलीग्राफ गेट नंबर-1 के पास रहने वाले 58 वर्षीय शिक्षक शिवराज सिंह उइके ने 23 अक्टूबर की रात पुलिस को शिकायत दी। शिकायत के अनुसार, 11 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:35 बजे उन्होंने मोबाइल चलाने के लिए इंटरनेट डेटा चालू किया। इसी दौरान उनके मोबाइल पर गूगल पे के माध्यम से 88 हजार रुपये कटने का संदेश आया। बैंक खाते की जांच करने पर उन्हें पता चला कि अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर धोखाधड़ी कर उनके खाते से यह रकम ट्रांसफर कर ली है।शिकायत पर लार्डगंज पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।दोनों मामलों में पुलिस लेनदेन और शिकायतों से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि रकम किन खातों में ट्रांसफर हुई और दोनों घटनाओं में किसी समान गिरोह की भूमिका है या नहीं।






### तीन दिन में हर वार्ड की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश

## आई ट्रिपल सी और आईटीएमएस की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने निगमायुक्त के सख्त निर्देश

**जबलपुर।** नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार ने शहर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से दमोह नाका स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) एवं इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं, मॉनिटरिंग प्रणाली और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का जायजा लेकर नियमित निगरानी, जवाबदेही और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि आई ट्रिपल सी के डेटा के आधार पर तीन दिनों के भीतर प्रत्येक वार्ड की रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि सफाई एवं पेयजल संबंधी समस्याओं का आकलन कर त्वरित निराकरण किया जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य, पेयजल और कर्मशाला विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा वार्डवार व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान श्री कुमार ने सेंटर में तैनात ऑपरेटरों एवं कर्मचारियों से संवाद कर उनकी शिफ्ट व्यवस्था और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने आईटीएमएस के माध्यम से यातायात निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संयंत्रों की कार्यप्रणाली में सुधार तथा शहर की सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि आधुनिक तकनीक, नियमित मॉनिटरिंग और विभागीय समन्वय के माध्यम से नागरिक सुविधाओं में सुधार तथा नगर निगम की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, तकनीकी अधिकारी बालेंदु शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## बरेला के बम्हनी में भाजपा नेताओं के दो गुट भिड़े, चाकू-रॉड और डंडों से हमला, 11 घायल

*भाजयुमो मंडल अध्यक्ष और जनपद सदस्य के पक्ष आमने-सामने, हत्या का प्रयास और बलवा का मामला दर्ज*



**जबलपुर।** बरेला थाना क्षेत्र के ग्राम बम्हनी तिराहे पर पुरानी रंजिश के बीच दो पक्षों में हुआ विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया। दोनों ओर से चाकू, लोहे की रॉड और डंडे चलने से 11 लोग घायल हो गए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटनाक्रम की खास बात यह है कि विवाद में आमने-सामने आए दोनों पक्षों के लोग भारतीय जनता पार्टी से जुड़े बताए जा रहे हैं। एक पक्ष से भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष प्रवेश पटेल हैं, जबकि दूसरे पक्ष से जनपद सदस्य रामेश्वर साहू हैं, जिनकी पत्नी रानी साहू जिला पंचायत सदस्य हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

#### दुकान में विवाद: फिर चाकू से हमले का आरोप

बरेला थाना प्रभारी संगीता सिंह के अनुसार, ग्राम बम्हनी निवासी 28 वर्षीय किसान प्रवेश पटेल ने शिकायत में बताया कि वह रात करीब 8:30 बजे प्रदीप साहू की दुकान पर पहुंचा था। वहां रामेश्वर साहू, प्रहलाद साहू, लखन साहू, दिनेश साहू और उनके कुछ साथी प्रदीप साहू के साथ विवाद कर रहे थे। प्रवेश पटेल के मुताबिक, उसने रामेश्वर साहू से विवाद करने का कारण पूछा तो रामेश्वर ने कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगा। अपना बचाव करते हुए प्रवेश ने उसे धक्का दिया, जिसके बाद आरोप है कि रामेश्वर साहू ने जान से मारने की नीयत से उस पर चाकू से हमला कर दिया। शिकायत के अनुसार, बीच-बचाव करने पहुंचे प्रदीप साहू, दिलीप साहू, पिंकी साहू, संध्या साहू और जगदीश साहू पर भी रामेश्वर साहू, उसके भाइयों और साथियों ने रॉड व डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में जगदीश साहू के बेहोश होने की बात भी सामने आई है। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 118(1), 296(बी), 115(2), 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

#### 500 रुपये के नोट से शुरू हुआ

दूसरे पक्ष की ओर से ग्राम बम्हनी निवासी 22 वर्षीय ड्राइवर राहुल झारिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई। उसके अनुसार, वह रात करीब 9:30 बजे अंकित साहू के साथ प्रदीप साहू की किराना दुकान पर गुटखा लेने गया था। उसने राजश्री खरीदने के बाद 500 रुपये का नोट दिया। राहुल का आरोप है कि दुकानदार ने उसे 40 रुपये वापस किए, जबकि उसने 440 रुपये वापस मांगे। इसी बात पर विवाद बढ़ गया। राहुल के मुताबिक, प्रदीप साहू ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। वहां खड़े शेखर राव और प्रवेश पटेल भी मारपीट करने लगे। आरोप है कि जब रामेश्वर साहू, दिनेश साहू और प्रहलाद साहू बीच-बचाव करने पहुंचे, तो प्रदीप साहू, शेखर राव और प्रवेश पटेल ने मिलकर रॉड व डंडों से राहुल झारिया, रामेश्वर साहू, दिनेश साहू, लखन साहू और प्रहलाद साहू पर हमला कर दिया। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296(बी), 115(2), 351(2) और 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

#### पुरानी रंजिश से बढ़ा मामला

बम्हनी की इस घटना में दोनों पक्षों के बीच पहले से रंजिश होने की बात भी सामने आ रही है। प्रवेश पटेल भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष हैं, जबकि रामेश्वर साहू जनपद सदस्य हैं और उनकी पत्नी रानी साहू जिला पंचायत सदस्य हैं। दोनों पक्षों की राजनीतिक पहचान के कारण मामला स्थानीय राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि, पुरानी रंजिश की वास्तविक वजह क्या है और विवाद के पीछे राजनीतिक कारणों की कोई भूमिका है या नहीं, यह पुलिस जांच का विषय है। फिलहाल दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और हमले के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों शिकायतों के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिए हैं। एक ही घटनाक्रम से जुड़े विवाद में दोनों पक्षों की ओर से गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद अब पुलिस के सामने घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने की चुनौती है। फिलहाल, 11 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मामले में दोनों पक्षों की शिकायतों पर कार्रवाई जारी है और जांच के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर सामने आ सकेगी।

### जेएनकेविवि पूर्व छात्र मिलन समिति की नई कार्यकारिणी गठित

**जबलपुर।** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, अधारताल, जबलपुर के पूर्व छात्र मिलन कार्यक्रम के सफल आयोजन के उपरांत 24 अक्टूबर 2026 को द होटल इलाईट, उखरी तिराहा, जबलपुर में डॉ. राममिलन साहू की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में 26 सितंबर 2026 को आयोजित पूर्व छात्र मिलन कार्यक्रम का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। इसके पश्चात पुरानी कार्यकारिणी भंग कर नई कार्यकारिणी का निर्विरोध गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में डॉ. राममिलन साहू, डॉ. एल.पी.एस. राजपूत, प्रवीण शुक्ला, राजकुमार पटैल एवं विनीत सिंह ठाकुर को दायित्व सौंपा गया। अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार सरावगी, उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा एवं राममजन द्विवेदी, सचिव रामकिशन पटैल, कोषाध्यक्ष आर.आर. काशीकर तथा संयुक्त सचिव सुनील कुमार राय निर्विरोध चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में गोविंद प्रसाद शर्मा, सुनील शुक्ला, वीरेन्द्र कुमार चौकसे, विनोद ग्रोवर, वीरेश जैन एवं अमर सिंह ठाकुर का मनोनयन किया गया। बैठक में पूर्व छात्र मिलन कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित करने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक का संचालन राजकुमार पटैल ने किया।



### रात्रि 8 बजे से पहले और 10 बजे के बाद नहीं चलाये जा सकेंगे पटाखे

## पटाखों की ऑनलाईन खरीद फरोख्त पर बैन

**जबलपुर।** जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर के क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा भेजी गई जिले की वायु गुणवत्ता रिपोर्ट को दृष्टिगत रखते हुये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर जिले में ऐसे पटाखों के क्रय-विक्रय भण्डारण एवं परिवहन की गतिविधियों पर रोक लगा दी है, जिनके निर्माण में बेरियम साल्ट का इस्तेमाल किया गया हो। प्रतिबंधात्मक आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है और यह आगामी आदेश तक लागू रहेगा। जिला दण्डाधिकारी ने प्रतिबंधात्मक आदेश में लड़ी में (जुड़े हुये) पटाखों तथा ऐसे पटाखों जिनकी तीव्रता विस्फोट स्थल से 4 मीटर की दूरी पर 125 डेसीबल से अधिक हो के क्रय-विक्रय भण्डारण एवं परिवहन पर भी रोक लगाई है। इसके साथ ही एण्टीमोनी लिथियम, मरकरी, आर्सेनिक, लेड, स्ट्रोनटियमक्रोमेट का उपयोग कर बनाये गये पटाखों के क्रय-विक्रय, भण्डारण एवं परिवहन को भी प्रतिबंधित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि पटाखों का ई-कॉमर्स अथवा निजी व्यक्तियों द्वारा ऑनलाइन विक्रय तथा गैर लायसेंसी विक्रय पर भी पूर्णतः रोक रहेगी। रात्रि 8 बजे से पहले एवं रात्रि 10 बजे के बाद पटाखे चलाना भी प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार त्यौहार के दौरान अस्पताल, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केन्द्र, शिक्षण संस्थानों, माननीय न्यायालयों, धार्मिक स्थलों आदि जैसे शांत क्षेत्रों से 100 मीटर की दूर तक पटाखे नहीं चलाये जा सकेंगे। आयुध निर्माणी, पेट्रोल पम्प, गैस गोदाम एवं गैस ऐजेंसी, पटाखा बाजार इत्यादि ज्वलनशील स्थानों पर भी पटाखे चलाना प्रतिबंधित रहेगा।



## भाजपा कार्यकर्ता महानगर के सभी 1041 बूथों पर सुनेंगे 'मन की बात'

**जबलपुर।** भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के कार्यकर्ता रविवार, 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को शहर के सभी 1041 बूथों पर सुनेंगे। कार्यक्रम प्रभारी राजेश मिश्रा ने बताया कि लोकसभा सांसद आशीष दुबे, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, पूर्व मंत्री अंचल सोनकर एवं शरद जैन, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. वाणी अहलुवालिया, पूर्व महापौर प्रभात साहू एवं स्वाति गोडबोले सहित अन्य पदाधिकारी विभिन्न मंडलों और बूथों पर कार्यकर्ताओं व नागरिकों के साथ कार्यक्रम सुनेंगे। सांसद आशीष दुबे रानी दुर्गावती मंडल में नीरज वर्मा के निवास पर तथा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के सुभाष चंद्र बोस मंडल में राहुल शुक्ला के निवास पर कार्यक्रम सुनेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथों पर आमजन के साथ कार्यक्रम सुनने की अपील की है।

### सूने मकानों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी

**जबलपुर।** जिले के खितौला और मझोली थाना क्षेत्रों में सूने मकानों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी करने की दो घटनाएं सामने आई हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खितौला में 11 ग्राम सोने की चेन और 15 हजार रुपये चोरी: प्रज्ञा विहार कॉलोनी निवासी 30 वर्षीय प्रभांशु पाण्डे ने पुलिस को बताया कि 22 अक्टूबर की सुबह मोहल्ले के विनय विश्वकर्मा ने उनके घर में चोरी होने की जानकारी दी। घर पहुंचने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी के लॉकर में रखी करीब 11 ग्राम वजनी सोने की चेन, चांदी की पायल और गुल्लक में रखे लगभग 15 हजार रुपये गायब थे। अज्ञात चोर सामान चोरी कर ले गए। मझोली में 70 हजार रुपये और जेवर ले गए चोर: ग्राम नन्हवारा मोहल्ला निवासी शशि शंकर तिवारी (50) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 18 अक्टूबर की रात परिवार के साथ अष्टमी पूजा के लिए अपने पैतृक गांव हथलेवा गए थे। 23 अक्टूबर की सुबह पड़ोसी ने फोन कर घर का ताला टूटने की सूचना दी।

## 31 जिलों से आए 3000 स्वयंसेवकों ने निकाला आरएसएस का पथ संचलन

**जबलपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पथ संचलन शनिवार दोपहर जबलपुर में आयोजित किया गया। पथ संचलन में 31 जिलों से आए करीब तीन हजार स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। संचलन के दौरान संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा और फूल-मालाओं के साथ पथ संचलन का स्वागत किया। पथ संचलन की शुरुआत श्रीराम कॉलेज से हुई। यहां से स्वयंसेवक अनुशासित तरीके से निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़े। संचलन दीनदयाल चौराहे से होते हुए उखरी पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। पूरे मार्ग पर स्वयंसेवकों की उपस्थिति और उनके सामूहिक संचालन के चलते कार्यक्रम को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ।



#### 31 जिलों के स्वयंसेवकों की रही भागीदारी

इस आयोजन में 31 जिलों से लगभग तीन हजार स्वयंसेवकों के शामिल होने की जानकारी सामने आई। विभिन्न जिलों से पहुंचे स्वयंसेवकों के साथ संघ के पदाधिकारी भी संचलन का हिस्सा रहे। इतने बड़े स्तर पर स्वयंसेवकों की भागीदारी के चलते कार्यक्रम में संगठनात्मक समन्वय और अनुशासन प्रमुख रूप से दिखाई दिया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक निर्धारित मार्ग पर एक साथ आगे बढ़ते रहे। आयोजन के मार्ग में कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। कहीं पुष्पवर्षा की गई तो कहीं फूल-मालाओं के जरिए स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया गया। स्वागत के इन दृश्यों के बीच संचलन श्रीराम कॉलेज से आगे बढ़ते हुए दीनदयाल चौराहे और फिर उखरी तक पहुंचा।

#### शहर के निर्धारित मार्ग से निकला संचलन

शनिवार दोपहर आयोजित इस कार्यक्रम का मार्ग श्रीराम कॉलेज से शुरू होकर दीनदयाल चौराहे होते हुए उखरी तक निर्धारित रहा। इस दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत के नेतृत्व में संचलन निकाले जाने के कारण आयोजन पर विशेष ध्यान रहा। कार्यक्रम में शामिल स्वयंसेवकों के साथ संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। पथ संचलन का समापन उखरी में हुआ।

## पॉश कालोनी में डॉग अटैक पर आयोग ने लिया संज्ञान

**जबलपुर।** शहर के रामपुर एमपीईबी स्थित नयागांव हाउसिंग सोसायटी कालोनी में बड़ी संख्या में आवारा श्वानों के होने के कारण सोसायटी में रहने वाले लोगों को डर और दहशत के माहौल में रहना पड़ रहा है। कॉलोनी वासियों का कहना है कि आवारा श्वान हर दिन किसी न किसी पर आक्रामक होकर अचानक हमला कर देते है, वाहनो का पीछा करते है, इनसे बचने एक बाईक सवार तो नाले में भी गिर चुका है। जिस कारण लोगों का बाहर निकलना बंद हो गया है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग को इस समस्या का ज्यादा ही सामना करना पड़ता है। रहवासी सिद्धार्थ सेठ के द्वारा संबंधितों को शिकायत भी की गई, किन्तु आज तक कोई कार्यवाही नही हुई। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जनहित में मामले पर संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्यपीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकलपीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारो के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

## महाकौशल प्रांत के युवा शिविर में जुटे 34 जिलों के 3185 विद्यार्थी

*प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे ने किया प्रेरणादायी प्रदर्शनी का उद्घाटन, तीन दिवसीय शिविर का श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज में शुभारंभ*

**जबलपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी कार्य वर्ष के अवसर पर महाकौशल प्रांत में युवा कार्य को गति देने और महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को संगठित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय महाविद्यालयीन विद्यार्थी शिविर का शुभारंभ स्थानीय श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ। शिविर में महाकौशल प्रांत के 34 जिलों से कुल 3,185 महाविद्यालयीन विद्यार्थी शामिल हुए हैं। बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता के साथ आयोजित इस शिविर को प्रांत में युवा गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण आयोजन माना जा रहा है। शिविर के शुभारंभ के साथ ही महाकौशल प्रांत के प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे ने परिसर में लगाई गई भव्य एवं प्रेरणादायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों के सामने विभिन्न विषयों से जुड़ी जानकारी और प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। प्रदर्शनी शिविर के प्रमुख आकर्षणों में शामिल है। **पूरे वर्ष चलीं तैयारियां**–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी कार्य वर्ष के अंतर्गत आयोजित इस शिविर की तैयारी योजनाबद्ध तरीके से पूरे वर्ष की गई। इसके लिए युवाओं के बीच विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को शिविर से जोड़ने की पहल की गई। इन गतिविधियों के बाद आयोजित तीन दिवसीय शिविर में महाकौशल प्रांत के विभिन्न जिलों से विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है।

**युवा कार्य को विस्तार देने पर जोर**– महाविद्यालयीन विद्यार्थी शिविर के आयोजन का उद्देश्य युवाओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना और उनके बीच संगठनात्मक गतिविधियों के प्रति सहभागिता बढ़ाना है। विभिन्न जिलों से आए विद्यार्थियों को एक साथ लाने वाले इस आयोजन में युवाओं की सामूहिक भागीदारी महत्वपूर्ण है। संघ के शताब्दी कार्य वर्ष में आयोजित यह शिविर महाकौशल प्रांत में युवा कार्य की गतिविधियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। तीन दिवसीय शिविर में 34 जिलों के 3,185 विद्यार्थियों की उपस्थिति आयोजन के व्यापक स्वरूप को रेखांकित करती है।



# पड़ाव की माता महाकाली की विसर्जन यात्रा आज

## भिटौली कुंड तक पहुंचने में लगेंगें 18 घंटे

**जबलपुर।**

नवीन महाकाली विकास युवा संस्था बड़ी महाकाली पड़ाव चौक गढाफाटक लिंक रोड (लटकारी पड़ाव) की भव्य काली की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस आज रविवार 25 अक्टूबर को शाम 4 बजे से प्रतिमा स्थापना स्थल से प्रारंभ होगा और जिसके विसर्जन स्थल भिटौली कुंड गौरीघाट पहुंचने में करीब 18 घंटे का समय लगेगा और दूसरे दिन 26 अक्टूबर सुबह 7-8 बजे प्रतिमा का विसर्जन हो पाएगा।

पिछले 70 वर्षों से भव्यता और आस्था व चमत्कार का इतिहास संजोए यह प्रतिमा लाखों और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। इस प्रतिमा के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विसर्जन यात्रा में 18 घंटे का वक्त लग जाता है। छोटी लाईन फाटक से गौरीघाट स्थित भिटौली कुंड तक करीब एक लाख लोग डग-डग पर पूजन-अर्चन करते हैं। लाखों की संख्या में नारियल भेंट किये जाते हैं। मां के भक्त जबलपुर में ही नहीं पूरे देश में हर साल शिर्डी सांई सेवा संस्थान द्वारा गुलाब की माला मातारानी के लिए भेजी जाती है। नागपुर से भक्तों द्वारा मखाने की माला प्रतिवर्ष आती है। जयपुर और गुजरात के लोग यहां आकर माता को चुनरी चढ़ाते हैं और उनके जूलूस में भी शामिल होते हैं।

समिति के अध्यक्ष एवं आयोजक एडवोकेट अखिल राज ने बताया कि सन 1955 में प्रतिमा की स्थापना पहली बार की गई थी। उन्होंने कहा कि समिति अपने विधान के मुताबिक 13 दिन के लिए प्रतिमा की स्थापना करती है। विसर्जन जुलूस में गोरखपुर से गौरीघाट के बीच कम से कम 1 लाख लोगों का सैलाब प्रतिमा के दर्शन पूजन करने उमड़ता है। श्रद्धालु जुलूस मार्ग की स्वयं सफाई करते हैं और धुलाई करते हैं। लाखों की तादाद में नारियल फूटते है। माता का नींबू और भभूत पाने होड़ लगी रहती है। पंडा द्वारा भक्तों को दिया जाने वाला नीबू चमत्कारी होता है जिससे भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि महाकाली जबलपुर की महारानी के नाम से विख्यात हैं।

## शरद पूर्णिमा पर बिखरेगी चंद्रमा की रोशनी आज चंद्रमा बरसायेगा अमृत




जबलपुर। आज शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होगा और आसमान से अमृत की वर्षा होगी। शरद पूर्णिमा को लेकर कई पौराणिक मान्यता है कि च्यवन ऋषि को आरोग्य का पाठ और औषधि का ज्ञान अश्विनी कुमारों ने दिया था। अश्विनी कुमार आरोग्य के दाता हैं और पूर्ण चंद्रमा अमृत का स्त्रोत है। यही कारण है कि ऐसा माना जाता है कि शरद पूर्णिमा को आसमान से अमृत की वर्षा होती है।

शरद पूर्णिमा की रात में घरों की छतों पर खीर आदि भोज्य पदार्थ रखने की भी मान्यता है। ऐसा माना जाता है कि चंद्रमा की अमृत बूंदे खीर में आ जाती हैं, जिसका सेवन करने से सभी प्रकार की बीमारियां दूर हो जाती हैं। ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन माता लक्ष्मी यह देखने घूमती हैं कि कौन जाग जा रहा है, जो जागता है, महालक्ष्मी उसका कल्याण करती हैं और जो सो रहा होता है, महालक्ष्मी वहां नहीं ठहरतीं। शास्त्रों के मुताबिक शरद पूर्णिमा की रात को भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ रास रचाया था। इसलिए शरद पूर्णिमा की रात को रासलीला की रात भी कहते हैं।

## वृक्षारोपण, जनसंवाद और विकास कार्यों का किया लोकार्पण



**पाटन।** नगर में 21 अक्टूबर को कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में वृहद वृक्षारोपण, जनसंवाद और लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्वच्छ ग्राम गुरु पिपरिया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड प्लांट में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। नाग तालाब पार्क में जनसंवाद के दौरान मंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर बस स्टैंड के सामने सेल्फी पॉइंट, रेस्ट हाउस के सामने ओपन जिम, वार्ड 8 में शंकर जी के चबूतरे तथा कालीमाई मंदिर परिसर में पेवर ब्लॉक एवं टीन शेड कार्य का लोकार्पण किया गया। अध्यक्ष आचार्य जगेन्द्र सिंह ने नगर को स्वच्छ एवं हरित बनाने में जनसहयोग की भूमिका बताई। कार्यक्रम में एसडीएम सृष्टि प्रजापति, सीएमओ जयश्री चौहान, पार्षद एवं जनप्रतिनिधि देवकुमार यादव, राकेश सिंह, देवदत्त बबेले, उदयभान सिंह, देवेंद्र यादव, वीरेंद्र गिरी, विनय अग्रवाल, प्रशांत जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सीएमओ जयश्री चौहान ने आभार व्यक्त किया।

## गजल शिवहरे को कथक में मिला सम्मान



**जबलपुर।** राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के भव्य दीक्षांत समारोह में कथक नृत्यांगना गजल शिवहरे को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने एम.ए. कथक की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर अपने संस्थान और कला जगत का गौरव बढ़ाया है। वर्तमान में गजल शिवहरे पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, एस.टी.सी., जबलपुर में नृत्य शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने शास्त्रीय नृत्य की प्रारंभिक एवं गहन शिक्षा अपने गुरु श्री मोती शिवहरे जी के मार्गदर्शन में प्राप्त की। इस उपलब्धि पर गजल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसका श्रेय अपने गुरुदेव के अमूल्य मार्गदर्शन तथा माता-पिता के आशीर्वाद और तपस्या को दिया। उनकी इस सफलता से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

## लकी ड्रॉ में स्कूटी, फ्रिज और एलसीडी जीतकर झूमे विजेता



**बरेला।** श्री सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति, किसानी मोहल्ला सोसायटी बरेला द्वारा नवरात्र के अवसर पर लकी ड्रॉ एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सुशील तिवारी के मुख्य आतिथ्य में गणेश वंदना के साथ हुआ। समिति अध्यक्ष पार्षद दिनेश सिंह पटेल, संरक्षक अरविंद तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय पटेल गोलू, सुनील पटेल एवं महेश मानव ने विधायक का सम्मान किया। नरेंद्र दुबे आर्केस्ट्रा के कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। लकी ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार स्कूटी अनाया बानो, द्वितीय पुरस्कार फ्रिज कन्नू राकेश सेन तथा तृतीय पुरस्कार एलसीडी मुकुल राजपूत ने जीती। सुशील पटेल, विशाल रजक, प्रतिभा उपाध्याय, उत्कर्ष चौकसे, स्वाति साहू, अंशिका साहू, नमामि पटेल, सपना पटेल, कीर्ति अवस्थी एवं आशा साहू को सांत्वना पुरस्कार मिले। विशिष्ट अतिथि प्रतीक दुबे, सतीश साहू, भगवान दास साहू एवं अरविंद तोमर का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्य उपस्थित रहे। देवानंद उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया।

## संयुक्त संचालक ने किया निरीक्षण, वार्डों में नागरिकों से किया संवाद



**पाटन।** मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास, जबलपुर संभाग, परमेश जलोटे ने नगर परिषद पाटन का भ्रमण कर विकास कार्यों एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेन्द्र सिंह ने की। निरीक्षण के दौरान गुरु पिपरिया ट्रेंचिंग ग्राउंड में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। एफएसटीपी, एमआरएफ, सीएंडडी प्लांट, कम्पोस्ट इकाइयों, नाग तालाब, पार्क, ओपन जिम, स्टेडियम, एसटीपी, पानी की टंकी, प्रस्तावित गीता भवन भूमि, सड़कों एवं कवर्ड नालियों का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। संयुक्त संचालक ने नगर परिषद की विभिन्न शाखाओं के कामकाज की समीक्षा भी की। वार्ड 10, 11 एवं 12 में पीएम आवास, पट्टा और पीएम स्वनिधि हितग्राहियों तथा सीएम हेल्पलाइन शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद किया। पेयजल व्यवस्था की जानकारी लेकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की जांच की गई। एमपीयूडीसी के स्वप्निल वर्मा, नवीन त्रिपाठी एवं शैलेन्द्र सिंह को एसटीपी निर्माण समय पर पूरा करने, उपचारित जल के उपयोग हेतु कार्ययोजना बनाने तथा प्लांट परिसर में सघन पौधरोपण के निर्देश दिए गए। भ्रमण में सुरेन्द्र कुमार सारस, दिगम्बर सिरपुरकर, देवकुमार यादव, सत्यम मेहरा, दीपक जैन, शेख अमजद, राजेन्द्र सोनी, नरेश प्यासी, विकास यादव, परेन्द्र यादव सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

## बकाया वसूली के लिए नगर पालिका की सख्ती, 10 दुकानें सील



**सिहोरा।** नगर पालिका परिषद सिहोरा ने अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने और बकाया राशि की वसूली के लिए सख्त कदम उठाए हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रदीप झारिया के निर्देशन में निकाय अमले ने बकायादार दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 10 दुकानों को सील किया और बकाया किराया वसूल किया। सीएमओ प्रदीप झारिया ने बताया कि नगर पालिका की दुकानों की प्रीमियम राशि 75,11,576 रुपये तथा लगभग 50 लाख रुपये किराया बकाया है। दुकानदारों को कई बार नोटिस देकर राशि जमा करने की सूचना दी गई, लेकिन कुछ ने अब तक भुगतान नहीं किया। नियमानुसार नीलामी के 120 दिनों के भीतर पूरी प्रीमियम राशि जमा नहीं करने तथा अनुबंध और किराया संबंधी शर्तों का पालन नहीं करने वालों का आवंटन निरस्त किया जा सकता है। ऐसे दुकानदारों से दुकानें खाली कराकर दोबारा नीलामी की कार्रवाई भी की जाएगी। नगर पालिका ने सभी बकायादारों से कार्यालय में उपस्थित होकर प्रीमियम राशि और बकाया किराया जमा करने की अपील की है। कार्रवाई के दौरान रवि बर्मन, संतोष तिवारी, अनिकेत तिवारी, आनंद नामदेव, संदीप श्रीवास्तव, हिमांशु कुरारिया एवं कीर्ति बर्मन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।



## त्वचा रोग विशेषज्ञ सम्मेलन में डॉ. राजीव सक्सेना बने प्रदेशाध्यक्ष

**जबलपुर।** होटल हिल्टन गार्डन इन में आयोजित त्वचा रोग विशेषज्ञों के प्रादेशिक सम्मेलन का शुभारंभ एनएससीबी मेडिकल कॉलेज के डीन प्रो. नवनीत सक्सेना ने किया। डॉ. राजीव सक्सेना ने प्रदेशाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कुष्ठ रोग उन्मूलन, फर्जी चिकित्सकीय प्रैक्टिस पर रोक तथा पीजी प्रशिक्षण को सुदृढ़ बनाने को प्राथमिकता बताया। डॉ. कात्यायन मिश्रा, प्रो. कैलाश भाटिया एवं डॉ. नितिन पंडया को डर्मेटोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड और डॉ. एस.के. मूथा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। वैज्ञानिक सत्र में प्रो. मनीष खंडारे, डॉ. संजय दुबे, प्रो. सुशील पांडेय, डॉ. रघुनाथ रेड्डी, डॉ. योगेश झवर, डॉ. दिलीप हेमनानी, डॉ. अतुल काथेड, डॉ. अनिल सोनी, डॉ. रिपि पाराशर एवं डॉ. राजेश कुमार ने विभिन्न त्वचा उपचारों, लेजर चिकित्सा, हेयर लॉस और आधुनिक तकनीकों पर व्याख्यान दिए। सम्मेलन में 300 विशेषज्ञ एवं 100 पीजी रेजिडेंट शामिल हुए।

## हनुमत आराधना से होगी नर्मदा परिक्रमा की मंगलकामना

### कार्तिक में गूंजेगा 108 चालीसा पाठ



**जबलपुर।** श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा समिति के तत्वावधान में कार्तिक मास की बैकुंठ चतुर्दशी पर महर्षि गौतम आश्रम, गोपालपुर, भेड़ाघाट से आयोजित नर्मदा परिक्रमा की निर्विघ्न सफलता के लिए नवरात्रि में नौ दिवसीय सतचंडी महायज्ञ संपन्न हुआ। समिति सचिव देवेंद्र नेमा ने बताया कि कार्तिक मास के प्रत्येक शनिवार को विभिन्न मठ-मंदिरों में संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे के सानिध्य में 108 हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाएगा। इसके माध्यम से भगवान श्री हनुमान जी से नर्मदा परिक्रमा की सफलता एवं निर्विघ्न आयोजन की प्रार्थना की जाएगी। समिति अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, सचिव देवेंद्र नेमा सहित पप्पू चौबे, प्रभाकर चतुर्वेदी, के.एल. दीक्षित, शंकर नामदेव, सत्यप्रकाश नामदेव, मोहित पटेल, अमित बिश्नोई, अजय पांडे, विशाल पंड्या, अतुल पटेल, आदेश दीक्षित, अवधेश खरे एवं मोनी विश्वकर्मा सहित समस्त पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

## परमहंस मां ललिता देवी की 110वीं जयंती पर सेवा और परोपकार के आयोजन

### शिक्षण सामग्री, श्रीरामचरितमानस और भोजन वितरित कर बच्चों को किया प्रोत्साहित

**जबलपुर।**

परमहंस मां ललिता देवी की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में परमहंस मां ललिता फाउंडेशन द्वारा त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय प्राथमिक विद्यालय सिमरिया के बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं श्रीरामचरितमानस ग्रंथ वितरित किए गए। साथ ही बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। भक्तों ने श्री अखंड रामायण का पाठ कर माता जी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

फाउंडेशन द्वारा जनसेवा के अंतर्गत पौधों का वितरण तथा जरूरतमंदों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कंबल वितरित करने का कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है। आयोजकों ने बताया कि माता जी का जीवन समाजसेवा, परोपकार और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर जरूरतमंदों की सहायता करना ही आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

**ये रहे उपस्थितः** कार्यक्रम में फाउंडेशन की संस्थापक-संचालक श्रीमती ममता देवी गर्ग, पं. धीरेन्द्र कुमार गर्ग, सुशील श्रीवास्तव, पं. शिलांग तिवारी, पं. नारायण मिश्र, शुभम पटेल एवं आशुतोष शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## विश्व पोलियो दिवस पर स्काउट्स-गाइड्स ने निकाली जागरूकता रैली



**जबलपुर।** विश्व पोलियो दिवस पर रोटरी क्लब द्वारा आयोजित जन-जागरूकता रैली में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के लगभग 30 सदस्यों ने सहभागिता की। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित प्रोजेक्ट CLAP के अंतर्गत मिशन लाइफ की स्वस्थ जीवनशैली थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को स्वास्थ्य जागरूकता एवं पोलियो उन्मूलन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे एवं जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिला समन्वयक राहुल राजपूत एवं किरण येवले ने आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। स्काउट्स एवं गाइड्स ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

## निधन

**श्रीमती इंदो बाई रजक-** द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री तुलसीराम रजक की धर्मपत्नी तथा राजेंद्र, संतोष व मनोज रजक की मां श्रीमती इंदो बाई रजक (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री कुंजन सिंह-** तिघरा सोनपुर निवासी श्री कुंजन सिंह (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष सेन- इंद्रा बस्ती रतन नगर निवासी श्री प्रहलाद सेन के पुत्र श्री संतोष सेन (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री राजू बर्मन-** पीडबल्यूडी आफिस के पास साउथ सिविल लाइन निवासी श्री राजू बर्मन (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राजेश कश्यप-** बेलबाग कश्यप मोहल्ला निवासी श्री राजेश कश्यप (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री संतोष सोंधिया-** शास्त्री नगर निवासी श्री संतोष सोंधिया (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती पारो विश्वकर्मा-** सूजी मोहल्ला मिलौनीगंज निवासी श्री कोमल चंद्र विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती पारो विश्वकर्मा (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री सरदार सिंह वर्मा-** न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री सरदार सिंह वर्मा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री मल्लू कोरी-** वल्दी कोरी की दफाई निवासी श्री मल्लू कोरी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री राम सुरेश-** शंकर नगर सुहागी निवासी श्री राम सुरेश (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री बलिहारी कोरी-** वल्दी कोरी की दफाई निवासी श्री बलिहारी कोरी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री दीपक वर्मा-** चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री दीपक वर्मा (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री सोमेंद्र जाट-** कंजड़ मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री रतन कुमार जाट के पुत्र श्री सोमेंद्र जाट (24) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री अतुल सोंधिया-** कुदवारी अमखेरा निवासी श्री कृष्ण कुमार सोंधिया के पुत्र श्री अतुल सोंधिया (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती बसंती बाई-** तिलक वार्ड निवासी श्री हरि प्रसाद डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती बसंती बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती डिंपल-** नर्मदा रोड सदर निवासी श्री पूनम चंद्र की धर्मपत्नी श्रीमती डिंपल (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री टीआई पुष्करण-** शारदा चौक मदनमहल निवासी श्री टीआई पुष्करण (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती अनुराधा रैकवार-** भानतलैया सिंधी कैंप रोड निवासी श्री बबलू रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती अनुराधा रैकवार (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री नंद लाल विश्वकर्मा-** बेन मोहल्ला रामपुर आजाद चौक निवासी श्री नंद लाल विश्वकर्मा (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

## सदर में रामराज्याभिषेक, हवन-पूजन एवं शांति पाठ संपन्न



**जबलपुर।** श्री धनुष यज्ञ रामलीला समिति, सदर द्वारा रामराज्याभिषेक, हवन-पूजन एवं शांति पाठ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। भगवान श्रीराम का पवित्र नदियों के जल से अभिषेक कर राजतिलक किया गया। गुरु वशिष्ठ द्वारा तिलक एवं मुकुट धारण कराने का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रभु का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में सीताराम कुरचानिया, अभिषेक चौकसे, मधुर तिवारी, धनंजय बाजपेयी, संदीप चौकसे, प्रणव अवस्थी, कन्हैया तिवारी, रजनीकांत अवस्थी, डॉ. शंकर पांडे, नरेश तिवारी, आदेश दीक्षित, आकाश नायडू, आशीष पाठक, सतीश पाठक, देव कुरचानिया, शिवशंकर मिश्रा, राहुल रजक, ओम प्रकाश पाठक, अभय नायडू, विजय ठाकुर, अभिषेक उपाध्याय, प्रकाश सोनी, प्रमोद सोनी, शिवदत्त चौबे, राजकुमार गुप्ता, रमन अग्रवाल, शरद शर्मा, अमरचंद बावरिया एवं सुनील महावर सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। वक्ताओं ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को सत्य, धर्म, न्याय एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ। समिति के प्रचार मंत्री धनंजय बाजपेयी ने शासन-प्रशासन, पुलिस, सेना, कैंटोनमेंट बोर्ड, मीडिया एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

## ईदगाह कलां में उर्स शरीफ का आगाज, आज निकलेगा चादर जुलूस



**जबलपुर।** रानीताल स्थित ईदगाह कलां में दो दिवसीय उर्स शरीफ का आगाज शनिवार को नमाज-ए-मगरिब के बाद महफिल-ए-मिलाद से हुआ। उर्स में शामिल होने देश-प्रदेश से जायरीन पहुंच रहे हैं। रविवार को अपराह्न 4:30 बजे आगा चौक स्थित हजरत आगा मुहम्मद साहब की दरगाह से मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉ. मुहम्मद मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी एवं हजरत मौलाना इनामुल हक कादरी बुरहानी की कयादत में चादर जुलूस निकलेगा। जुलूस रानीताल स्थित ईदगाह कलां पहुंचेगा, जहां मजार शरीफ पर चादरपोशी और गुलपोशी की रस्म अदा होगी। नमाज-ए-मगरिब के बाद हजरत बुरहान-ए-मिल्लत एवं हजरत मेहमूद-ए-मिल्लत का कुल शरीफ और हजरत हामिद-ए-मिल्लत की सालाना नियाज होगी। रात 9 बजे से जलसा आयोजित होगा, जिसमें देश-प्रदेश के उलमा-ए-किराम खिताब फरमाएंगे। नमाज-ए-फज्र के बाद हुजूर ईदुल इस्लाम का कुल शरीफ होगा। सालातो-सलाम और दुआ के साथ उर्स का समापन होगा। सज्जादानशीन हजरत सूफी जियाउल हक कादरी बुरहानी ने अकीदतमंदों से बड़ी संख्या में शामिल होकर फैज व बरकत हासिल करने की अपील की है।

## फिजिकल गोल्ड, ईटीएफ और म्यूचुअल फंड के फायदे और सीमाएं

# सोने में निवेश का सही रास्ता चुनें चमक ही नहीं लागत को भी देखें

**खरीद-बिक्री का खर्च, सुरक्षा, निवेश की सुविधा और लागत तय करेंगे वास्तविक मुनाफा**

**बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोले, केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं, क्षमता को जानें**

बिजनेस डेस्क

सोना भारतीय परिवारों के लिए केवल आभूषण या परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि मुश्किल वक्त का भरोसेमंद सहारा भी रहा है। महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने को जगह देना पसंद करते हैं। हालांकि, अब सोने में निवेश का मतलब केवल गहने या सिक्के खरीदकर तिजोरी में रखना नहीं रह गया है। बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोल दिए हैं। कोई फिजिकल गोल्ड खरीदता है, तो कोई गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) या गोल्ड म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करता है। तीनों विकल्पों का उद्देश्य सोने की कीमत में होने वाली बढ़ोतरी से लाभ उठाना हो सकता है, लेकिन इनकी लागत, खरीदने-बेचने की प्रक्रिया, सुरक्षा और निवेश की सुविधा अलग-अलग है। इसलिए केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं है। यह समझना भी जरूरी है कि कौन-सा विकल्प आपकी जरूरत, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुकूल है।

### फिजिकल गोल्ड

फिजिकल गोल्ड में निवेश का सबसे पारंपरिक तरीका सोने के सिक्के, छड़ या आभूषण खरीदना है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक के पास सोना वास्तविक रूप में मौजूद रहता है। जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल उपहार देने, पारिवारिक आयोजनों या अन्य व्यक्तिगत जरूरतों के लिए भी किया जा सकता है। हालांकि, निवेश के नजरिये से आभूषण और सोने के सिक्के एक जैसे नहीं हैं। गहने खरीदते समय मेकिंग चार्ज और लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का खर्च जुड़ता है। दोबारा बेचने पर मेकिंग चार्ज सामान्यतः वापस नहीं मिलता।



शुद्धता की जांच, दुकानदार की खरीद नीति और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर के कारण भी वास्तविक मुनाफा घट सकता है। सिक्कों और छड़ों में आमतौर पर आभूषणों की तुलना में मेकिंग चार्ज कम होता है, फिर भी खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य का अंतर ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, घर में सोना रखने पर चोरी या गुम होने का जोखिम रहता है। बैंक लॉकर में रखने पर अतिरिक्त खर्च हो सकता है। इसलिए जो लोग केवल निवेश के लिए सोना खरीदना चाहते हैं, उन्हें आभूषणों के बजाय कम अतिरिक्त लागत वाले विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

### गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ ऐसे निवेश फंड हैं, जिनकी इकाइयां शेयर बाजार में खरीदी और बेची जाती हैं। ये आमतौर पर भौतिक सोने में निवेश करते हैं और सोने की कीमत में होने वाले बदलाव के अनुरूप रिटर्न देने का लक्ष्य रखते हैं। इस तरह निवेशक को घर में सोना रखने, उसकी सुरक्षा करने या शुद्धता की जांच कराने की चिंता नहीं करनी पड़ती। गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। निवेशक बाजार खुलने के दौरान प्रचलित भाव पर यूनिट खरीद या बेच सकता है। हालांकि, वास्तविक लेनदेन मूल्य बाजार में मांग-आपूर्ति, खरीद-बिक्री के अंतर और फंड की शुद्ध परिसंपत्ति कीमत से प्रभावित हो सकता है। इस विकल्प में फंड का प्रबंधन खर्च, ब्रोकरेज और अन्य लागू शुल्क रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं। निवेश से पहले एक्सपेंस रेशियो, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर की तुलना करनी चाहिए। केवल किसी ईटीएफ की एक यूनिट का भाव कम होने से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि वह दूसरे फंड से सस्ता है। अलग-अलग फंड की एक यूनिट के पीछे सोने की मात्रा अलग हो सकती है।

### गोल्ड म्यूचुअल फंड

जिन निवेशकों के पास डीमैट खाता नहीं है या जो हर महीने नियमित रकम निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक विकल्प हो सकते हैं। ऐसे फंड आमतौर पर गोल्ड ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करते हैं। निवेशक इनमें एकमुश्त रकम लगा सकता है या अपनी क्षमता के अनुसार व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिए नियमित निवेश कर सकता है। इन फंडों में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट खाते की आवश्यकता नहीं होती। निवेशक संबंधित म्यूचुअल फंड की प्रक्रिया के अनुसार सीधे निवेश कर सकता है।

### तीनों विकल्पों में कैसे करें तुलना?

- **कुल लागत:** फिजिकल गोल्ड में मेकिंग चार्ज, जीएसटी और खरीद-बिक्री का अंतर देखें। ईटीएफ व म्यूचुअल फंड में कुल खर्च की तुलना करें।
- **निवेश की सुविधा:** नियमित मासिक निवेश के लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक हो सकता है, जबकि बाजार में खुद यूनिट खरीदने-बेचने के लिए ईटीएफ उपयोगी है।
- **सुरक्षा:** फिजिकल गोल्ड की सुरक्षा निवेशक की जिम्मेदारी है। डिजिटल निवेश विकल्पों में भौतिक भंडारण की चिंता नहीं होती, लेकिन बाजार और फंड से जुड़े जोखिम बने रहते हैं।
- **निकासी:** निवेश से पैसा निकालने की प्रक्रिया और उसमें लगने वाले समय को समझें। ईटीएफ की बिक्री बाजार के कारोबार पर निर्भर करती है, जबकि म्यूचुअल फंड में लागू निकासी नियम महत्वपूर्ण हैं।
- **कराधान:** कर नियम निवेश के प्रकार, खरीद की तारीख और लागू कानूनों के अनुसार अलग हो सकते हैं। इसलिए पुराने नियमों के आधार पर अनुमान लगाने के बजाय निवेश के समय मौजूदा कर प्रावधानों की पुष्टि करें।

### पोर्टफोलियो में संतुलन जरूरी

सोने में निवेश का उद्देश्य केवल अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाना भी हो सकता है। हालांकि, सोने की कीमतें भी घटती-बढ़ती हैं और कोई भी विकल्प निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं देता। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड में निवेश करने से सोने की कीमतों से जुड़ा जोखिम समाप्त नहीं होता। निवेशकों को अपनी पूरी बचत सोने में लगाने के बजाय उसे अन्य निवेश साधनों के साथ संतुलित रखने पर विचार करना चाहिए। आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त नकदी और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश योजना भी जरूरी है।

# 14 साल में 5 करोड़ जोड़ना लक्ष्य तो निवेश की रणनीति में करें बदलाव

बिजनेस डेस्क

नौकरी शुरू करने के बाद हर व्यक्ति चाहता है कि एक समय ऐसा आए, जब उसे रोजी-रोटी के लिए काम करने की मजबूरी न रहे। आर्थिक स्वतंत्रता का यही सपना युवाओं को जल्दी निवेश शुरू करने के लिए प्रेरित करता है, लेकिन यदि कोई 28 वर्ष की उम्र में 70 हजार रुपये मासिक वेतन पाता हो और 42 वर्ष की उम्र में नौकरी छोड़कर रिटायर होना चाहता हो, तो उसके सामने चुनौती बड़ी है।

खासकर तब, जब उसका लक्ष्य 5 करोड़ रुपये फंड तैयार करना हो। इसी सवाल को समझने के लिए एक वित्तीय प्रयोग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटजीपीटी से निवेश योजना तैयार कराई गई। इसमें 25 हजार की मासिक व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी), हर साल निवेश में 10% बढ़ोतरी और निवेश पर सालाना 15% प्रभावी प्रतिफल की धारणा रखी गई। अनुमान के मुताबिक, 14 साल तक नियमित निवेश करने के बाद भी 42 वर्ष की उम्र में करीब 2.10 करोड़ ही जुट पाएंगे। यानी 5 करोड़ के लक्ष्य से लगभग 2.90 करोड़ रुपये कम रह जाएंगे।

### 70000 की आय में कितनी गुंजाइश

निवेश योजना बनाने से पहले आय और खर्च का हिसाब समझना जरूरी है। इस उदाहरण में निवेशक नोएडा में रहता है और उसकी मासिक आय 70 हजार रुपये है। इसमें से 14 हजार मकान के किराये पर खर्च होते हैं। राशन और घरेलू जरूरतों पर 5 हजार, बिजली-पानी पर 2 हजार, इंटरनेट और मोबाइल पर 1,500 तथा परिवहन पर 2 हजार खर्च होते हैं। बाहर खाने और अन्य मनोरंजन पर 5 हजार, व्यक्तिगत खरीदारी पर 3 हजार, बीमा और चिकित्सा पर 2,500 तथा परिवार की मदद और दूसरे विविध खर्चों पर 10 हजार खर्च होते हैं। इस तरह कुल मासिक खर्च 45 हजार बैठता है और निवेश के लिए 25 हजार बचते हैं। यानी निवेशक अपनी आय का लगभग 35.7% निवेश कर सकता है। पूरी बची रकम एसआईपी में लगाने से पहले आपातकालीन जरूरतों, अनियमित खर्चों व पर्याप्त बीमा की व्यवस्था करना जरूरी है।

### हर वर्ष बढ़ेगी एसआईपी फिर लक्ष्य अधूरा

योजना में माना गया कि निवेशक की सैलरी हर साल 10% बढ़ेगी और वह अपनी एसआईपी में भी उतनी ही बढ़ोतरी करेगा। शुरुआत में 25 हजार की मासिक एसआईपी से सालाना 3 लाख निवेश होंगे। दूसरे वर्ष मासिक निवेश बढ़कर 27,500 और तीसरे वर्ष 30,250 हो जाएगा। पांचवें वर्ष तक मासिक एसआईपी करीब 36,603 पहुंचने का अनुमान है। दसवें वर्ष में यह लगभग 58,949 और चौदहवें वर्ष में करीब 86,307 हो जाएगी। इस गणना के अनुसार, 14 वर्षों में निवेशक अपनी जेब से कुल लगभग 83.92 लाख लगाएगा। यदि निवेश पर 15% प्रभावी सालाना प्रतिफल मिलता है, तो कुल निवेश का मूल्य करीब 2.10 करोड़ हो सकता है। इसमें लगभग 1.26 करोड़ संभावित निवेश वृद्धि से आएंगे।

### 5 करोड़ जुटाने में लगेंगे 19 साल

यदि निवेशक इसी योजना पर चलता रहे, एसआईपी हर साल 10% बढ़ाता रहे और 15% प्रभावी सालाना प्रतिफल मिलता रहे, तो 5 करोड़ का लक्ष्य लगभग 18 साल 10 महीने में हासिल होने का अनुमान है। यानी 28 वर्ष की उम्र में निवेश शुरू करने वाला व्यक्ति करीब 47 वर्ष की उम्र में इस लक्ष्य तक पहुंच सकता है। यह उसकी निर्धारित रिटायरमेंट उम्र से लगभग पांच साल बाद है। इससे स्पष्ट है कि केवल नियमित एसआईपी और वेतन के साथ बढ़ते निवेश पर निर्भर रहकर 42 वर्ष में 5 करोड़ जुटाना इस योजना के तहत संभव नहीं दिखता। लक्ष्य हासिल करने के लिए निवेश की रकम बढ़ानी होगी, मौजूदा बचत का सहारा लेना होगा, अतिरिक्त आय के स्रोत तलाशने होंगे या रिटायरमेंट की समयसीमा में बदलाव करना होगा।




25 हजार की एसआईपी और हर साल 10% निवेश बढ़ाने पर 42 साल की उम्र तक जुटेंगे 2.10 करोड़

### लक्ष्य पाने के लिए क्या बदलना होगा

सबसे पहले, वेतन बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। यदि हर साल वेतन में 10% की वृद्धि होती है, तो खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ाना जरूरी नहीं है। वेतन वृद्धि का एक अतिरिक्त हिस्सा निवेश में लगाने से लंबी अवधि में बड़ा अंतर आ सकता है। बोनस या दूसरी अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा भी वित्तीय लक्ष्यों के लिए रखा जा सकता है। दूसरा, निवेश में विविधता बनाए रखना जरूरी है। लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड पूंजी बढ़ाने की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें बाजार का जोखिम भी रहता है। ऋण आधारित निवेश और दूसरे साधनों का चयन निवेशक की जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए। केवल जल्दी लक्ष्य हासिल करने के लिए अत्यधिक जोखिम लेना समझदारी नहीं है। तीसरा, महंगाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आज के 5 करोड़ और 14 साल बाद के 5 करोड़ की क्रय शक्ति समान नहीं होगी। इसलिए रिटायरमेंट के समय के खर्च, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और भविष्य की महंगाई को ध्यान में रखकर लक्ष्य तय करना चाहिए। कर, निवेश शुल्क और रिटायरमेंट के बाद नियमित निकासी का असर भी गणना में शामिल होना चाहिए।

### रिटायरमेंट का लक्ष्य बड़ी रकम नहीं

जल्दी रिटायर होने का अर्थ केवल निवेश खाते में बड़ी रकम जमा करना नहीं है। यह भी तय करना होगा कि रिटायरमेंट के बाद हर महीने कितना खर्च होगा, जमा पूंजी कितने वर्षों तक चलनी चाहिए और आपातकालीन जरूरतों के लिए कितनी रकम अलग रखनी होगी। यदि रिटायरमेंट के बाद कोई नियमित आय नहीं होगी, तो निवेश से निकासी की योजना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।




# स्मॉलकैप फंड में 25% तक रिटर्न, लेकिन निवेश से पहले जोखिम समझना भी जरूरी

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में तेजी के दौरान स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड निवेशकों को आकर्षित करते हैं। छोटी कंपनियों में कारोबार बढ़ाने और तेजी से आगे निकलने की क्षमता होती है, इसलिए इनमें निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने की संभावना रखते हैं। लेकिन यही निवेश बाजार में गिरावट आने पर बड़ा नुकसान भी करा सकता है। वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही में प्रमुख स्मॉलकैप फंडों को करीब 13 से 14 प्रतिशत तक नुकसान हुआ। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भी इस श्रेणी के फंडों में लगभग 12 से 13 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद अप्रैल-जून 2026 में स्मॉलकैप फंडों में करीब 23 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। यह उतार-चढ़ाव बताता है कि इस श्रेणी में रिटर्न की संभावना के साथ जोखिम भी काफी अधिक है। इक्विटीमास्टर की 20 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल के औसत रोलिंग रिटर्न के आधार पर क्वांट स्मॉलकैप, बंधन स्मॉलकैप, इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप, निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप और बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप प्रमुख फंडों में शामिल हैं। इनका औसत पांच साल का रोलिंग रिटर्न करीब 22.5 से 25 प्रतिशत के बीच रहा है।

### क्वांट स्मॉलकैप फंड

पांच साल के औसत रोलिंग रिटर्न में क्वांट स्मॉलकैप फंड करीब 25.04 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न लगभग 17.84 प्रतिशत है। फंड के प्रमुख निवेश में एचएफसीएल, आरबीएल बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पावर और एजिस लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तीन साल की वार्षिकीकृत अस्थिरता 18.2 प्रतिशत रही।

### बंधन स्मॉलकैप फंड

बंधन स्मॉलकैप फंड लगभग 24.4 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न करीब 19 प्रतिशत बताया गया है। इसकी खासियत बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख फंडों में इसका शार्प और सॉर्टिनो अनुपात बेहतर रहा है। ये अनुपात बताते हैं कि किसी फंड ने कितना जोखिम उठाकर कितना रिटर्न दिया। इस फंड का आकार तेजी से बढ़ा है। मार्च 2022 में इसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति करीब 1,410 करोड़ रुपये थी, जो अगस्त 2026 में बढ़कर लगभग 34,180 करोड़ रुपये हो गई।

### इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड करीब 24.05 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न लगभग 18.49 प्रतिशत रहा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 250 का रिटर्न 12.42 प्रतिशत था। तीन साल की अवधि में भी इस फंड का प्रदर्शन अपने बेंचमार्क से बेहतर रहा। फंड का निवेश विभिन्न कंपनियों में फैला है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में साई लाइफ साइंसेज, इटर्नल, एम्बर एंटरप्राइजेज, आदित्य इन्फोटेक और कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामिल हैं।

### निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड इस श्रेणी के बड़े फंडों में शामिल है। रिपोर्ट में इसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति करीब 81,000 करोड़ है। इसका औसत पांच साल का रोलिंग रिटर्न लगभग 24 प्रतिशत और वर्तमान पांच साल का रिटर्न करीब 17.1 प्रतिशत रहा। फंड के पोर्टफोलियो में बड़ी संख्या में शेयर शामिल हैं और किसी एक कंपनी में निवेश का हिस्सा अपेक्षाकृत सीमित रखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तीन साल की अस्थिरता शीर्ष पांच फंडों में सबसे कम, करीब 17.5 प्रतिशत रही।

### बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड

बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड करीब 22.55 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ पांचवें स्थान पर है। इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न लगभग 18.75 प्रतिशत रहा। इसके प्रत्यक्ष निवेश विकल्प का वार्षिक व्यय अनुपात 0.42 प्रतिशत बताया गया है। रिपोर्ट में इसकी तीन साल की वार्षिकीकृत अस्थिरता 20 प्रतिशत बताई गई है, शीर्ष पांच फंडों में सबसे अधिक है।

### इन बातों का रखें ध्यान

स्मॉलकैप फंड में निवेश करने से पहले केवल एक, तीन या पांच साल का रिटर्न देखकर फैसला करना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार में गिरावट के दौरान फंड ने कैसा प्रदर्शन किया, उसका पोर्टफोलियो कितना विविध है।

# रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

**60 साल की उम्र के बाद निकासी टालने और चरणबद्ध तरीके से पैसा लेने के विकल्प**

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

नौकरी के दौरान नियमित बचत करके रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना जितना जरूरी है, उतना ही अहम यह तय करना भी है कि रिटायरमेंट के बाद उस पैसे का इस्तेमाल कैसे किया जाए।

**सामान्य निकासी में फड की राशि और ग्राहक की श्रेणी के अनुसार तय होंगे नियम**

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले कई लोगों को लगता है कि 60 साल की उम्र पूरी होते ही उन्हें पूरा पैसा निकालना होगा या फिर तुरंत पेंशन शुरू करनी पड़ेगी। लेकिन ऐसा हर स्थिति में जरूरी नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के नियमों में निवेशकों को निकासी और पेंशन की योजना बनाने के लिए कई विकल्प दिए गए हैं। इनमें एकमुश्त रकम निकालने, निकासी को आगे टालने और निर्धारित अवधि में किस्तों के जरिए पैसा लेने जैसे विकल्प शामिल हैं। हालांकि, कौन-सा विकल्प उपलब्ध होगा और कितनी रकम निकाली जा सकेगी, यह एनपीएस खाते की श्रेणी, कुल जमा फंड और लागू नियमों पर निर्भर करता है। इसलिए रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे निवेशकों को पहले अपने खाते पर लागू प्रावधान समझने चाहिए।




### 60 साल बाद कितना पैसा निकाल सकते हैं?

एनपीएस से सामान्य निकासी के नियम सभी निवेशकों के लिए एक जैसे नहीं हैं। गैर-सरकारी क्षेत्र के सामान्य एनपीएस खातों में लागू नियमों के अनुसार, यदि जमा पेंशन फंड 8 लाख तक है, तो पूरी रकम एकमुश्त निकालने का विकल्प उपलब्ध हो सकता है। इससे अधिक राशि होने पर निकासी की सीमा और शेष रकम के इस्तेमाल के नियम लागू होते हैं। कुछ परिस्थितियों में 8 लाख से अधिक और 12 लाख तक के फंड के लिए भी अलग विकल्प दिए गए हैं। बड़े फंड के मामले में लागू नियमों के अनुसार एक हिस्सा एकमुश्त निकाला जा सकता है, जबकि शेष रकम का इस्तेमाल एन्युटी खरीदने या निर्धारित अवधि में चरणबद्ध निकासी के लिए किया जा सकता है। सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए अलग प्रावधान लागू हो सकते हैं। इसलिए यह मान लेना ठीक नहीं है कि हर एनपीएस खाताधारक को अनिवार्य रूप से केवल 60% रकम ही निकालने की अनुमति है।एनपीएस के पुराने नियमों में सामान्य निकासी के समय अधिकतम 60% रकम एकमुश्त निकालने और कम से कम 40% रकम से एन्युटी खरीदने का प्रावधान प्रमुख था। बाद के संशोधनों में कुछ श्रेणियों के लिए विकल्पों का विस्तार किया गया है। ऐसे में निकासी का निर्णय लेने से पहले नवीनतम नियम और अपने खाते की श्रेणी की पुष्टि करना जरूरी है।

### निकासी टालने का विकल्प

यदि किसी निवेशक को 60 साल की उम्र में तुरंत पूरे फंड की जरूरत नहीं है, तो वह नियमों के अनुसार निकासी या एन्युटी खरीदने की प्रक्रिया को आगे टालने पर विचार कर सकता है। गैर-सरकारी क्षेत्र के सामान्य एनपीएस खातों में लागू प्रावधानों के तहत पात्र निवेशक 75 साल की उम्र तक खाते में बने रहने या निकासी को स्थगित करने के विकल्प का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस दौरान खाते में निवेशित रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार बढ़ या घट सकती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि फंड पर निश्चित ब्याज मिलता रहेगा। इक्विटी और बॉन्ड में निवेश की मात्रा के अनुसार जोखिम और संभावित रिटर्न बदल सकते हैं।

### किस्तों में पैसा लेने की सुविधा

एनपीएस में चरणबद्ध निकासी के विकल्प भी उपलब्ध हैं। इसके तहत पात्र निवेशक पूरी निकासी एक साथ करने के बजाय निर्धारित अंतराल पर रकम ले सकते हैं। कुछ विकल्पों में एकमुश्त निकासी वाली रकम को किस्तों में लेने की सुविधा मिलती है, जबकि व्यवस्थित यूनिट निकासी के तहत निवेश की यूनिटें निर्धारित समय के अनुसार भुनाई जाती हैं। यह व्यवस्था म्यूचुअल फंड की व्यवस्थित निकासी योजना जैसी लग सकती है, लेकिन दोनों को एक जैसा नहीं समझना चाहिए।

### एन्युटी से कैसे मिलेगी पेंशन?

एन्युटी एक ऐसा वित्तीय उत्पाद है, जिसे बीमा कंपनी से खरीदने पर चुनी गई योजना की शर्तों के अनुसार नियमित पेंशन मिलती है। एनपीएस में लागू नियमों के तहत कुछ स्थितियों में फंड का एक हिस्सा एन्युटी खरीदने के लिए इस्तेमाल करना पड़ता है। इससे रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का स्रोत बन सकता है। एन्युटी खरीदने से पहले उसकी पेंशन दर, भुगतान की शर्तें, जीवनसाथी को मिलने वाले लाभ और मृत्यु के बाद खरीद मूल्य की वापसी जैसे विकल्पों को समझना चाहिए। अलग-अलग योजनाओं में मिलने वाली पेंशन और शर्तें अलग हो सकती हैं। एन्युटी का चुनाव केवल अनुमानित मासिक पेंशन देखकर नहीं करना चाहिए।

### इन बातों पर दें ध्यान

सबसे पहले अपने एनपीएस खाते की श्रेणी और जमा फंड की मौजूदा राशि की जांच करें। इसके बाद यह तय करें कि रिटायरमेंट के बाद मासिक खर्च चलाने के लिए कितनी रकम चाहिए और अन्य स्रोतों से कितनी आय मिलेगी। यदि तुरंत बड़ी रकम की जरूरत है, तो एकमुश्त निकासी का विकल्प उपयोगी हो सकता है। वहीं नियमित आय की जरूरत होने पर एन्युटी या चरणबद्ध निकासी पर विचार किया जा सकता है। खाते में नामांकित व्यक्ति, बैंक खाते और अन्य जरूरी विवरण भी अपडेट रखें। निकासी से जुड़े कर नियमों की पुष्टि करना न भूलें। यह मानकर न चलें कि एनपीएस से निकाली गई हर रकम और उससे बाद में होने वाली कमाई हमेशा कर-मुक्त होगी।

## आरएचपी में कारोबार, वित्तीय स्थिति, प्रमोटर्स के रिकॉर्ड को देखें

# आईपीओ में पैसा लगाने से पहले परखें कंपनी की असली ताकत

- गई रकम के इस्तेमाल और शेयर के मूल्यांकन की भी जांच जरूरी
- केवल लिस्टिंग गेन की उम्मीद में निवेश करना पड़ सकता है भारी

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब भी किसी कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आता है, निवेशकों के बीच उसे लेकर उत्सुकता बढ़ जाती है। ग्रे मार्केट प्रीमियम, संभावित लिस्टिंग गेन और दूसरे निवेशकों की दिलचस्पी के आधार पर कई लोग आवेदन करने का फैसला कर लेते हैं, लेकिन किसी आईपीओ में भारी मांग होना इस बात की गारंटी नहीं है कि कंपनी भी उतनी ही मजबूत है या उसके शेयर से अच्छा मुनाफा मिलेगा। कई बार आकर्षक प्रचार के पीछे कमजोर वित्तीय स्थिति, बढ़ता कर्ज या जरूरत से ज्यादा मूल्यांकन छिपा हो सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए जरूरी है कि वे कंपनी की असली स्थिति समझने के बाद ही पैसा लगाने का फैसला करें। इसके लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, जोखिम, प्रबंधन, प्रमोटर्स और आईपीओ से जुटाई जाने वाली रकम के इस्तेमाल की जानकारी दी जाती है। दस्तावेज बड़ा जरूर होता है, लेकिन कुछ अहम पहलुओं पर ध्यान देकर निवेशक बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

### 1. कंपनी का कारोबार और कमाई का आधार समझें

आईपीओ में निवेश करने से पहले सबसे पहले यह समझें कि कंपनी क्या कारोबार करती है, उसके ग्राहक कौन हैं और उसकी कमाई किन उत्पादों या सेवाओं से होती है। यह भी देखें कि कंपनी जिस क्षेत्र में काम करती है, वहां भविष्य में कारोबार बढ़ने की कितनी संभावनाएं हैं और प्रतिस्पर्धा कितनी कड़ी है। केवल कंपनी के विस्तार संबंधी दावों पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों की बिक्री, मुनाफे और नकदी प्रवाह के आंकड़ों की तुलना करें। अगर बिक्री लगातार बढ़ रही है, लेकिन मुनाफा स्थिर है या घट रहा है, तो इसकी वजह जानना जरूरी है। इसी तरह, कंपनी के खाते में मुनाफा दिखने के बावजूद अगर उसके नियमित कारोबार से पर्याप्त नकदी नहीं आ रही है, तो यह चिंता का संकेत हो सकता है। यह भी देखें कि कंपनी की कमाई कुछ ही बड़े ग्राहकों पर निर्भर तो नहीं है।

### 2. प्रमोटर्स और प्रबंधन का पिछला रिकॉर्ड जांचें

कंपनी की सफलता में उसके प्रबंधन और प्रमोटर्स की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसलिए आरएचपी में उनके अनुभव, पिछली कारोबारी गतिविधियों और कंपनी चलाने के तरीके से जुड़ी जानकारियों पर ध्यान दें। देखें कि प्रमोटर्स ने पहले किन कारोबारों में काम किया है और उनका रिकॉर्ड कैसा रहा है। कंपनी के प्रमुख अधिकारियों के वेतन, प्रमोटर्स की हिस्सेदारी और गिरवी रखे गए शेयरों की जानकारी भी उपयोगी हो सकती है। इसके अलावा, कंपनी या उसके प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ चल रहे महत्वपूर्ण कानूनी मामलों, नियामकीय कार्रवाई और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े खुलासों को ध्यान से पढ़ें।

### 3. प्रमोटर्स से जुड़ी कंपनियों के लेनदेन पर नजर रखें

कई कंपनियां अपने प्रमोटर्स, उनके परिवार के सदस्यों या उनसे जुड़ी दूसरी संस्थाओं के साथ कारोबार करती हैं। इन्हें संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन कहा जाता है। ऐसे लेनदेन अपने आप में गलत नहीं हैं, लेकिन इनकी रकम, शर्तों और कारोबारी औचित्य की जांच जरूरी है। आरएचपी में देखें कि कंपनी प्रमोटर्स से जुड़ी संस्थाओं को कितना भुगतान करती है, उनसे कितना सामान या सेवाएं खरीदती है और उन्हें कितना पैसा देती है। यह भी समझें कि लेनदेन सामान्य कारोबारी शर्तों पर हो रहा है या नहीं। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी, असामान्य भुगतान या संबंधित पक्षों के साथ लगातार बढ़ते लेनदेन दिखाई दें, तो उनकी वजह तलाशें।

### 4. आईपीओ से जुटाई जाने वाली रकम का इस्तेमाल जानें

आईपीओ में आवेदन करने से पहले यह समझना जरूरी है कि कंपनी निवेशकों से पैसा क्यों जुटा रही है। आम तौर पर आईपीओ में फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल हो सकते हैं। फ्रेश इश्यू में कंपनी नए शेयर जारी करके रकम जुटाती है, जबकि ओएफएस में मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचते हैं। ओएफएस से मिलने वाली रकम कंपनी के बजाय शेयर बेचने वाले निवेशकों को मिलती है। आरएचपी में देखें कि फ्रेश इश्यू से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाएगा। कंपनी कर्ज चुकाना चाहती है, नई उत्पादन क्षमता स्थापित करना चाहती है, कारोबार का विस्तार करना चाहती है या सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों के लिए रकम जुटा रही है? इन उद्देश्यों का कंपनी की भविष्य की वृद्धि पर क्या असर पड़ सकता है, इसे समझें। अगर कंपनी कर्ज चुकाने के लिए पैसा जुटा रही है, तो इससे उसकी वित्तीय स्थिति में सुधार हो सकता है।

### 5. शेयर का मूल्यांकन और जोखिम जरूर परखें

अच्छी कंपनी का आईपीओ भी खराब निवेश साबित हो सकता है, अगर उसके शेयर बहुत महंगे मूल्य पर पेश किए जा रहे हों। इसलिए कंपनी की वित्तीय स्थिति के साथ उसके मूल्यांकन की तुलना भी जरूरी है। आरएचपी में कंपनी की प्रति शेयर आय, मूल्य-आय अनुपात (पी/ई), शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य और दूसरी वित्तीय जानकारियों को देखें। समान कारोबार करने वाली सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन से इसकी तुलना करें। यह समझने की कोशिश करें कि कंपनी जिस कीमत पर शेयर पेश कर रही है, क्या उसका आधार मौजूदा कमाई, भविष्य की वृद्धि और कारोबारी संभावनाओं से मेल खाता है।

**फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाट की वारदातों से समूची दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इसके पीछे अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तों को जिम्मेदार मानते हैं। इस हिंसक विरोध आंदोलन की कड़ियां भारत तक जुड़ गई हैं। इसमें विदेशी संगठनों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है। यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। भारत ने जिस तरह से हालिया प्रदर्शनों को नियंत्रित किया है, उस पर टिप्पणी को लेकर मानवाधिकार संगठनों का छद्म छलावा प्रदर्शित होता है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# फ्रांस से उठा यूरोप में फैला हिंसक तूफान



**विश्लेषण**

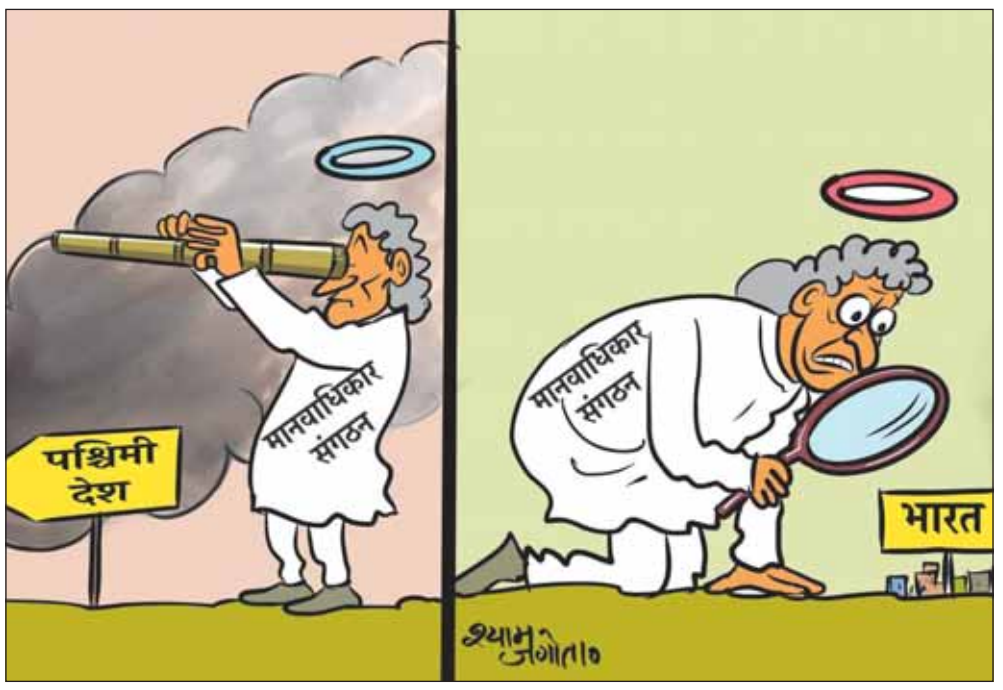
प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

संपूर्ण दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है, जबकि फ्रांस की राजधानी पेरिस और आसपास के नगरों की सार्वजनिक इमारतों से उठती हुई विनाशकारी अग्नि ज्वालाओं का दुनिया ने दीदार किया। फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाटों ने फ्रांस का ही नहीं, वरन् समूची दुनिया के दिल को हिला कर रख दिया है। इंतहा तो तब हो गई, जब पेरिस से उठा हिंसककारी आंदोलन अल्बानिया, इटली, स्पेन, सर्बिया आदि यूरोप के अनेक देशों में भी फैल गया है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फ्रांस में अंजाम दी गई हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। ट्रंप ने अपने मतदाताओं को खबरदार करते हुए फरमाया कि बस आप फ्रांस को देख लीजिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि फ्रांस का पेरिस नगर बहुत जल्दी एक मुस्लिम बहुल नगर बन जाएगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने डोनाल्ड ट्रंप के बयान को बेहूदा और एकदम गलत बताया। यह कहना कि फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों की भारी भीड़ ने फ्रांस पर हमला किया है, डोनाल्ड ट्रंप की यह बात पूरी तरह से बेबुनियाद और सरासर झूठ है। मैक्रों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव अभियान के लिए हमारे देश के विद्यार्थी आंदोलन के विषय में एकदम झूठ बोल रहे हैं। फ्रांस में हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस की अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तें जिम्मेदार हैं। 16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिनों में हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आंदोलन बहुत तेजी के साथ संपूर्ण फ्रांस में विस्तारित हो गया। हाई स्कूल के विद्यार्थियों के आंदोलन में फ्रांस की यूनिवर्सिटियों के विद्यार्थी भी शामिल होने लगे और अमीरों के स्कूलों के विद्यार्थी भी इस आंदोलन को अपना समर्थन प्रदान करने के लिए सड़कों पर आ गए। फ्रांस के मजदूरों की ट्रेड यूनियन्स भी आंदोलन में शामिल हो गई। विद्यार्थी आंदोलन का मुकाबला करने के लिए दंगा नियंत्रक पुलिस फोर्स भेजी गई। क्योंकि ये कहीं-कहीं आंदोलन हिंसक होने लगा था। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष 6 महीनों के बाद फ्रांस में राष्ट्रपति के चुनाव आयोजित होने वाले हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला वामपंथी और दक्षिणपंथी उम्मीदवारों के बीच होना है। राष्ट्रपति पद की प्रबल दावेदार हैं प्रवासी विरोधी अति राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी मरीन ले पेन और पूंजीवाद के घोर विरोधी वामपंथी उम्मीदवार जीन ल्यूक मेलेचोन।

**16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। कुछ ही दिनों में आंदोलन तेजी से फ्रांस में विस्तारित हो गया।**




## फ्रांस में आपातकाल घोषित होने के आसार

वामपंथी शक्तियां बेहद खराब शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और कमरतोड़ महंगाई को इस अत्यंत हिंसक आंदोलन के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं। 17 अक्टूबर को फ्रांस की राजधानी पेरिस के प्रदर्शन स्थल प्लाजा द ला रिपब्लिक पर तकरीबन आठ लाख लोग वस्तुतः बढ़ती हुई महंगाई और अच्छी सरकारी शिक्षा के लिए शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए थे। किंतु काले कपड़ों में कुछ नकाबपोश एक्टिविस्टों के एक गिरोह के आने के बाद शांतिपूर्ण प्रदर्शन अत्यंत हिंसक हो उठा। अभी तक तकरीबन पांच हजार उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री लेकोर्नो द्वारा भयानक हिंसा के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। भयानक हिंसा के तांडव तत्पश्चात राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा बयान जारी किया गया कि फ्रांस में आपातकाल नाफिज किया जा सकता है। फ्रांस के गृहमंत्री लारा न्युनेज ने कहा है कि पेरिस के अनेक नगरों में हिंसक विरोधी प्रदर्शन के बाद हालात दंगा नियंत्रक पुलिस के नियंत्रण से बाहर निकल गए। गृहमंत्री द्वारा भी हिंसक दंगों के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। फ्रांस में प्रदर्शनों का दौर जारी है। राष्ट्रपति मैक्रों की सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए तैयार है।

## 6 माह बाद फ्रांस में होंगे चुनाव

ये सभी मेहनतकश किसानों और मजदूरों के बच्चों के सरकारी स्कूल हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिनों में हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आंदोलन बहुत तेजी के साथ संपूर्ण फ्रांस में विस्तारित हो गया। हाई स्कूल के विद्यार्थियों के आंदोलन में फ्रांस की यूनिवर्सिटियों के विद्यार्थी भी शामिल होने लगे और अमीरों के स्कूलों के विद्यार्थी भी इस आंदोलन को अपना समर्थन प्रदान करने के लिए सड़कों पर आ गए। फ्रांस के मजदूरों की ट्रेड यूनियन्स भी आंदोलन में शामिल हो गई। विद्यार्थी आंदोलन का मुकाबला करने के लिए दंगा नियंत्रक पुलिस फोर्स भेजी गई। क्योंकि ये कहीं-कहीं आंदोलन हिंसक होने लगा था। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष 6 महीनों के बाद फ्रांस में राष्ट्रपति के चुनाव आयोजित होने वाले हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला वामपंथी और दक्षिणपंथी उम्मीदवारों के बीच होना है। राष्ट्रपति पद की प्रबल दावेदार हैं प्रवासी विरोधी अति राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी मरीन ले पेन और पूंजीवाद के घोर विरोधी वामपंथी उम्मीदवार जीन ल्यूक मेलेचोन।

## राजनीतिक दल भी शामिल

फ्रांस के राजनीतिक दल भी इस हिंसक बन चुके आंदोलन में शामिल होकर अपने-अपने लिए सुर्खियां बटोरने की होड़ में जुटे हुए हैं। इस वक्त फ्रांस में हिंसक तांडव अत्यंत तीव्रता के साथ बढ़ रहा है। फ्रांस के आंदोलन में जारी भयानक आगजनी और हिंसक तांडव फ्रांस के वर्तमान इतिहास में सबसे खराब घटनाओं में से एक रहा है। फ्रांस में हिंसक तनाव राजनीति के गलियारों से लेकर सड़कों तक तांडव करता नजर आ रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मुख्यालय एलिसी पैलेस के अनुसार देश के गृहमंत्री लॉरेंट न्युनेज ने अपना त्यागपत्र देने की पेशकश की थी, जिसे राष्ट्रपति ने अस्वीकार कर दिया और फरमाया कि फ्रांस की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए और भयानक हिंसा के दोषी अपराधियों को इंसाफ के कठघरे में लाने के लिए सख्त तौर तरीके अख्तियार किए जाएं। फ्रांस की हुकूमत के मुताबिक तकरीबन दो हजार दुकानों और व्यवसायों में आगजनी और लूटपाट अंजाम दी गई है। दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे गए। वाटर कैनन की बौछारें की गईं। जगह-जगह पर पुलिस को उपद्रवी भीड़ को लाठियां से पीटते हुए देखा गया।

## मैक्रों की नीतियों की आलोचना

कहीं भी फ्रांस की दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक उपद्रवियों पर गोलियां नहीं दागी गईं। सिर्फ एक व्यक्ति के हताहत होने का समाचार है। फ्रांस के गृहमंत्रालय के अनुसार 17 अक्टूबर को लगभग एक हजार पुलिसकर्मी बुरी तरह से घायल हुए। जिसमें सात की हालत बहुत गंभीर है। विश्व पटल पर प्रख्यात पर्यटक सिटी ऑफ़ लाइट पेरिस में आजकल दुर्भाग्यवश अंधकार छाया हुआ है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा पेरिस के कुछ हिस्सों में और कुछ अन्य शहरों में कर्फ्यू नाफीज कर दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय एकता और शांति बनाए रखने का आह्वान किया। राष्ट्रपति द्वारा फ्रांसीसी जनता को आश्वासन देने का प्रयास किया गया कि हिंसा के दोषियों को कानून द्वारा कठोरतापूर्वक दंडित किया जाएगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों की जमकर आलोचना भी की जा रही है। कहा जा रहा है कि उनके शासनकाल के दौरान फ्रांस के हालात बद से बदतर होते गए हैं। फ्रांस की दक्षिणपंथी शक्तियां मध्यमार्गी राष्ट्रपति मैक्रों की फ्रांसीसी हुकूमत को उसकी विनाशकारी प्रवासी नीतियों के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं

# एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन



**दिखावा**

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठाया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी खून बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठाया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर डेरा डाल दिया। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेनुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की ओर बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कनॉट प्लेस के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूली बात नहीं है। इससे साफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही। दुर्भाग्य यह है कि चाहे एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमनराइट वाच, या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दी गई गालियों की ओर ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ हुए आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति एवं विशेषज्ञों का चिंता जताना मामले का एक तरफा संज्ञान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। ये संगठन विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम यानी एफसीआरए और कड़े आतंकवाद-विरोधी कानूनों, मसलन यूएपीएके दुरुपयोग का भी भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। मानवाधिकार संगठन चाहे जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली में जिस तरह सुरक्षा बलों ने खुद पर हुए हमलों के बावजूद जवाबी कार्रवाई में संयम दिखाया, उसकी तारीफ होनी चाहिए। पश्चिमी समाज और उसके कथित मानवाधिकार संगठनों का नजरिया विशेषकर तीसरी दुनिया के देशों के लिए एकतरफा ही रहा है। बेशक भारत आर्थिक रूप से दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति बन चुका है, लेकिन अब भी भारत को लेकर उनकी सोच पुरानी ही है। जिसे अब देश की अधिसंख्य जनता समझने लगी है, इसीलिए अब ऐसे आरोपों और पर्यवेक्षणों से भारतीय मानस उस तरह प्रभावित नहीं होता, जैसा अतीत में होता रहा है।

**ह्यूमन राइट्स वॉच व संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है।**

# विरोध-प्रदर्शनों के पीछे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क



**रिपोर्ट**

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया के अलग-अलग देशों में होने वाले विरोध-प्रदर्शनों के बीच क्या कोई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भी काम कर रहा है? क्या कुछ विदेशी संगठन स्थानीय असंतोष को साझा राजनीतिक अभियान का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं? और क्या इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है।

रिपोर्ट में फ्रांस में छात्र आंदोलनों और भारत में हुए राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों के बीच कथित संबंधों का उल्लेख किया गया है। इसमें इंडियन एलायंस पेरिस (आईएपी) नामक संगठन का भी जिक्र है। हालांकि, रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों और स्वतंत्र रूप से प्रमाणित तथ्यों के बीच अंतर करना जरूरी है। फॉक्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विभिन्न देशों में सक्रिय 101 संगठन विरोध-प्रदर्शनों के आयोजन, उनके प्रचार या उनके संदेशों को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने में जुड़े हुए हैं। इस कथित नेटवर्क में वामपंथी और समाजवादी समूहों, छात्र संगठनों, श्रमिक संघों, मीडिया मंचों तथा राजनीतिक सक्रियता से जुड़े संगठनों की भूमिका है। इस दावे का आधार यह है कि अलग-अलग देशों में होने वाले आंदोलनों के बीच सोशल मीडिया संदेशों, सार्वजनिक बयानों, संगठनों के आपसी संपर्क और एकजुटता अभियानों के माध्यम से संबंध बनते दिखाई देते हैं। फ्रांस में छात्रों के आंदोलनों और भारत में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस्तीफे की मांग से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों का संदर्भ इसी सिलसिले में सामने आया है। यहां एक महत्वपूर्ण सवाल है। क्या विरोध-प्रदर्शनों के बीच वैचारिक समानता, साझा संदेश या अंतरराष्ट्रीय समर्थन अपने आप में किसी गुप्त साजिश का प्रमाण है? ऐसे संबंध किसी संगठित राजनीतिक अभियान की मौजूदगी का संकेत दे सकते हैं, लेकिन उनसे यह स्वतः सिद्ध नहीं होता कि संबंधित संगठन किसी चुनी हुई सरकार को गिराने या विरोध-प्रदर्शन शुरू कराने की योजना चला रहे हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में इंडियन एलायंस पेरिस को फ्रांस में सक्रिय भारतीय मूल के छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा संगठन बताया गया है। इस संगठन ने फ्रांस प्रदर्शनों से संबंधित संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा किया और भारत तथा फ्रांस में युवाओं के आंदोलनों के बीच समानताओं को रेखांकित किया। रिपोर्ट में न्यूयॉर्क स्थित पीपुल्स फोरम और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल का भी उल्लेख किया गया है। इन संगठनों और कुछ अन्य समूहों के बीच संपर्कों को आधार बनाकर यह सवाल उठाया गया है कि क्या अलग-अलग देशों के आंदोलनों को साझा राजनीतिक दिशा देने की कोशिश हो रही है। इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना या सोशल मीडिया पर संदेश साझा करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है। इसके लिए वित्तीय लेन-देन, निर्देशों, संगठनात्मक नियंत्रण और वास्तविक गतिविधियों से जुड़े ठोस साक्ष्यों की जरूरत होती है। इस पूरे विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू विदेशी वित्त पोषण है। रिपोर्ट में अमेरिकी कारोबारी नेविल रॉय सिंघम और उनसे जुड़े कुछ संगठनों का उल्लेख किया गया है। इस विषय पर विचार करते समय लोकतंत्र के दो बुनियादी सिद्धांतों को ध्यान में रखना होगा। पहला, चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के लिए विदेशी धन, गुप्त निर्देशों या गैरकानूनी हस्तक्षेप का इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। यदि ऐसे हस्तक्षेप के प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। आवश्यक है कि किसी भी रिपोर्ट में किए गए दावों की जांच दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड, प्रत्यक्ष साक्ष्यों और संबंधित संगठनों के जवाबों के आधार पर की जाए। यह भी देखना चाहिए कि संगठनों के बीच संबंध केवल वैचारिक समर्थन और प्रचार तक सीमित हैं या वास्तव में किसी देश की राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए निर्देशित गतिविधियां संचालित की गई हैं।



**इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है।**

# समय पर संवाद और समाधान जरूरी



**मंथन**

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन जनता की आवाज बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जब सरकारें जनभावनाओं को अनसुना करती हैं, नीतियों से असंतोष बढ़ता है या लोगों को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा तब सड़कों पर उतरकर विरोध करना स्वाभाविक है। जब यही विरोध हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव का रूप ले लेता है, तो सवाल केवल प्रदर्शनकारियों के उद्देश्यों का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और कानून के शासन का भी बन जाता है। यूरोप के विभिन्न देशों में समय-समय पर हुए हिंसक प्रदर्शनों से भारत को भी कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। हालांकि यूरोप एक समान राजनीतिक या सामाजिक इकाई नहीं है।

फ्रांस में पेंशन सुधारों के विरोध, किसानों के आंदोलन, ब्रिटेन में दंगों और अन्य देशों में आर्थिक असंतोष से जुड़े प्रदर्शनों की परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। इसलिए हर घटना को एक ही नजरिये से देखने के बजाय उसके कारणों और परिणामों को समझना आवश्यक है। हिंसक प्रदर्शनों का पहला सबक यह है कि जन-असंतोष को समय रहते समझना और उसका समाधान करना किसी भी सरकार की जिम्मेदारी है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, किसानों की समस्याएं, सामाजिक भेदभाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसे मुद्दे लोगों में नाराजगी पैदा कर सकते हैं। यदि नागरिकों को लगता है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास गहरा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। यहां भाषाई, धार्मिक, जातीय, क्षेत्रीय और आर्थिक विविधता के कारण अलग-अलग वर्गों की अपेक्षाएं भी अलग हैं। सरकारों को चाहिए कि वे नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन में जनसंवाद को प्राथमिकता दें। समय पर संवाद और शिकायतों का समाधान कई बार उस स्थिति को पैदा होने से रोक सकता है, जिसमें सामान्य विरोध उग्र हो जाता है। हालांकि यह भी समझना जरूरी है कि हर हिंसक घटना का कारण सरकारी नीतियों की विफलता ही नहीं होता। अफवाहें, संगठित उकसावे, आपराधिक तत्व और राजनीतिक ध्रुवीकरण भी परिस्थितियों को बिगाड़ सकते हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि नागरिक सरकार की नीतियों से असहमति जता सकते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन, धरना, जुलूस और सार्वजनिक बहस लोकतांत्रिक व्यवस्था के आवश्यक अंग हैं। लेकिन किसी नीति का विरोध करने का अधिकार सार्वजनिक संपत्ति जलाने, दुकानों को लूटने, वाहनों में आग लगाने या आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में डालने का अधिकार नहीं बन जाता। यूरोप की हिंसक घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है और भय का वातावरण बनता है। सोशल मीडिया जनसमस्याओं को सामने लाने, लोगों को संगठित करने और प्रशासन तक शिकायतें पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करने, नफरत फैलाने और भीड़ को उकसाने का जरिया भी बन सकता है। यूरोप और भारत, दोनों के संदर्भ में यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। तनावपूर्ण परिस्थितियों में बिना पुष्टि की गई खबरें आग में घी डालने का काम कर सकती हैं। नागरिकों को किसी भी संदेश या वीडियो को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचनी चाहिए।

यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। आखिरकार किसी भी आंदोलन का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए, उसे हिंसा और अराजकता के हवाले करना नहीं।




**यूरोप की हिंसक घटनाएं याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है।**

## खबर संक्षेप

### मोटर साइकिल चोरी

**बड़वारा।** थाना क्षेत्र अंतर्गत लखाखेरा से मोटर साइकिल चोरी होने की घटना सामने आई है। शिकायतकर्ता अजय राय पिता दादूराम राय निवासी ग्राम लखाखेरा द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 21,10,2026 को कृष्णा इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान जो कि शासकीय स्वास्थ्य केंद्र के सामने है वहां दुकान के सामने बाइक क्रमांक एमपी 20 केएच 9443 खड़ी थी। शाम 07 बजे के लगभग अज्ञात व्यक्ति द्वारा बाइक चोरी कर ली गई। आवेदक ने बड़वारा थाना में लिखित सूचना देकर गाड़ी खोजने की मांग की है।

### झिंझरी में पलटी बोलेरो, बड़ा हादसा टला

**कटनी।** झिंझरी स्थित वन विभाग कार्यालय के सामने एक दर्दनाक सड़क हादसा होते-होते टल गया। तेज रफ्तार बोलेरो अचानक सड़क पर रखे एक बड़े पत्थर से टकराकर असंतुलित हो गई और जोरदार झटके के साथ सड़क किनारे पलट गई। गनीमत यह रही कि इस भीषण दुर्घटना में वाहन में सवार किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई और सभी बाल-बाल बच गए। दुर्घटना की आवाज सुनते ही आसपास के स्थानीय लोग मौके पर तुरंत इकट्ठा हो गए। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पलटे हुए वाहन के भीतर फंसे चालक और अन्य सवारों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के बाद कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

### लापरवाही पर उपयंत्री को किया निलंबित

**कटनी।** जर्जर भवनों को समय पर हटाने में लापरवाही बरतने तथा संबंधित कार्रवाई में उदासीनता के कारण एक बुजुर्ग की मृत्यु होने के मामले में नगर निगम प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने वार्ड क्रमांक 27, सागर पुलिया के पास स्थित जर्जर भवन को तोड़ने की कार्रवाई में लापरवाही बरतने पर उपयंत्री संजय मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, संबंधित जर्जर भवन को तोड़ने के लिए पूर्व में आदेश जारी किए गए थे। इसके बावजूद भवन को समय पर हटाने की कार्रवाई नहीं की गई। इस संबंध में कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। उपयंत्री द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने तथा वरिष्ठ अधिकारियों को समय पर वस्तुस्थिति से अवगत नहीं करने को गंभीर लापरवाही मानते हुए यह कार्रवाई की गई। आदेश में उल्लेख किया गया है कि जर्जर भवन का एक हिस्सा गिरने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। इस घटना के मद्देनजर निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में उपयंत्री संजय मिश्रा का मुख्यालय नगर पालिक निगम कटनी निर्धारित किया गया है। इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

### जहरीली पदार्थ के सेवन से दो की हुई मौत

**कटनी।** स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत तेवरी गांव के रहने वाले सुजन चौधरी 49 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ के सेवन के बाद तबीयत बिगड़ गई। परिजनों व स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल कटनी लाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसी तरह ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम संकुई निवासी सूरजू लोधी 21 वर्ष ने किसी जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया था, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई थी। बेहतर इलाज के लिए उसे जबलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों की ओर से दी गई सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

### 19 पाव अवैध शराब जब्त

**कटनी।** बड़वारा पुलिस ने एक व्यक्ति के पास से अवैध शराब जब्त की है। पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर की शाम सूचना मिली कि ग्राम मुड़ेहरा में एक व्यक्ति अपने घर के पास अवैध रूप से देशी शराब का कारोबार कर रहा है। पुलिस टीम ने तत्काल दबिश देकर आरोपी को मौके से धर दबोचा। आरोपी के कब्जे से 19 पाव देशी प्लेन शराब जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपी का नाम रमेश दाहिया 45 साल, बताया गया है।

---

विशेष संयोग मे मनेगी शरद पूर्णिमा, मंदिरों में होंगे विविध आयोजन

# शरदोत्सवः औषधियुक्त खीर का होगा वितरण, मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद



सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा शरद पूर्णिमा के नाम से जानी जाती है। शरद पूर्णिमा व्रत को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। शरद पूर्णिमा महोत्सव स्लीमनाबाद तहसील क्षेत्र मे आस्था व उल्लास के साथ मनाया जायेगा। तहसील क्षेत्र के मंदिरों मे सुबह से लेकर देर शाम तक विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। स्लीमनाबाद स्थित सिंहवाहिनी मंदिर, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, हरिदास ब्रजधाम कोहका, कौड़िया स्थित श्रीराम जानकी मंदिर व खिरहनी स्थित जगदीश धाम मंदिर मे शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया जायेगा। वहीं घरों व मंदिरों मे भी महिलाओं के द्वारा पूजा अर्चना की जाएगी।

पंडित रमाकांत पौराणिक ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा मनाई जाएगी। इसके अलावा स्नानदान पूर्णिमा 26 अक्टूबर को रहेगी। शरद पूर्णिमा पर चांद अपनी पूरी 16 कलाओं से युक्त होता है।साथ ही चंद्रमा की चांदनी अमृत से युक्त होती है। इस दिन माता लक्ष्मी रात्रि में पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और देखती हैं कि कौन जाग रहा है। जो जाग रहा होता है, उसे वे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। इस साल शरद पूर्णिमा परसर्वार्थ सिद्दि, रवि, हर्षण योग व रेवती ओर अश्वनी नक्षत्र में चंद्रमा से अमृत वर्षा होगी।

पंडित दिलीप पौराणिक ने बताया कि शरद पूर्णिमा इस साल बहुत उत्तम संयोग बन रहे है। शरद पूर्णिमा पर रेवती ओर अश्विनी नक्षत्र के साथ सर्वार्थ सिद्दि, रवि व हर्षण योग का संयोग बन रहा है!इस दिन रात में गाय के दूध की खीर बनाकर अर्द्ध रात्रि को भगवान को भोग लगाकर खीर को चांदनी रात में रखा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से चंद्रमा की किरणों से खीर में अमृत प्राप्त होता है। आधी रात में चंद्रमा को भी अर्घ्य देना चाहिए। पूर्णिमा की चांदनी औषधि गुणों से युक्त होती है। इसमें रखी खीर का सेवन करने से चंद्र ग्रह संबंधी दोष जैसे कफ सर्दी छाती के रोग, मानसिक कष्ट या डिप्रेशन की समस्या और हार्मोनल संबंधी बीमारी में लाभकारी है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने रास लीला की थी, इसलिए इसे रास पूर्णिमा भी कहा जाता है।

#### बांधा मंदिर में शरद महोत्सव

श्री राधाकृष्ण मंदिर लघु वृंदावन धाम बांधा में 25 अक्टूबर रविवार को शरद महोत्सव आयोजित होगा । सायं 6बजे स्थानीय बालक बालिकाओं द्वारा पवित्र गोप-गोपिका के भाव से नृत्य महाआरती तथा अत्यंत मनभावक गरबा नृत्य होंगे । सायं 7 बजे भगवान श्री राधा कृष्ण जी, आदि शक्ति मां गायत्री जी, भगवान भोलेनाथ जी, विघ्न विनाशक गणेश जी एवं हनुमान जी की भव्य महाआरती होगी । शरद पूर्णिमा के संबंध की पौराणिक गाथा अनुसार इस रात्रि में भगवान श्री कृष्ण जी ने जगत को आनंदित करने हेतु श्री राधा रानी जू एवं गोपियों के साथ परम महारास रचाया था तथा प्रकृति ने अमृत वर्षा की थी । ऐसे ही अप्रतिम वातावरण में बांधा मंदिर में भगवान के महारास के दर्शन के साथ अमृतरूपी खीर प्रसाद का वितरण होगा ।

श्री राधा कृष्ण सेवा समिति के पंडित रामनरेश त्रिपाठी, नवनीत चतुर्वेदी ,महेश पाठक, सीताराम मिश्रा ,मनोज पाठक, सत्येंद्र त्रिपाठी ,कृष्णकांत पांडे ,राघवेंद्र दुबे ,ओमप्रकाश दुबे, द्वारका मिश्रा आदि ने समस्त श्रद्धालु जनों से मंदिर पधार कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की प्रार्थना की है ।



## नवाचार करके आदर्श ग्राम बनाने की दिशा में आगे बढ़ें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विकासखंड कटनी के सेक्टर कन्हवारा में नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी कटनी के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की क्षमता वृद्धि हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आनंद विभाग के पूर्व डीपीएल अनिल कांबले, ग्राम पंचायत के उप सरपंच कमलेश चौधरी, नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष आर एल चौधरी उपस्थित रहे।

आनंद विभाग के पूर्व डीपीएल अनिल कांबले के द्वारा उपस्थित प्रतिनिधियों को सदैव आनंदित रखने वाली प्रेरणादाई गतिविधियों के माध्यम से अपने-अपने ग्रामों में सक्रियता से काम करने हेतु प्रेरित किया गया। समितियों में नए सक्रिय सदस्य बनाकर उनके माध्यम से ग्राम विकास के काम करने, ग्राम में नए-नए आयोजनों के माध्यम से अपनी पहचान बनाने सहित दस्तावेजीकरण आदि की विस्तार से जानकारी दी।

नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष आर एल चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपने-अपने गांव में नवाचार करते हुए आदर्श ग्राम बनाने की दिशा में आगे बढ़ें। विषय विशेषज्ञ के रूप में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता रामानुज पांडेय और श्रीमती रूपा बर्मन ने संवाद कौशल आवश्यकता एवं तकनीक के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया साथ ही रोल प्ले के माध्यम से संवाद की कला को प्रदर्शित किया, जिसमें उपस्थित प्रतिभागियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को नवांकुर संस्था के द्वारा सहभागिता के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

---

*जैविक खेती के साथ स्व रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के बताये तरीके*

## विद्यार्थियों को केंचुआ खाद एवं वर्मीवाश निर्माण का दिया गया तकनीकी प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद



विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के अंतर्गत शासकीय आरके गौतम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरवारी में जैविक कृषि पर तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्राचार्य श्री संघ रत्नभे लावेके के मार्गदर्शन में जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे ने विद्यार्थियों को केंचुआ खाद एवं वर्मीवाश निर्माण की विधि समझाई और जैविक खेती के महत्व की जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान श्री दुबे ने बताया कि गांवों में उपलब्ध गोबर, फसल अवशेष, पत्तियां, डंठल, खरपतवार एवं अन्य जैविक कचरे का उपयोग कर कम लागत में केंचुआ खाद तैयार की जा सकती है। इसके लिए जैविक अपशिष्ट को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर उसमें लगभग एक सप्ताह तक पानी डालकर नमी बनाए रखी जाती है, ताकि कचरा ठंडा हो जाए। इसके बाद इसमें आइसीनिया फेटिडा प्रजाति के केंचुए डाले जाते हैं, जो लगभग 30 से 45 दिनों में जैविक खाद तैयार कर देते हैं।

उन्होंने बताया कि सामान्यतः प्रति एकड़ 8 से 10 क्विंटल केंचुआ खाद की आवश्यकता होती है। इसके उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, जलधारण क्षमता में वृद्धि और पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलती है। इससे फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप कम करने तथा फल, सब्जियों और अनाज की गुणवत्ता सुधारने में भी सहायता मिल सकती है। केंचुआ खाद मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम सहित अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने में सहायक होती है।

प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को केंचुआ पालन एवं केंचुआ खाद निर्माण के माध्यम से वार्षिक आय अर्जित करने तथा विभिन्न फसलों में इसके उपयोग की विधियों की जानकारी दी गई। साथ ही वर्मीवाश तैयार करने की तकनीक भी समझाई गई। विशेषज्ञ ने बताया कि वर्मीवाश का उपयोग पौधों की वृद्धि तथा फूल एवं फल के विकास में सहायक जैविक घोल के रूप में किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को जैविक संसाधनों का सदुपयोग, पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और कम लागत में कृषि आधारित स्वरोजगार शुरू करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

### जिला स्तरीय बैठक में विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा




भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान की तैयारियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की रूपरेखा तय करने के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभावी आयोजन एवं जनसंपर्क गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार आयोजित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और शुद्ध मतदाता सूची के महत्व को जनता के सामने रखना है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े विषयों पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का तथ्यों के साथ जवाब देते हुए पार्टी का पक्ष जनता तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। बैठक में अभियान के अंतर्गत पदयात्रा, पत्रकार वार्ता, वरिष्ठ नागरिकों के साथ संगोष्ठी एवं महाविद्यालयों में युवा संवाद सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई, साथ ही कार्यक्रमों के व्यवस्थित संचालन, कार्यकर्ताओं के दायित्व निर्धारण एवं संगठनात्मक समन्वय को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

---

## जिला पंचायत सीईओ द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारियों को दी सख्त हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने ग्राम पंचायतों में कार्यालयों के नियमित संचालन, कर्मचारियों की उपस्थिति तथा शासकीय अभिलेखों और सामग्री के रखरखाव को लेकर जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के दौरान क्षेत्रीय भ्रमण में सामने आई अनियमितताओं के बाद विभाग ने पंचायतों की कार्यप्रणाली दुरुस्त करने पर जोर दिया है।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री हर सिमरनप्रीत कौर ने निर्देशों का अक्षरशः पालन करने सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि निर्देशों की अवहेलना एवं लापरवाही पाए जाने पर दोषी लोक सेवकों पर कड़ी कार्यवाही होगी।

पंचायत भवन उपलब्ध होने पर निर्धारित कार्यालयीन समय में कार्यालय खोलना अनिवार्य होगा। पंचायत भवन नहीं होने अथवा भवन के जीर्णशीर्ण या अपर्याप्त होने पर शासकीय सामुदायिक या बहुउद्देशीय भवन से कार्यालय संचालित किया जाएगा। किसी भी स्थिति में सरपंच, पंचायत सचिव या ग्राम रोजगार सहायक के निजी निवास से पंचायत कार्यालय संचालित नहीं किया जाएगा। शासकीय सामग्री का रखरखावः पंचायत के अभिलेख, फर्नीचर, टीवी, कंप्यूटर और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से पंचायत भवन में रखा जाएगा। खंड पंचायत अधिकारी (BPO) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत द्वारा पंचायतों का औचक निरीक्षण कर कार्यालय संचालन और सामग्री का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

#### कर्मचारियों को किया सचेत

बिना सूचना या अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने तथा कार्यालय संचालन में लापरवाही बरतने वाले पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हर सिमरनप्रीत कौर ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सतत निगरानी रखने और ग्राम पंचायतों में निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

*ग्राम तेवरी में प्रस्फुटन समितियों के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का आयोजन*

## जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सामाजिक जागरूकता के प्रति समितियों को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद



विकासखंड बहोरीबंद की ग्राम पंचायत तेवरी में नवांकुर संस्था युवा जन सेवा समिति, तेवरी के तत्वावधान में प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के अंतर्गत सेक्टर स्तरीय प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रस्फुटन समितियों को सक्रिय बनाना, उनकी कार्यक्षमता बढ़ाना तथा ग्रामीण विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद सदस्य कमलेश कुमार जैन,सरपंच अमोच नरेश कुमार दाहयत द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विकासखंड समन्वयक अरविंद शाह ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यप्रणाली, उद्देश्यों एवं विभिन्न योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने प्रस्फुटन समितियों को सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए आवश्यक दस्तावेजीकरण, एनजीओ पंजीयन प्रक्रिया, एमपीजअफ एप के उपयोग तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाने के विषय में मार्गदर्शन दिया।

परामर्शदाता विनोद सिंह ने संवाद कौशल एवं प्रभावी संचार तकनीकों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क और बेहतर संवाद के माध्यम से सामाजिक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण में स्वामित्व योजना, नल-जल योजना, बकरी पालन, मत्स्य पालन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं आजीविका संवर्धन संबंधी विषयों पर भी जानकारी साझा की गई। सरपंच नरेश कुमार दाहयत ने ग्रामीण विकास में जनभागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समितियों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। वहीं, नवांकुर संस्था के सेक्टर प्रभारी रविन्द्र नाथ झारिया ने संस्था एवं समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।प्रशिक्षण के दौरान आगामी कार्ययोजना के अंतर्गत जल संरक्षण, जनजागरूकता शिविरों के आयोजन तथा ग्राम पंचायतों के साथ समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

---

### निगमायुक्त ने कहा नागरिक सुविधाओं में लाएं सुधार

## निर्माण कार्य में देरी पर नाराजगी, सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर फटकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



नागरिक सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं और स्वच्छता सहित मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित हो। शुक्रवार को क्षेत्रीय निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने अधिकारियों को ये निर्देश देते हुए निर्माण कार्यों की प्रगति, स्वच्छता व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया।

निगमायुक्त ने विवेकानंद वार्ड स्थित लखेरा खेरमाई मंदिर प्रांगण में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित उपयंत्री से वर्क ऑर्डर और कार्य पूर्णता की निर्धारित तिथि की जानकारी लेते हुए निर्माण में देरी पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही, भविष्य में निर्मित होने वाले सभी नवीन सामुदायिक भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

#### सीवर कार्य पूर्ण, शीघ्र कराए मार्ग का डामरीकरण

लखेरा मार्ग के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने सीवर लाइन विस्तार कार्य की स्थिति की समीक्षा की। संबंधित उपयंत्री ने बताया कि मुख्य मार्ग पर सीवर लाइन का कार्य पूरा हो चुका है। इस पर निगमायुक्त ने सहायक यंत्री अनिल जायसवाल को नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्ग पर शीघ्र डामरीकरण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि आवागमन सुगम हो सके।

खेरमाई मंदिर प्रांगण स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 135 और योग भवन का निरीक्षण करते हुए निगमायुक्त ने बच्चों के बैठने सहित उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आंगनबाड़ी कक्ष छोटा होने और बच्चों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं होने पर उन्होंने केंद्र का संचालन योग भवन में व्यवस्थित रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर परिसर और आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर आसपास की रिक्त भूमि के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के अगले चरण में निगमायुक्त ने वेस्टलैंड के पास स्थित सुलभ शौचालय और आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 138 की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुलभ शौचालय की सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश देते हुए उन्होंने केंद्र और शौचालय के बाहर सार्वजनिक मार्ग पर गंदगी मिलने पर क्षेत्रीय वार्ड दरोगा के प्रति नाराजगी व्यक्त की तथा तत्काल पर्याप्त साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। क्षेत्र में हैंडपंप के पास जलभराव की समस्या के निराकरण के लिए उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव को सोक पिट का निर्माण कराने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान निगमायुक्त ने वार्ड के कचरा संग्रहण वाहन को रोककर सुपरवाइजर से वार्ड में किए जा रहे संग्रहण कार्य एवं वाहन में एकत्रित कचरे को प्लांट भेजने की टाइमिंग की भी जानकारी ली।

## सरकारी जमीन में उपले पाथने को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बाकल थाना अंतर्गत ग्राम चांदनखेड़ा में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। झड़प में दोनों पक्षों से लाठी-डंडे और गाली-गलौज की नौबत आ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर क्रॉस मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम चांदनखेड़ा में पिछले कुछ समय से जमीन के उपयोग को लेकर तनाव चल रहा था। 22 अक्टूबर 2026 की रात लगभग 10:00 बजे यह विवाद तब बढ़ गया जब दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद का मुख्य कारण गांव की सरकारी जमीन पर कंडा पाथना (उपले थापना) बताया जा रहा है। इसी बात पर उपजे आक्रोश के बाद दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी का दौर शुरू हो गया।

#### दोनो पक्षों ने की शिकायत

घटना को लेकर पहले पक्ष के होरीलाल कुम्हार 62 वर्ष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। होरीलाल की शिकायत पर पुलिस ने प्रीतम, सीतम, भालू, सुन्नी, संतोष और ललिता कुम्हार (सभी निवासी ग्राम चांदनखेड़ा) के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। इसी तरह दूसरे पक्ष से सीतम कुम्हार 42 वर्ष ने भी थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। सीतम की शिकायत पर पुलिस ने दूसरे पक्ष के होरीलाल, भंगी, मारू, सत्तू और ममता बाई के खिलाफ क्रॉस मामला दर्ज किया है। शिकायत पर भी पुलिस ने समान धाराओं के तहत अपराध कायम किया है।

### मरने वालों में भाजपा पार्षद, क्लीनिक संचालक शामिल

# शराब सेवन के बाद दो लोगों की मौत जहरीला पदार्थ मिले होने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ में शराब सेवन के बाद दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों की पहचान भाजपा पार्षद रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लिनिक संचालक जोहितराम खरे के रूप में हुई है। दोनों की शराब पीने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें उपचार के लिए बिलासपुर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शराब में जहरीले पदार्थ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत की वास्तविक वजह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।





**अचानक तबीयत बिगड़ी, सांस लेने में हुई तकलीफ**

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर शाम भाजपा पार्षद रामखिलावन जांगड़े अपने तीन साथियों के साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान रामखिलावन जांगड़े और जोहितराम खरे की तबीयत अचानक बिगड़ गई।

**सिम्स और अपोलो अस्पताल में कराया थी भर्ती**

दोनों को सांस लेने में परेशानी होने लगी, जिसके बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बिलासपुर रेफर कर दिया गया। रामखिलावन जांगड़े को बिलासपुर के सिम्स अस्पताल और जोहितराम खरे को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखकर जांच कराए जाने की जानकारी सामने आई है।

**शराब पीते वक्त मौजूद साथियों की पुलिस को तलाश**

पुलिस के अनुसार, दोनों मृतकों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ देशी शराब का सेवन किया था। शराब पीने के बाद घर पहुंचने पर दोनों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। शराब सेवन के दौरान मौजूद दोनों अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। उनसे पूछताछ के जरिए घटना से जुड़ी जानकारी जुटाने का प्रयास किया जाएगा।

### बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज का वार्षिकोत्सव

# मां रणेश्वर रामचंडी के दर्शन करने पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद



छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महासमुंद जिले के बसना विकासखंड पहुंचे। वे ग्राम गढ़फुलझर में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन था।

सीएम ने गढ़फुलझर स्थित रामचंडी मंदिर का दौरा किया। वे मां रणेश्वर रामचंडी के दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश की निरंतर प्रगति के लिए भी विशेष प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति इस अवसर पर कई प्रमुख नेता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

### मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 : सेमीकंडक्टर समिट से मप्र को मिली बड़ी सौगात

# 5,800 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त 10 हजार से अधिक रोजगार होंगे सृजित

- सीएम ने किया दो दिनी मप्र सेमीकंडक्टर समिट 2026 का शुभारंभ
- मुख्यमंत्री ने 12 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ की वन-टू-वन बैठक
- मप्र को देश का प्रमुख सेमीकंडक्टर एवं तकनीकी केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध
- ढाई वर्ष में 25 से अधिक नीतियां बनाकर निवेश और औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं के खोले द्वार
- जीआईएस के 30 प्रतिशत से अधिक निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 के माध्यम से प्रदेश में लगभग 5 हजार 800 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

समिट में एक हजार से अधिक प्रतिनिधियों और जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान एवं स्वीडन के प्रतिनिधिमंडलों की सहभागिता प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय समिट में 8 पैनल चर्चाएं, 5 राउंडटेबल और 6 की-नोट उद्बोधन आयोजित किए जा रहे हैं। समिट में मप्र सेमीकंडक्टर नीति-2026 पर हितधारक चर्चा और एमपी सेमीकॉन स्टार्टअप चैलेंज भी आयोजित किया जा रहा है।



मप्र सेमीकंडक्टर समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

**निवेश एवं औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग प्रतिनिधियों को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में सहभागिता के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मप्र में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश एवं औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने निवेशकों से प्रदेश के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि उद्योग जगत और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से मप्र के औद्योगिक एवं तकनीकी विकास को नई गति मिलेगी।

**मुख्यमंत्री ने की प्रमुख घोषणाएं**

- सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना- प्रदेश में सेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। इसके माध्यम से चिप डिजाइन, वीएलएसआई, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, प्रोटोटाइपिंग तथा कौशल विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।
- फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस- प्रदेश में फोटोनिक्स एवं क्वांटम टेक्नोलॉजीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। इससे क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, फोटोनिक्स, एडवांस्ड मटेरियल्स और डीप-टेक अनुसंधान के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित होंगी।
- इंदौर- उज्जैन इकोनॉमिक कॉरिडोर में हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकता- कॉरिडोर के विकास में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग, चिप डिजाइन एवं हाई-टेक उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

**25 से अधिक नीतियां बनाकर विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोले**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने ढाई वर्ष में 25 से अधिक नीतियां बनाकर निवेश और औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। पारदर्शी, सरल और स्पष्ट नीतियों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सहित विभिन्न प्रयासों से प्रदेश में लगभग 34 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 30 प्रतिशत से अधिक निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे हैं। प्रदेश सरकार निवेश प्रस्तावों को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

**नीतियों और त्वरित निर्णय प्रक्रिया से उद्योग जगत का विश्वास बढ़ा**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र निवेशकों का स्वागत करने और उन्हें साथ लेकर चलने वाला राज्य है। निवेश अनुकूल नीतियों और त्वरित निर्णय प्रक्रिया से उद्योग जगत का विश्वास बढ़ा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि निवेश संबंधी प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब न हो और समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से किया जाए। राज्य सरकार की कार्यप्रणाली में फाइलों के स्थान पर फैसलों, संभावनाओं के स्थान पर परियोजनाओं और समस्याओं के स्थान पर समाधानों को प्राथमिकता दी जा रही है। एक बार जो मप्र आता है, वह हमेशा के लिए मप्र का हो जाता है।

**राज्यों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण उपलब्ध**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी असंभव लगने वाले विषय आज वास्तविकता बन रहे हैं। सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ने के लिए राज्यों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण उपलब्ध है। मप्र देश के साथ कदम मिलाकर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोविड काल में सेमीकंडक्टर चिप की कमी से वैश्विक स्तर पर विकास गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। इससे इस क्षेत्र की आर्थिक और सामरिक महत्ता स्पष्ट हुई है।

**फार्मा, टैक्सटाइल, रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश में महत्वपूर्ण प्रगति**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र कृषि के साथ उद्योग, तकनीक और विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्वालियर में टेलीकॉम विनिर्माण क्षेत्र को विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। फार्मा, टेक्सटाइल और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी प्रदेश महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग 5 हजार मेगावाट से बढ़कर 32 हजार मेगावाट हो गई है। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मप्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

**निवेशकों एवं उद्यमियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई**

*मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समिट में चिप डिजाइन, एडवांस्ड पैकेजिंग, टेस्टिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेशकों एवं उद्यमियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई है। प्रदेश में प्रतिभाशाली मानव संसाधन और मजबूत जनसांख्यिकीय क्षमता उपलब्ध है। सरकार उद्योग जगत के साथ साझेदारी कर इन संभावनाओं को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।*

### अनूपपुर में जिला बैठक को किया संबोधित

# कांग्रेस की नीतियों और राजनीति को जनता के सामने उजागर करेंगे कार्यकर्ता : चंद्रशेखर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने शुक्रवार को अनूपपुर जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होने कहा कि कहा कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक तौर-तरीकों से देश को नुकसान पहुंचाया है और आज आंदोलनों की आड़ लेकर देश में अराजकता की नींव रखने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े करना और देश के माहौल को खराब करना कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और उसकी अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करेगी।

**कांग्रेस की राजनीति से देश को हुआ नुकसान**

प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस ने प्रारंभ से ही जिस राजनीतिक मॉडल पर काम किया, उससे देश को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। कांग्रेस की नीतियों ने समाज में विभिन्न प्रकार के भेदभाव को बढ़ावा दिया, जबकि भाजपा ने समय-समय पर आंदोलनों और जनजागरण के माध्यम से बेहतर व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया। आज कांग्रेस चुनावी पराजय के बाद ईवीएम पर सवाल उठाती है और लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रहार करती है। की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और उसकी अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करेगी।

**भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष ने की जन्मदिन पर पेन-किताबें लाने की अपील**

**भोपाल।** भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विशाल सिंह बघेल ने अपने जन्मदिन पर नई पहल करते हुए फूल-मालाओं के बजाय पेन-किताबें लाने की अपील की है। 25 अक्टूबर को जन्मदिन पर मिलने वाली शैक्षणिक सामग्री जरूरतमंद बच्चों को वितरित की जाएगी। डॉ. बघेल ने मित्रों और शुभचिंतकों से फ्लेक्स-होर्डिंग व अनावश्यक खर्च से बचकर बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सच्ची सेवा है।

- **जरूरतमंद बच्चों को बांटी जाएगी शैक्षणिक सामग्री**

**संवैधानिक संस्थाओं पर अराजक हमलों के विरोध में अभाविप का प्रदर्शन आज**

**भोपाल।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) भोपाल महानगर द्वारा देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे अराजक हमलों के विरोध में 24 अक्टूबर को अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ के आह्वान के साथ व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। अभाविप द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन का उद्देश्य संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और मर्यादाओं की रक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। अभाविप का मानना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है।

### उमड़ पड़ा लोगों का हुजूम, दोनों सुरक्षित

# स्कूटी में अचानक लगी भीषण आग, गाड़ी पर सवार भाई-बहन ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले के भिलाईबाजार क्षेत्र में एक चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। स्कूटी पर सवार कटकीडबरी निवासी पीयूष कंवर और उनकी बहन ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। यह हादसा भिलाईबाजार तालाब के पास उस समय हुआ जब दोनों कुसमुंडा से वापस अपने घर लौट रहे थे। सही समय पर वाहन से नीचे कूद जाने के कारण दोनों हादसे में सुरक्षित बच गए और एक बड़ी अनहोनी टल गई। घटना का वीडियो वायरल



जानकारी के अनुसार, कुसमुंडा से घर लौटते समय भिलाईबाजार तालाब के पास पहुंचते ही स्कूटी से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते धुआं बढ़ा और वाहन में आग भड़क उठी। स्कूटी में आग लगते ही उस पर सवार भाई-बहन घबरा गए। उन्होंने तुरंत वाहन रोकने की कोशिश की और किसी तरह उससे नीचे कूद गए। दोनों के सुरक्षित हटते ही आग ने पूरी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते वाहन जलकर पूरी तरह खाक हो गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

**पहले भी हो चुकीं ऐसी घटनाएं**

*कोरबा जिले में इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले कटघोरा कॉलेज के पास भी एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लगने का मामला सामने आया था। उस दौरान भी स्कूटी पर सवार पूरा परिवार बाल-बाल बचा था। भिलाईबाजार की घटना में आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है।*

# हवाई यात्रियों के लिए नया विंटर शेड्यूल आज से लागू

**रायपुर।** स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले हवाई यात्रियों के लिए नया विंटर शेड्यूल आज से लागू होने जा रहा है। इसमें सबसे प्रमुख बदलाव रायपुर से दिल्ली जाने वाली सुबह की पहली उड़ान के समय में हुआ है। अब दिल्ली के लिए सुबह की पहली फ्लाइट अपने निर्धारित समय सुबह 8:25 बजे के बजाय 30 मिनट पहले यानी सुबह 7:55 बजे उड़ान भरेगी। इस समय-सारिणी के लागू होने से हवाई यात्रियों को समय पर हवाई अड्डे पहुंचने के लिए अपनी यात्रा की योजना में आवश्यक बदलाव करना होगा। एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा जारी नए विंटर शेड्यूल में एयर इंडिया की रायपुर और दिल्ली के बीच संचालित होने वाली उड़ानों की कुल संख्या में कोई कटौती नहीं की गई है। दोनों प्रमुख शहरों के मध्य पहले की तरह ही एयर इंडिया की तीन उड़ानों का संचालन जारी रहेगा। हालांकि, सुबह की पहली उड़ान के प्रस्थान समय को आधा घंटा पहले निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली से रायपुर आने वाले यात्रियों के लिए भी राहत की खबर है। दिल्ली से रायपुर आने वाली दोपहर की उड़ान को पुनः प्रारंभ किया जा रहा है। यह विमान दिल्ली से सुबह 11:10 बजे प्रस्थान करेगा और दोपहर 12:55 बजे रायपुर पहुंचेगा।

### सफेद परिधान में शांति और सद्भावना के दूत बने 400 से अधिक रोटरी सदस्य

# विश्व पोलियो दिवस पर निकली जागरूकता रैली 12 रोटरी क्लबों के साथ 150 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग



**जबलपुर।** पोलियो मुक्त विश्व और बच्चों के सुरक्षित भविष्य का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार, 24 अक्टूबर को रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 के तत्वावधान में जबलपुर में विशाल पोलियो जागरूकता रैली आयोजित की गई। राइट टाउन स्टेडियम के सामने से प्रारंभ होकर मालवीय चौक पर संपन्न हुई इस रैली में 400 से अधिक रोटरी सदस्य सफेद परिधान में शामिल हुए और शांति एवं सद्भावना के दूत बनकर सेवा, एकता तथा स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया।अभियान का उद्देश्य पोलियो उन्मूलन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, नियमित टीकाकरण के महत्व को रेखांकित करना और बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने के लिए सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था।अभियान के *डिस्ट्रिक्ट पोलियो चेयरमैन रोटे भरत डागा* के मार्गदर्शन में आयोजित इस रैली में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी, मध्य प्रदेश *रोटे नितिन जैन* ने पोलियो उन्मूलन के लिए निरंतर जन-जागरूकता और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।इस अभियान के विशेष सहयोगी पूर्व प्रांतपाल *रोटे विवेक तन्खा, सांसद (राज्यसभा)* रहे। कार्यक्रम के इवेंट चेयरमैन पूर्व प्रांतपाल *रोटे सुनील फाटक, इवेंट को-चेयर **रोटे एन.के. श्रीवास्तव* तथा इवेंट कोऑर्डिनेटर *रोटे अंकुर माहेश्वरी* हैं।रैली में असिस्टेंट गवर्नर रोटे *रवि वैश्य, राकेश नेमा, डॉ. शोभित वर्मा, अनिल दुबे एवं शिखा पौराणिक* सहित जबलपुर के सभी 12 रोटरी क्लबों के सदस्यों ने सहभागिता की। इसके साथ ही *सक्षम महाकौशल प्रांत, विशुद्ध हेल्थकेयर फाउंडेशन तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स* के प्रतिनिधि भी अभियान का हिस्सा बने। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के निदेशक *विजय तिवारी* के नेतृत्व में स्काउट-गाइड के बच्चों ने रैली में भाग लिया। विभिन्न विद्यालयों के *150 से अधिक छात्र-छात्राओं* की सहभागिता ने अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया।रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पोलियो मुक्त विश्व का लक्ष्य हासिल करने के लिए नियमित टीकाकरण, निरंतर जागरूकता और समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। आयोजकों ने सभी सहभागी संस्थाओं, रोटरी सदस्यों, विद्यार्थियों एवं स्काउट-गाइड के प्रति आभार व्यक्त किया।

**6976 शिविरों में 3 लाख 3 हजार 400 शिकायतों का मौके पर निराकरण**

**भोपाल।** बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की ओर से संचालित संपर्क अभियान 2026 को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के तहत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 6,976 विशेष शिविरआयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3लाख 3 हजार400 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया।

### पन्ना तक रेल पहुंचना बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

### पन्ना तक रेल पहुंचने पर सांसद शर्मा ने जताया आभार

# कटनी में लॉजिस्टिक हब और पिट निर्माण की मांग पन्ना-खजुराहो को रेलमार्ग से जोड़ने पर भी की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

खजुराहो सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संकुल प्रकोष्ठ के संयोजक विष्णु दत्त शर्मा ने दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर संसदीय क्षेत्र में रेलवे सुविधाओं के विस्तार और विभिन्न रेल परियोजनाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पन्ना जिले तक रेल पहुंचने को बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं। सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि 24 अक्टूबर को पन्ना जिले तक रेल पहुंचने जा रही है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार पन्ना को रेल सुविधा मिलने जा रही है, जो जिले के साथ पूरे बुंदेलखंड के लिए ऐतिहासिक अवसर है। इस सौगात के लिए उन्होंने क्षेत्र की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद पत्र सौंपा।



केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पन्ना तक रेल पहुंचने पर आभार व्यक्त करते हुए सांसद विष्णु दत्त शर्मा।

**कटनी में लॉजिस्टिक हब और पिट निर्माण की मांग**

मुलाकात के दौरान सांसद ने कटनी में लॉजिस्टिक हब और पिट निर्माण कराने का आग्रह किया। उन्होंने पन्ना और खजुराहो को जल्द से जल्द रेलमार्ग से जोड़ने तथा संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विषयों पर भी रेल मंत्री से चर्चा की। उनका कहना था कि बेहतर रेल संपर्क से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और आम नागरिकों को आवागमन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

**वंदे भारत एक्सप्रेस के समय में बदलाव का आग्रह**

सांसद ने पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण खजुराहो-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस के समय में बदलाव की मांग भी रेल मंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने पत्र सौंपकर आग्रह किया कि ट्रेन खजुराहो से सुबह रवाना होकर दोपहर में वाराणसी पहुंचे और वाराणसी से दोपहर में प्रस्थान कर रात तक खजुराहो लौटे।

# भारत का सबसे अमीर गांव, बैंकों को करोड़ों का लोन देने की हैसियत रखते हैं यहां के किसान

नई दिल्ली। यह कहानी भारत के एक ऐसे अनोखे गांव की है, जिसकी मेहनत और कामयाबी देखकर आज अमेरिका, चीन और दुबई भी हैरान हैं। जहां देश के कई हिस्सों में किसान कर्ज और पानी की किल्लत से परेशान हैं। वहीं, इस गांव के किसान बैंकों को करोड़ों रुपए का कर्ज देने की हैसियत रखते हैं। इस गांव का नाम है हिवरे बाजार। यह महाराष्ट्र के अहिल्या नगर (अहमदनगर) जिले में बसा है। खेती और डेयरी के सहारे गांव की प्रति व्यक्ति आय ₹9 लाख सालाना तक पहुंच चुकी है।



## पानी का बजट और 'सात सूत्र' की क्रांति

हिवरे बाजार ने सरकार या किसी मसीहा का इंतजार नहीं किया। उन्होंने अपनी सबसे बड़ी कमजोरी यानी 'पानी की कमी' को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। गांव ने पानी बचाने और उसे सही तरीके से बांटने के लिए वॉटर बजटिंग यानी पानी का बजट शुरू किया। गांव को बदलने के लिए सात गोल्डन रूल (नियम) लागू किए गए।

## 9 लाख रुपए सलाना कमाता है हर ग्रामीण

हिवरे बाजार की यह अद्भुत सफलता किसी बड़ी फैक्ट्री या आईटी कंपनी की वजह से नहीं, बल्कि एकजुटता, अनुशासन और पानी के सही प्रबंधन से आई है। साल 1992 में जहां यहां प्रति व्यक्ति आय 800 रुपए से भी कम थी, आज वह बढ़कर 9 लाख रुपए सालाना तक पहुंच चुकी है। यह मॉडल साबित करता है कि अगर गांव के लोग ठान लें, तो आत्मनिर्भरता का सपना सच होने में देर नहीं लगती।

## सूखे की मार से खुशहाली का सफर

90 के दशक में इस गांव की तस्वीर आज से बिल्कुल जुदा थी। हिवरे बाजार देश के सबसे सूखाग्रस्त इलाकों में गिना जाता था। पथरीली जमीन, सालाना सिर्फ 200-300 मिलीमीटर बारिश और पीने के पानी की भारी किल्लत। हालात इतने बदतर थे कि करीब 80% लोग गांव छोड़कर पलायन कर चुके थे. घरों में गरीबी, बेरोजगारी, आपसी झगड़े और नशे का बोलबाला था। तभी साल 1989 में गांव की तकदीर ने करवट ली। युवा पोपटराव पवार गांव के सरपंच बने। उन्होंने 26 जनवरी 1990 को ग्राम सभा बुलाई, जहां पूरे गांव ने मिलकर अपनी समस्याओं का हल खुद खोजने की कसम खाई।

# 39 साल से नहीं कटाई मूंछें, लंबाई पहुंची डेढ़ मीटर, हर महीने करते है 1,000 रुपए खर्च

**जौनपुर।** किसी को लंबे बाल रखने का शौक होता है, तो कोई अपनी दाढ़ी को अलग अंदाज में रखता है। लेकिन, सिंधोरा काशी के रहने वाले राका का शौक सबसे अलग है। उनकी मूंछें करीब डेढ़ मीटर लंबी हैं और उन्होंने पिछले 39 साल से इन्हें नहीं कटवाया है। इतनी लंबी मूंछों को संभालकर रखना आसान नहीं है, लेकिन राका को इनसे खास लगाव है। यही वजह है कि वह रोज इनकी देखभाल करते हैं और इस पर हर महीने करीब एक हजार रुपए तक खर्च करते हैं। आज के समय में जहां लोग अपने लुक के हिसाब से मूंछों को छोटा रखते हैं, वहीं राका ने अपनी लंबी मूंछों को ही अपनी पहचान बना लिया है। उनकी मूंछें देखने वाले लोग भी हैरान रह जाते हैं। 39 साल से मूंछें नहीं कटवाने का उनका शौक आज भी जारी है। जैसे-जैसे मूंछों की लंबाई बढ़ी, उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी बढ़ती गई। इसके बावजूद राका अपनी मूंछों का पूरा ध्यान रखते हैं। **सुबह-शाम मूंछों में लगाते हैं सरसों का तेल** - राका बताते हैं कि लंबी मूंछों को संभालकर रखने के लिए उनकी नियमित देखभाल करनी पड़ती है। वह रोज सुबह और शाम मूंछों में सरसों का तेल लगाते हैं। इसके साथ ही उनकी साफ-सफाई का भी ध्यान रखते हैं। उनके लिए मूंछों की देखभाल रोज की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है। डेढ़ मीटर लंबी मूंछों को संभालना सामान्य मूंछों के मुकाबले ज्यादा मेहनत का काम है। राका इसके लिए रोज समय निकालते हैं।

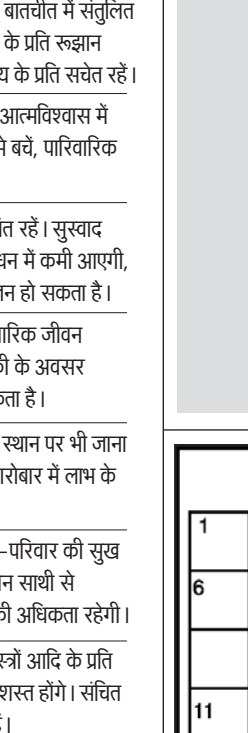
## बोली- धामी जी सड़क बनवा दो

# लहंगे में 4 घंटे में 18 किमी पैदल चलकर दुल्हन पहुंची ससुराल

**देहरादून।** गृह प्रवेश का शुभ मुहूर्त बचाने के लिए एक दुल्हन को अपनी ही शादी में भारी लहंगे में दौड़ लगानी पड़ी। मामला उत्तराखंड के चकराता



ब्लॉक का है, जहां आजादी के दशकों बाद भी उदावा गांव तक सड़क नहीं बन पाई है। बुल्हाड़ गांव से विदा होकर आई दुल्हन शर्मिला को लोखंडी से ससुराल तक 18 किलोमीटर का सफर पैदल तय करना पड़ा। थका देने वाले इस पहाड़ी रास्ते पर समय से पहुंचने के लिए दुल्हन भागती हुई नजर आई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल वीडियो में दुल्हन ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गांव में सड़क बनाने की मांग की है। यह कहानी है शर्मिला की, जिनकी शादी उदावा गांव के अनिल चौहान से तय हुई थी। शादी के बाद जब विदाई हुई, तो दुल्हन बुल्हाड़ गांव से गाड़ियों के काफिले के साथ लोखंडी तक तो आराम से आ गई। असली परीक्षा इसके आगे थी। आजादी के इतने साल बाद भी उदावा गांव तक सड़क नहीं पहुंच पाई है। इसका नतीजा यह हुआ कि शर्मिला को अपनी ही शादी में करीब चार घंटे पैदल चलकर 18 किलोमीटर का दुर्गम पहाड़ी रास्ता तय करना पड़ा। चार घंटे के इस थका देने वाले सफर में सबसे बड़ी चुनौती थी गृह प्रवेश का शुभ मुहूर्त बचाना। शर्मिला को डर था कि कहीं पैदल चलने की सुस्ती में शुभ घड़ी हाथ से न निकल जाए। फिर क्या था, दुल्हन ने आव देखा न ताव और भारी-भरकम शादी के जोड़े में ही दौड़ लगा दी। जिसने भी लहंगे में दुल्हन को भागते देखा, वह दंग रह गया। रास्ते में थककर चूर शर्मिला का ग्रामीणों ने एक वीडियो भी बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में शर्मिला सीधे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुहार लगाती दिख रही हैं। वे कहती हैं कि आज तो वो इस पथरीले और कच्चे रास्ते पर दौड़कर अपनी ससुराल पहुंच रही हैं, लेकिन सरकार जल्द से जल्द इस गांव को पक्की सड़क से जोड़े ताकि भविष्य में किसी और दुल्हन को अपनी शादी के दिन इस तरह न दौड़ना पड़े।



## कार्यालय कलेक्टर, (जनजातीय कार्य) जिला डिण्डौरी, मध्यप्रदेश

http://mptender.gov.in Email - actw.dnd@mp.gov.in

क्र./ज.जा.कार्य./ई-निविदा/निर्माण/2026/2692 डिण्डौरी, दिनांक 16/10/26

**ई-निविदा विज्ञप्ति**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण हेतु परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग (भवन) मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी भवन निर्माण एवं विद्युत कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के प्रचलित एस. ओ. आर 01.01.2024 से प्रभावशील पर आज दिनांक तक संशोधित सहित निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदायें निम्न विवरण अनुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें, निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियाँ www.mptender.gov.in पर देखी जा सकती हैं ।

| क्र. | Online tender No | कार्य का नाम | विकास खण्ड | पी.ए.सी. राशि (लाख में) | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि | पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | 2026_TAD_543936_1 | हाई स्कूल रमपुरी रयत शहपुरा में 1200 मीटर बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य | शहपुरा | 166.28 | 166280/- | 12500/- | 10 माह (वर्षा ऋतु सहित) | नवीन केन्द्रीकृत प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार |
| 2 | | उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमेरा शहपुरा में 800 मीटर बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य | शहपुरा | | | | | |
| | | योग :- | | 166.28 | 166280/- | 12500/- | | |

ऑनलाईन अभिलेख जमा करना अनिवार्य होगा, निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेबसाईट www.mptender.gov.in पर ही दर्ज किये जायेगें, पृथक से समाचार पत्रों पर प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित) सहायक आयुक्त

G-20511/26 जनजातीय कार्य विभाग, जिला डिण्डौरी

## कार्यालय नगर परिषद सालीचौका, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

फोन नं. (07791) 251251 ईमेल cmosalichouka@mpurban.gov.in

क्र. 1359/PWD/NP/2026 सालीचौका, दिनांक-23/10/2026

**//निविदा सूचना //**

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक | कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 2026_UAD_543968_1 दि. 24-10-2026 | वार्ड क्र. 13 में श्रेष्ट पेट्रोल पंप के पास शमशान घाट निर्माण कार्य | 03 माह, 34,82,706/- | 5,000/- 26,200/- | 27/11/2026 |
| 2026_UAD_543969_1 दि. 24-10-2026 | वार्ड क्र. 13 में मुक्तिधाम निर्माण कार्य | 03 माह, 27,09,213/- | 5,000/- 20,400/- | 27/11/2026 |
| 2026_UAD_543970_1 दि. 24-10-2026 | गर्ड क्र. 02 में पचामा रोड से उमेश विश्वकर्मा तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य | 03 माह, 10,72,432/- | 2,000/- 8,100/- | 27/11/2026 |
| 2026_UAD_543971_1 दि. 24-10-2026 | वार्ड क्र. 10 कामता पटेल से अनिल पटेल तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 02 माह, 6,96,052/- | 2,000/- 7,000/- | 27/11/2026 |
| 2026_UAD_545200_1 दि. 24-10-2026 | वार्ड क्र. 09 में हनुमत पटेल के घर से राजकुमार श्रीवास के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 02 माह, 6,56,828/- | 2,000/- 6,600/- | 27/11/2026 |
| 2026_UAD_545202_1 दि. 24-10-2026 | वार्ड क्र. 10 में ब्रजेन्द्र पटेल से मकरन पटेल तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 02 माह, 6,48,840/- | 2,000/- 6,500/- | 27/11/2026 |
| 2026_UAD_545203_1 दि. 24-10-2026 | वार्ड क्र. 12 में शमशान घाट से मेन रोड तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य | 02 माह, 6,06,875/- | 2,000/- 6,100/- | 27/11/2026 |
| 2026_UAD_545204_1 दि. 24-10-2026 | वार्ड क्र. 06 पार्क की बाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य | 02 माह, 2,63,797/- | 2,000/- 2,700/- | 27/11/2026 |

शर्ते- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद सालीचौका, जिला - नरसिंहपुर

## कार्यालय क्षेत्र संचालक, पेंच टाईगर रिजर्व सिवनी (म.प्र.)

Phone:- 07692-352223, 350004 Email:- fd.pennp.sni@mp.gov.in web site- www.penchitiger.org

**निविदा आमंत्रण सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी के अंतर्गत विभिन्न वन अपराधों में लिप्त पाये जाने पर, अंतिम रूप से शासन के पक्ष में राजसात वाहनों का निर्वतन ("वाहन जैसा है, जहां है" की स्थिति में) हेतु निविदा दिनांक 29.10.2026 को दोपहर 01 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में कार्यालय पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी में आमंत्रित की जा रही है। निविदा की शर्तों एवं अन्य जानकारी वन विभाग की वेबसाइट www.mpforest.org पर देखी जा सकती है। प्राप्त निविदाओं को निविदा दिनांक 29.10.2026 को ही दोपहर 02 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोला जावेगा। समस्त इच्छुक निविदाकारों से अनुरोध है कि, निविदा प्रस्तुत करने के पूर्व वाहन का निरिक्षण आवश्यक रूप से कर लेवें एवं संतुष्टि उपरांत ही निविदा प्रस्तुत करें। निविदा शर्ते एवं निर्वतन किये जाने वाले वाहनों की जानकारी पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

उप संचालक

G-20518/26 पंच टाईगर रिजर्व, सिवनी (म.प्र.)

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, सिविल लाईन नरसिंहपुर (म.प्र.)

एनआईटी नं.- 29/2026/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/सीई (बी)/..... जबलपुर दिनांक 21.10.2026

| सं. क्रं. | पोर्टल टेंडर क्र. | कार्य का नाम | जिला | ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में) | अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में). | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित) | कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी। |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | 2026_PWPIU_545046_1 | शासकीय महाराणा प्रताप पीजी महाविद्यालय गाडरवारा में द्वितीय तल पर विस्तार एवं मेनगेट गार्ड रूम एप्रोच रोड एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण | नरसिंहपुर | 199.97 | 199970.00 | 12500.00 | 12 (बारह) माह वर्षाऋतु सहित | कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लो.नि. वि. साउथ सिविल लाइन, जी. सी. एफ. बैरियर के पास जबलपुर ( म.प्र.) |
| 2 | 2026_PWPIU_545070_1 | शासकीय महाविद्यालय सांईखेड़ा में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण | नरसिंहपुर | 61.33 | 61330.00 | 10000.00 | 5 (पांच) माह वर्षाऋतु सहित | कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लो.नि. वि. साउथ सिविल लाइन, जी. सी. एफ. बैरियर के पास जबलपुर ( म.प्र.) |

1- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा । 2- निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 24.10.2026 समय 9.00 से दिनांक 13.11.2026 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है। 3- निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

G-20502/26 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, नरसिंहपुर (म.प्र.)

## पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधक विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/36/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए बेबसाईट https://ireps. gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

| क्र. | टेंडर नं. | संक्षिप्त वर्णन | निविदा मात्रा | नियत तारीख |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 38265019 | 11" ब्रेक सिलिंडर विथ बिल्ट इन स्लैक एडजस्टर फॉर BMBS विथ हैंड ब्रेक केबल्स to KBI पार्ट No. KP1802890 | 100 नंबर्स | 10/11/2026 |
| | | 11" ब्रेक सिलिंडर विथ बिल्ट इन स्लैक एडजस्टर फॉर BMBS विथ हैंड ब्रेक केबल्स to KBI पार्ट No. KP1796330 | 100 नंबर्स | |
| 2 | 30262004 | बोगी बोल्स्टर अरेंजमेंट 16. 25 T | 80 नंबर्स | 11/11/2026 |
| 3 | 61262421A | विनाइल कोटेड Uphlostery फैब्रिक फॉर AC कोचेस | 19291 मीटर | 11/11/2026 |
| 4 | 30261554A | सेट ऑफ नॉन-एस्बेस्टस बेस्ड आर्गेनिक ब्रेक पैड फॉर डिस्क ब्रेक सिस्टम, 400 SQ. CM. एंड 35MM थिकनेस | 20879 सेट्स | 12/11/2026 |
| 5 | 38262407 | किट फॉर एम्प्टी लोड बॉक्स डिवाइस फॉर Box-N वैगन | 3714 सेट्स | 13/11/2026 |
| 6 | 30261553A | ब्रेक डिस्क फॉर व्हील सेट ऑफ LHB कोचेस | 223 नंबर्स | 17/11/2026 |
| 7 | 62261045 | डस्टर्स कॉटन खादी 61 cms x 61cms | 103151 नंबर्स | 26/11/2026 |
| 8 | 50255140A | सप्लाई ऑफ 6 Quad केबल 1.4mm dia कॉपर कंडक्टर | 125 किलोमीटर | 27/11/2026 |
| 9 | 61261119B | टी-मैक्स इंसर्ट्स सैंडविक पार्ट No- 175 32 301940 25 M 3015 | 9972 नंबर्स | 30/11/2026 |
| 10 | 8125WCRTP-24 | रेट कॉन्ट्रैक्ट फॉर मनुफैक्टर एंड सप्लाई ऑफ फिटिंग्स फॉर थिक वेब स्वीचेस फॉर 1 इन 12, टर्न आउट BG (1673 mm) फॉर 60 Kg on PSC स्लीपर्स | 1800 सेट्स | 23/12/2026 |

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मुल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक पमरे, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, अनूपपुर (म. प्र. )

एनआईटी नं.:- 28/2026 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/मु.अ./ लो.नि.वि./भवन/1926 रीवा, दिनांक :- 06-10-2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

| स. क्र. | पोर्टल टेंडर आई. डी. | कार्य का नाम | जिला | ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी रू. लाख में) | अमानत राशि (ईएमडी रू. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित) | 90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एम ओयू निष्पादित |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | 2026_PWPIU_542357_1 | जिला अनूपपुर में 14 न्यायालय कक्ष वाले नवीन न्यायालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) | अनूपपुर | 3415.11 | 1707555.00 | 50000.00 | 24 माह वर्षाकाल सहित | - - |
| 2 | 2026_PWPIU_542359_1 | जिला अनूपपुर अंतर्गत 50 सीटर प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास भवन कोतमा का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) | अनूपपुर | 373.76 | 373760.00 | 15000.00 | 18 माह वर्षाकाल सहित | - - |
| 3 | 2026_PWPIU_542360_1 | जिला अनूपपुर अंतर्गत अमरकंटक में स्थित श्री नर्मदे हर सेवा न्यास परिसर में आवासीय एवं बुनियादी ढांचे के विस्तार (प्रथम तल पर कक्ष निर्माण एवं शौचालय निर्माण कार्य) (प्रथम आमंत्रण) | अनूपपुर | 96.96 | 96960.00 | 10000.00 | 12 माह वर्षाकाल सहित | - - |
| 4 | 2026_PWPIU_542361_1 | जिला अनूपपुर अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला भवन कन्या लखौरा का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) | अनूपपुर | 41.13 | 50000.00 | 5000.00 | 9 माह वर्षाकाल सहित | - - |
| 5 | 2026_PWPIU_542362_1 | जिला अनूपपुर अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला भवन रेउला का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) | अनूपपुर | 41.13 | 50000.00 | 5000.00 | 9 माह वर्षाकाल सहित | - - |
| 6 | 2026_PWPIU_542365_1 | जिला अनूपपुर अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला भवन ताराडांड का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) | अनूपपुर | 41.13 | 50000.00 | 5000.00 | 9 माह वर्षाकाल सहित | - - |

1- निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेवसाईट https://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेगे। 2- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑल-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट/कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3- निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 13-10-2026 समय 06:00 PM से दिनांक 30-10-2026 समय 5:30PM तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेवसाईट पर देखी जा सकती है। 4-निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा ।

G-20482/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यपालन यंत्री (भवन),
लोक निर्माण विभाग अनूपपुर (म.प्र.)

## राशिफल

**मेष** कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

**वृष** कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

**मिथुन** अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

**कर्क** आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

**सिंह** पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

**कन्या** नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

**तुला** आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

**वृश्चिक** वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

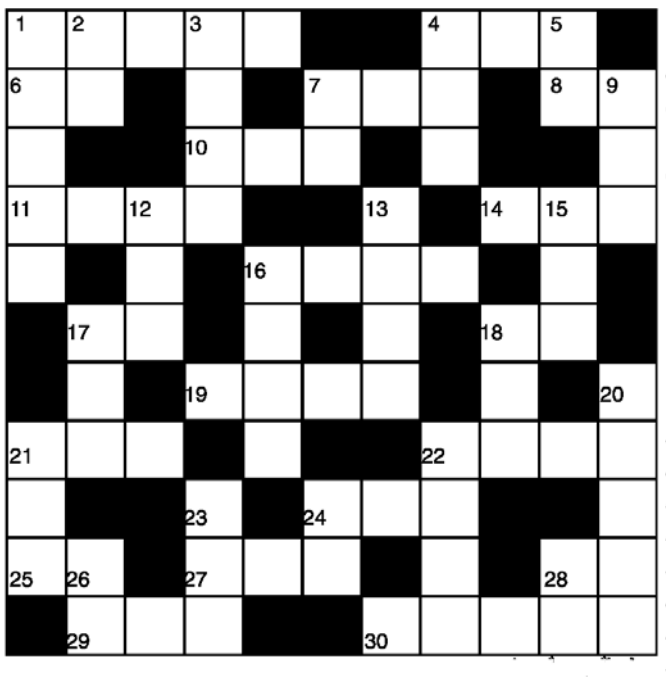
**धनु** रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

**मकर** आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

**कुंभ** परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

**मीन** रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

## शब्द पहेली - 6388



**बाएँ से दाए-**
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

**ऊपर से नीचे**
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

**शब्द पहेली -6387 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | बे | मि | सा | ल | ■ | प | ह | चा | न | ■ |
| बे | ■ | ल | ■ | हु | न | र | ■ | क | ■ | स |
| ई | मा | न | ■ | लु | ■ | व | ■ | र | स | म |
| मा | ■ | ■ | ■ | हा | ज | रि | ■ | ■ | ■ | क |
| न | क | ब | ज | न | ■ | श | य | न | क | क्ष |
| ■ | म | ■ | र | ■ | ■ | ■ | की | ■ | हा | ■ |
| अ | ल | सु | ब | ह | ■ | का | न | भ | र | ना |
| प | ■ | ■ | ■ | म | लि | न | ■ | ■ | ■ | स |
| रा | श | न | ■ | व | ■ | ख | ■ | स | ला | म |
| ध | ■ | हा | ■ | त | रा | जू | ■ | रो | ■ | झ |
| ■ | स | ना | त | न | ■ | रा | ज | पा | ट | ■ |

## सूडोकु नवताल- 6398

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | | 6 | | 3 | | 4 | | 8 |
| | 2 | | | | 9 | | 7 | |
| 4 | | | 1 | 6 | | | | 2 |
| | | 8 | | | 2 | | 3 | |
| 1 | | 4 | | | | 2 | | 5 |
| | 3 | | 5 | | | 8 | | |
| 7 | | | | 9 | 5 | | | 3 |
| | 8 | | 6 | | | | 4 | |
| 6 | | 2 | | 7 | | 5 | | 1 |

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल- 6397 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।





कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

# क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

## आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

## वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंगलुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

## खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

## भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। k



## कई देशों में हो रहे प्रयास

**भले आज** अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

# अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?



टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

**दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी:** अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

**नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन:** इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें श्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

**भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग:** रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



**कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी:** इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

**सवाल भी है बरकरार:** रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। k



दोहे
केदार शर्मा

## पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



पुस्तक अंश
सूर्यबाला

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

# युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर अपना एकनिष्ठ वर्चस्व चाहने वाली उसके जीवन की दो अतिप्रिय स्त्रियों के क्लेश हैं क्योंकि वह दोनों का प्रिय है दोनों स्त्रियां उस पर अपना पूरा आधिपत्य चाहती हैं। पहली ने जिस बच्चे को जन्म दिया, शिशुपन से उसके सारे दुःख-सुख की साक्षी रही, एक ही रात में उस मां को एक-दूसरी युवती स्त्री द्वारा उसके पद से अपदस्थ कर दिया जाता है। (अनजाने ही सही) लेकिन बचपन से युवा होने तक जिसकी नींद सोयी, जिसकी नींद उठी, ऐसी मां और बेटे के निकटतम रक्त-संबंध के बावजूद, यह अपदस्थ मां, अपने 'दोनों बच्चों' (पुत्र-पुत्रवधु) से एक समझदार, सम्मानजनक व्यवहार, रिश्ता और निश्छल प्यार पा कर अति प्रसन्न और तृप्त भी हो सकती है, यह कोई युवती बहू शायद ही समझती हो। कम से कम प्रयोग के तौर पर ही, नाममात्र को ही, यदि वह पहले की तरह उस मां को घर की सम्राज्ञी, उसके बेटे की 'वही मां' बनी रहने का 'भरम' बनाये रख सके तो सीधे-सीधे सिर्फ भारत ही नहीं, विश्व की एक बड़ी मनोवैज्ञानिक समस्या छूमंतर हो सकती है। लेकिन इतना तक भी धैर्य कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। k




(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-

केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।
स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।
जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।
इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।
सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस,पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।
किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।
NBC@
डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466




# भारत का 300वां मैच, 200वीं जीत तिलक और नीतीश ने पलटा मैच

भारत ने तिलक वर्मा (नाबाद 51 रन) के अर्धशतक और नीतीश कुमार रेड्डी (नाबाद 26 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 30 गेंद में 69 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत शुरुआती झटकों से उबरते हुए शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड पर एक गेंद रहते 4 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। भारत ने 300वें मैच में 200वीं जीत (टाई मुकाबले जोड़े बगैर) दर्ज की।

एजेंसी ▶▶ क्राइस्टचर्च

तिलक (26 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) और नीतीश कुमार (13 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली, जब टीम 15वें ओवर में 112 रन पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। लेकिन दोनों ने सूझबूझ और संयम से बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 181 रन बनाकर भारत को 5 मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे कर दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर (4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की ओर बढ़ रही थी। पर तिलक ने फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच उनके हाथों से छीन लिया।

## टीम इंडिया की खराब शुरुआत

भारतीय गेंदबाजों ने पहले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन मेजबान टीम ने ग्लेन फिलिप्स (70) और बेवोन जैकब्स (56) के अर्धशतकों के बाद 5 विकेट पर 180 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत के लिए शुरुआत इतनी अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरू में लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। मध्यक्रम बल्लेबाज नमन धीर ने 31 रन, अभिषेक शर्मा ने 27 रन, संजू सैमसन ने 14 रन और अक्षर पटेल ने 11 रन बनाए। भारत को पहला झटका पांचवें ओवर में जैकब डफी ने सैमसन को आउट करके दिया, जो धीमी गेंद को जल्दी खेलकर ग्लेन फिलिप्स के हाथों लपके गए, तब टीम का स्कोर 40 रन था।



- तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने 7वें विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी
- न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए
- अभिषेक के पावरप्ले में 100 छक्के
- भारतीय साझेदारी का बना रिकॉर्ड
- तिलक ने फील्डिंग में बनाया रिकॉर्ड

### अर्शदीप ने भुवी का रिकॉर्ड तोड़ा

*अर्शदीप सिंह ने इस साल अभी तक 29 मैचों की 26 पारियों में बॉलिंग की है। 9.25 की इकोनॉमी से रन देकर उन्होंने 38 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 51 रन देकर 5 विकेट है।*

### स्कोर बोर्ड

| न्यूजीलैंड पारी : | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| सीफर्ट का तिलक बो अर्शदीप | 7 | 6 | 0 | 1 |
| फिन एलेन बो प्रिंस | 16 | 14 | 0 | 1 |
| मिचेल का तिलक बो भुवनेश्वर | 6 | 5 | 1 | 0 |
| फिलिप्स का धीर बो अर्शदीप | 70 | 43 | 4 | 4 |
| जैकब्स का अक्षर बो रेड्डी | 58 | 46 | 5 | 1 |
| मिचेल सैंटनेर नाबाद | 4 | 5 | 0 | 0 |
| मिचेल ब्रेसवेल नाबाद | 10 | 2 | 1 | 1 |
| अतिरिक्त : 9 रन | | | | |
| योग : 20 ओवर में 180/5 रन | | | | |
| गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-50-1, अर्शदीप 4-0-33-2, प्रिंस 4-0-30-1, धीर 1-0-7-0, अक्षर 4-0-28-0, रेड्डी 3-0-31-1 | | | | |
| भारत पारी : | रन | गेंद | 4 | 6 |
| सैमसन का फिलिप्स बो डफी | 14 | 17 | 1 | 1 |
| अभिषेक का स्मिथ बो सैंटनर | 27 | 21 | 3 | 1 |
| सूर्यवंशी का डेरिल मिचेल बो स्मिथ | 04 | 8 | 0 | 0 |
| श्रेयस अय्यर का सैंटनर | 07 | 11 | 0 | 0 |
| अक्षर का मिचेल बो सैंटनर | 11 | 9 | 0 | 1 |
| तिलक वर्मा नाबाद | 51 | 26 | 6 | 1 |
| नमन का फिलिप्स बो सैंटनर | 31 | 17 | 1 | 3 |
| नीतीश नाबाद | 26 | 13 | 1 | 1 |
| अतिरिक्त : 10 रन | | | | |
| योग : 19.5 ओवर में 181/6 रन | | | | |
| गेंदबाजी : मैट हैनरी 2-1-11-0, जैकब डफी 3.5-0-41-1, लॉकी फर्ग्यूसन 3-0-37-0, माइकल ब्रेसवेल 4-0-35-0, नाथन स्मिथ 3-0-34-1, मिचेल सैंटनर 4-0-21-4 | | | | |

# फ्रेंच ओपन : फाइनल में सिंधू 1 घंटे 13 मिनट में जीता मुकाबला

एजेंसी ▶▶ पेरिस

पीवी सिंधू ने फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान की हिना अकेची पर रोमांचक जीत दर्ज की। भारतीय स्टार ने अकेची को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-10, 20-22, 21-16 से हराकर इस साल दूसरी बार सुपर 750 टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। सिंधू ने यह मुकाबला 1 घंटे 13 मिनट में अपने नाम किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इससे पहले जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय अकेची ने इस सप्ताह वांग झी यी और पुतरी कुसुमा वारदानी जैसी खिलाड़ियों को हराकर अपनी क्षमता का परिचय दिया था। जापान की खिलाड़ी ने सिंधू को भी अपनी चतुराई भरे शॉट और मजबूत रक्षात्मक खेल से परेशान किया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी निर्णायक क्षणों में अपना संयम बनाए रखने में सफल रहीं। सिंधू के सामने फाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक आन से यंग की चुनौती होगी।

- खिताब के लिए विश्व नंबर 1 आन से यंग से भिड़ेंगी सिंधू

## शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 4-4 और फिर 8-8 की बराबरी पर पहुंचा। इसके बाद सिंधू ने लय हासिल करते हुए ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय खिलाड़ी ने पूरी तरह दबदबा कायम करते हुए अंतिम 12 में से 11 अंक जीतकर महज 18 मिनट में पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया।



## सिंधू को मिली बढ़त

मुकाबले का निर्णायक मोड़ 38 शॉट तक चली रैली में आया, जिसका अंत अकेची की नेट पर हुई गलती से हुआ। इससे सिंधू को 18-16 की बढ़त मिल गई। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने बेहतरीन नेट शॉट लगाकर जीत की ओर कदम बढ़ाए।

## भारतीय खिलाड़ी का मैच में नियंत्रण

सिंधू ने लंबी रैली के बाद 20-20 की बराबरी करके उसे बचाया, लेकिन अकेची ने एक और मौका हासिल कर लिया और सिंधू के शॉट के बाहर जाने पर 22-20 से गेम जीत लिया। सिंधू ने निर्णायक गेम में 5-3 की बढ़त के साथ शुरुआत की, लेकिन अकेची ने वापसी करते हुए 6-5 से बढ़त बना ली।

## खबर संक्षेप

### सेमीफाइनल में हार कर बाहर हुईं अनाहत



**रेडवुड सिटी।** अनाहत सिंह सिलिकॉन वैली स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी मलेशिया की शिवशंकरी सुब्रहमण्यम से हारकर बाहर हो गई। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी और मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत को 11-5 6-11 4-11 7-11 से पराजय का सामना करना पड़ा। यह मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनकी तीसरी हार है। इससे पहले अनाहत ने मिस्र की 8 बार की विश्व चैंपियन नूर अल शेरबिनि को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

### भारतीय पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

**अस्ताना।** विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के पहले दिन शनिवार को भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जहां ग्रीको-रोमन वर्ग में उतरे 4 पहलवानों में केवल ललित ही जीत दर्ज कर सके। ललित को भी 55 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में ईरान के पायम फरजाद अहमदी से सामना करना पड़ा। ललित ने प्री-क्वार्टर फाइनल में तुर्किये के ओमर हालिस रेचेप के खिलाफ दमदार वापसी करते हुए 9-7 से जीत हासिल की। वह एक समय मुकाबले में 0-7 से पिछड़ रहे थे और हार से महज एक अंक दूर थे। उन्होंने हालांकि जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए लगातार नौ अंक जुटाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

### हीरो वुमैन इंडियन ओपन वाणी ने बनाई बढ़त



**गुरुग्राम।** भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने हीरो वुमैन इंडियन ओपन के तीसरे दौर के बाद एक शॉट की बढ़त हासिल कर 10 साल बाद घरेलू चैंपियन बनने की उम्मीदें मजबूत कर दी हैं। पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाले लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) टूर्नामेंट के तीसरे दौर में 32 वर्षीय वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर पांच अंडर 211 है। वह गत चैंपियन सिंगापुर की शैनन टैन और थाईलैंड की तीन बार की विजेता पोर्नानॉन्ग फाटलम से एक शॉट आगे हैं।

# 11 वर्ष की उम्र में इंटरनेशनल मास्टर बनीं बोधाना, तोड़ा 38 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय मूल की इंग्लिश शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवनंदन 38 साल पुराना जुडिथ पोल्गर का रिकॉर्ड तोड़कर 11 वर्ष की उम्र में सबसे युवा महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बन गई। उत्तरी लंदन की रहने वाली बोधना को यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए कुछ ही रेटिंग अंक की जरूरत थी। यूरोपीय शतरंज यूनियन ने एक्स पर लिखा, '11 वर्ष की बोधना शिवनंदन को यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2026 के आखिरी दौर में में जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने पर बधाई।' उन्होंने बेलारूस की अंतरराष्ट्रीय मास्टर ओल्गा बाडेलका को तीसरे दौर में हराया और अगले दौर में जॉर्जिया की ग्रैंडमास्टर निनो बाटसियाशवी से ड्रॉ खेला। स्वीडन की महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर विक्टोरिया जोहानसन को हराकर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की और सर्वकालिक दस सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय मास्टर में शामिल हो गई। इस सूची में भारत के आर प्रज्ञानानंदा, डी गुकेश, उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, अर्जेंटीना के फास्टिनो ओरो, तुर्किये के यागिज खान और रूस के रोमन एस शामिल हैं।



# न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ भारत-ए का निराशजनक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ लिंकन

हरी भरी विकेट पर भारतीय बल्लेबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके और सितारों से भरी टीम न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन शनिवार को 113 रन पर आउट हो गई। जवाब में न्यूजीलैंड ने 3 विकेट 135 रन पर गंवा दिए थे और उसके पास 22 रन की बढत है। आकिब नबी ने कीवी बल्लेबाज जेडन लेनोक्स और टिम रॉबिनसन को खाता खोले बिना आउट किया। न्यूजीलैंड ए के लिए दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज साइमन कीनी ने 24 रन देकर 5 विकेट चटकाए।

- 113 रन पर ढेर हुई भारतीय ए टीम
- केएल राहुल, साई सुदर्शन, वाशिंगटन जीरो पर आउट



## भारत के 5 बल्लेबाज नहीं खोल पाए खाता

भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (45 गेंद में 17 रन) एक बार फिर अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और जाक गिब्सन की गेंद पर स्लिप में कैच देकर लौटे। वहीं केएल राहुल खाता भी नहीं खोल पाए और फ्रेसर शीट की गेंद पर विकेट के पीछे कैच थमा दिया। तीसरे नंबर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 77 गेंद में 32 रन बनाए। भारत के पांच बल्लेबाज खाता खोलने में नाकाम रहे। छठे नंबर पर उतरे विदर्भ के बल्लेबाज यश राठौड़ ने अगर नाबाद 44 रन नहीं बनाए होते तो भारत ए का स्कोर 100 रन से भी कम होता। राठौड़ ने 49 गेंद की पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाए। अंशुल कम्बोज ने आखिर में दस रन बनाए।

महिला वनडे

# जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज जीतने पर भारत की नजरें



एजेंसी ▶▶ वडोदरा

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ रविवार को दूसरे वनडे में उतरेगी तो उसका इरादा श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढत बनाने पर लगी होंगी। टी20 श्रृंखला 3-0 से जीतने के बाद भारत ने पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया। स्पिनर श्रीचरणी ने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 23 रन देकर चार विकेट लिए जबकि प्रतिका रावल ने नाबाद 100 रन बनाए। पिच से मदद नहीं मिलने के बावजूद चरणी ने बेहद अनुशासित गेंदबाजी की। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी 3 विकेट लिए, जिसकी मदद से भारत ने जिम्बाब्वे को 197 रन पर आउट कर दिया और 22 ओवर बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

**आज वडोदरा में भिड़ंत**
मैच का समय दोपहर 2:00 बजे

## 17 वर्ष की बीलवड बिजा की अहम पारी

17 वर्ष की बीलवड बिजा का फॉर्म अहम होगा, जिन्होंने पिछले दो मैचों में चार और 62 रन बनाए हैं। मिचेले मावुंगा ने 23 गेंद में 29 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। वह इस लय को कायम रखकर बड़ी पारी खेलना चाहेंगी।

## शानदार फार्म में प्रतिका

टीम संयोजन पर काम कर रहे भारतीय टीम प्रबंधन के लिए प्रतिका की पारी राहत की बात रही, जिन्होंने बेहद आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने कप्तान स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 94 रन जोड़े और प्रति ओवर दस की औसत से रन बनाए। भारत को अपनी फील्डिंग पर काम करना होगा क्योंकि जिम्बाब्वे की पारी की शुरुआत में दो कैच छूटे थे। जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने धैर्य से काम किया लेकिन बीच के ओवरों में साझेदारी नहीं बन सकी, जिस पर उन्हें काम करना होगा। चिपो मुगेरी तिरिपानो और माडेस्टर मुपाचिकवा जीवनदान का फायदा उठाने में नाकाम रहीं।

# मुंबई ओपन टेनिस : करण और दिग्विजय के बीच खिताबी मुकाबला

**मुंबई।** भारत के करन सिंह ने शनिवार को मुंबई ओपन आईटीएफ पुरुष एम25 टेनिस टूर्नामेंट सेमीफाइनल में हमवतन चिराग दुहन को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया कर खिताबी मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। करन शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार दूसरे आईटीएफ पुरुष एम25 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह सोलापुर ओपन में खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। तीसरी वरीयता प्राप्त करन के साथ भारत के चौथी वरीयता प्राप्त दिग्विजय प्रताप सिंह ने भी फाइनल में प्रवेश किया। दिग्विजय ने दूसरे वरीय अमेरिका के गैरेट जॉन्स को 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। उनकी इस जीत के साथ टूर्नामेंट के एकल वर्ग का खिताब भारतीय खिलाड़ी के पास रहना तय हो गया। पुरुष युगल वर्ग में भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त एसडी प्रज्वल देव और नितिन कुमार सिन्हा ने रोमांचक मुकाबले में खिताब अपने नाम किया।



# मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच बने पोलार्ड

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 सत्र से पहले वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला कीरोन पोलार्ड को टीम का मुख्य कोच बनाया है, जो महेला जयवर्धने की जगह लेंगे। पोलार्ड पिछले कुछ सत्र से टीम के बल्लेबाजी कोच थे। वह आईपीएल 2027 से टीम के मुख्य कोच का पद संभालेंगे। मुंबई आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से है लेकिन आखिरी बार 2020 में खिताब जीता था।

मुंबई इंडियंस ने कहा,' मुंबई इंडियंस को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि कीरोन पोलार्ड टीम के मुख्य कोच होंगे। यह टीम की विरासत बनाने के प्रति मुंबई इंडियंस की प्रतिबद्धता का परिचायक है। हम मैदान पर और उसके बाहर प्रतिभाओं के विकास और अपनी टीम संस्कृति मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे।'



## मुंबई इंडियंस मेरे कैरियर का बड़ा हिस्सा : पोलार्ड

पोलार्ड ने कहा,' मुंबई इंडियंस मेरे जीवन और कैरियर का बड़ा हिस्सा रही है। टीम, खिलाड़ियों और पल्टन के साथ मेरा लगाव मेरे लिए काफी मायने रखता है।' उन्होंने कहा,' एक खिलाड़ी और एक कोच के तौर पर सफर का अनुभव करने के बाद मैं समझ गया हूं कि मुंबई इंडियंस क्या है और उसके साथ जुड़ने की जिम्मेदारियां क्या है।' पोलार्ड ने 2009-2010 से मुंबई के लिए ही आईपीएल खेला और आखिरी बार वह 2022 में खेले। मुंबई के लिए 189 आईपीएल मैचों में उन्होंने 147.32 की स्ट्राइक रेट से 3412 रन बनाए। इसके अलावा 69 विकेट भी लिए।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: : लाओस को 4-2 से हराया, हासिल किए 3 अंक

# भारत ने जीत के साथ किया शानदार आगाज

एजेंसी ▶▶ बाकू

भारत ने अजरबैजान में आयोजित पहले फीफा अंडर-15 फुटबॉल वर्ल्ड कप की शानदार शुरुआत की है। बाकू के होवसन कॉम्पिटिशन कॉम्प्लेक्स में खेले गए ग्रुप (के) के अपने पहले मैच में भारत ने लाओस को 4-2 से हराया। भारत के कप्तान मैकडोनिश न्गैरांगबाम (7वें मिनट) और आर. लालरेमरुआतफेला (11वें मिनट) ने टीम के लिए शुरुआती दो गोल दागते हुए बढ़त दिलाई। इसके बाद लाओस के अनाविं जाप्यासोने ने 12वें मिनट में एक गोल करके अंतर को कम करने का प्रयास किया। हाफ-टाइम के तुरंत बाद, दक्षिण-पूर्वी एशियाई टीम के लिए सौक्सवान सिलिसेंग (24वें मिनट) ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, भारत ने जोरदार वापसी की।



## 33वें मिनट में भारत ने बनाई बढ़त

33वें मिनट में भारत ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया, जब सरकार ने हाफ-वे लाइन के ठीक अंदर से शॉट मारा। गेंद गोलकीपर के ऊपर से होती हुई सीधे नेट में चली गई। भारतीय युवा टीम ने बाकी बचे मैच को बखूबी संभाला, अपनी दो गोल की बढ़त को बरकरार रखा और पूरे तीन अंक हासिल किए।

## हाफ-टाइम के बाद भारत ने बनाया दबाव

हाफ-टाइम के बाद भारत ने फिर से दबाव बनाया। 21वें मिनट में एक कॉर्नर किक पर मैकडोनिश का हेडर गोल पोस्ट के बिल्कुल करीब से बाहर निकल गया। हालांकि, तीन मिनट बाद ही लाओस ने बराबरी कर ली, जब सौक्सवान सिलिसेंग ने बॉक्स के बाहर से सीधे शॉट लगाकर गेंद को गोल के निचले कोने में पहुंचा दिया। इस बराबरी के बाद भारत ने अपनी आक्रामकता बढ़ाई और खेल का ज्यादातर हिस्सा लाओस के हाफ में खेला गया।

पश्चिम मध्य रेल
यांत्रिक शाखा, ओपन टेंडर
सिंगल पैकेट सिस्टम
टेन्डर नोटिस संख्या. जबल–यॉत्रिक–टेन्डर 30–2026 दिनांक 17/10/2026
निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यॉत्रिक इंजीनियर (कोचिंग), मंडल रेल प्रबंधक (यॉत्रिक), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है । निविदा सूचना कमांक : JBP-M-Tender-30-2026 dated 17-10-2026, कार्य का नाम लोकशन सहित : मदन महल स्टेशन पर SCADA आधारित त्वरित जल (क्विक वाटरिंग) व्यवस्था का प्रावधान।, कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये में : RS 10373996.34, ब्याना राशी रूपये में : Rs 207500.00, समापन अवधि : 6 Months, निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय : 10/11/2026 Upto 15.00 Hrs., निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 10/11/2026 Upto 15.30 Hrs. उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यॉत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।
(हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर




### हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर तक हर हाल में जवाब पेश करने के दिए निर्देश

# 7 साल से जवाब नहीं , प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा पर 25 हजार जुर्माना

**जबलपुर।** हाईकोर्ट ने सात साल से लंबित याचिका में राज्य शासन की ओर से जवाब पेश नहीं किए जाने पर सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव पर 25 हजार रुपये जुर्माना लगाते हुए 29 अक्टूबर 2026 तक जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राशि प्रमुख सचिव को निजी खाते से जमा करनी होगी, सरकारी खजाने से नहीं। निर्धारित समय में जवाब पेश नहीं होने पर प्रमुख सचिव को तीन नवंबर को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होना होगा।

सतना निवासी सत्येंद्र शर्मा की ओर से दायर याचिका की सुनवाई में कोर्ट को बताया कि याचिका वर्ष 2019 में दायर हुई थी और 23 सितंबर 2019 को नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद शासन की ओर से जवाब पेश नहीं किया गया।



20 अक्टूबर 2023 को शासन के पैनल अधिवक्ता ने चार सप्ताह का समय मांगा था। इसके बाद 21 नवंबर 2023 को शासकीय अधिवक्ता ने अंतिम अवसर के रूप में फिर चार सप्ताह का समय लिया, लेकिन जवाब दाखिल नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से अधिवक्ता अभिषेक सिंह ने बताया कि महाधिवक्ता कार्यालय ने उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा था, लेकिन वहां से जवाब नहीं मिला।

### निजी खाते से जमा करनी होगी राशि

कोर्ट ने 25 हजार रुपये हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति में जमा करने का निर्देश दिया। आदेश के अनुसार, यदि प्रमुख सचिव ने मामले के लिए अधिकारी-प्रभारी (ओआईसी) नियुक्त किया है, तो उन्हें नियुक्ति आदेश प्रस्तुत करना होगा और जुर्माना ओआईसी वहन करेगा। अन्यथा राशि प्रमुख सचिव को अपने खाते से चेक के माध्यम से जमा करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई तीन नवंबर 2026 को निर्धारित की गई है।

### दो प्रमुख सचिवों से मांगा व्यक्तिगत शपथपत्र

# एमपीडब्ल्यू की वेतन विसंगति पर हाई कोर्ट सख्त

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एमपीडब्ल्यू) की वेतन विसंगति के मामले में राज्य शासन से जवाब तलब किया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने सामान्य प्रशासन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिवों को 30 दिन के भीतर व्यक्तिगत शपथपत्र प्रस्तुत करने को कहा ।यह स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं कि संशोधित वेतनमान एक अप्रैल 2006 से लागू करने का आधार क्या था। मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर 2026 को निर्धारित की गई है। यह मामला हाईकोर्ट में लंबित 18 याचिकाओं के समूह से संबंधित है। जबलपुर , छिंदवाड़ा सहित अन्य जगहों के याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वर्ष 1998 में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति के समय उनका वेतनमान 950-1530 रुपये था। विभिन्न विभागों में समान पदों पर कार्यरत कर्मचारियों के वेतनमान में विसंगति दूर करने के लिए ब्रह्मस्वरूप समिति गठित की गई थी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग के 5/17 अक्टूबर 2006 के परिपत्र और दो समितियों की जांच के आधार पर एमपीडब्ल्यू का वेतनमान 3050-4590 रुपये से बढ़ाकर 3500-5200 रुपये निर्धारित किया गया। हालांकि, संशोधित वेतनमान का लाभ एक अप्रैल 2006 से ही दिया गया। हाई कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब वेतन विसंगति पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत एक जनवरी 1996 से प्रभावी व्यवस्था से संबंधित थी, तो उसका निराकरण एक अप्रैल 2006 से कैसे किया गया। जबकि छठे वेतन आयोग की सिफारिशें भी एक जनवरी 2006 से लागू हो चुकी थीं। कोर्ट के अनुसार, इस निर्णय का कर्मचारियों के वेतन निर्धारण और भविष्य के सेवा लाभों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि शासन की ओर से प्रस्तुत जवाब और कोष एवं लेखा विभाग के संयुक्त संचालक वीएनएस ठाकुर के शपथपत्र में इस पहलू को पर्याप्त रूप से स्पष्ट नहीं किया गया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोनों विभागों के प्रमुख सचिव संबंधित तथ्यों और अभिलेखों का परीक्षण कर व्यक्तिगत शपथपत्र प्रस्तुत करें। इसमें संशोधित वेतनमान लागू करने के लिए एक अप्रैल 2006 की तारीख निर्धारित करने का औचित्य भी स्पष्ट करना होगा।







## युवक पर तेजाब फेंकने वाले पिता-पुत्र को 10-10 साल का कारावास

**जबलपुर।** पनागर में युवक पर तेजाब फेंकने के मामले में विशेष न्यायालय ने आरोपी पिता-पुत्र को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और पांच-पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। संजोग सिंह बाघेला की कोर्ट ने अतिशय उर्फ छोटू चौधरी और नंदन चौधरी को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। अभियोजन के अनुसार, घटना चार-पांच दिसंबर 2020 की दरमियानी रात करीब एक बजे की है। फरियादी मनीष कुर्मी अपने घर से मोटरसाइकिल से खेत जा रहे थे। रास्ते में पनागर के कमानिया गेट के सामने मोदी की चाय ढुकान पर रुककर चाय पीने लगे। वहां वाशु केशरवानी और सृजन मिश्रा भी मौजूद थे। इसी दौरान अतिशय चौधरी के पिता नंदन चौधरी वहां पहुंचे और वाशु केशरवानी के बारे में पूछने लगे। अतिशय द्वारा वाशु की पहचान बताए जाने पर नंदन ने उस पर तेजाब फेंक दिया। पास खड़े सृजन मिश्रा भी इसकी चपेट में आ गए। तेजाब से वाशु के चेहरे और बाईं आंख के आसपास तथा सृजन के माथे और दोनों आंखों के आसपास गंभीर जलन हुई। दोनों को पनागर के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर किया गया। मनीष कुर्मी की रिपोर्ट पर पनागर पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया। प्रकरण में विशेष लोक अभियोजक बबिता कुल्हारा नागदेव ने पैरवी की।




हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240